निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 6 जून 2025 शुक्रवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 20 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1660 : डेनमार्क तथा स्वीडन के बीच शांति समझौता हुआ।

1674 : शिवाजी महाराज का रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक और साथ ही उन्होंने छत्रपति की उपाधि ग्रहण की।

1916 : अमेरिका के ईस्ट क्लीवलैंड में महिलाओं को वोट का अधिकार दिया गया।

1981 : बिहार की बाघमती नदी में एक ट्रेन गिर गई जिससे उसमें सवार 1000 लोगों में से करीब 800 की मौत हो गई।

1999 : भारती की पहली जोड़ी लिएंडर पेस तथा महेश भूपति ने टेनिस का ग्रैंड स्लैम जीता।

प्रकृति के साथ रचे-बसे रहना झारखंड और झारखंडियों का स्वभाव : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि आज पर्यावरण बड़ी चुनौती बन गयी है। पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ का ही नतीजा है कि जंगलों में रहने वाले जानवर अब गांव और बस्ती में घूम कर नये घर तलाश रहे हैं। लोग केवल एक पेड़ बचाएं, बदलाव जरूर आयेगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन भवन (डोरंडा, रांची) में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। मौके पर उन्होंने यहां पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सीएम ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरी दुनिया में पर्यावरण चिंता का विषय बन गया है, हम सौभाग्यशाली हैं कि झारखंड में 70 प्रतिशत वनभूमि है। हमें वनों को संजोना और बढ़ाना होगा। पेड़ बचे रहेंगे, तो ही हम इंसान भी बचेंगे। वरना बुरे दिन आने में समय नहीं लगेगा। पर्यावरण के बिगड़ने की वजह से दुनिया भर में लोग तरह-तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। पारंपरिक रूप से प्रकृति के साथ रचे-बसे रहना झारखंड और झारखंडियों का स्वभाव है। हमारी सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य में कई प्रयोग किये गये हैं। उनमें से एक कार्यक्रमों में पौधा देकर स्वागत करने का रिवाज शुरू

करना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में प्लास्टिक खत्म करने की मुहिम चल रही है। छोटा प्लास्टिक बैग भी जीवन खतरे में डालने के लिए काफी है। प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए खुद में चेतना जरूरी है। लोगों को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संकल्प खुद लेना होगा। हमें सोचना होगा कि पर्यावरण बचाते हुए विकास की ऊंचाइयों को कैसे छूना है। उन्होंने कहा कि आज तेजी से शहरीकरण हो रहा है। जहां पैदल चलने की जगह नहीं, वहां भी लोग बस रहे हैं। नतीजा, गांव की तुलना में शहर के हालात ज्यादा खराब हो गये हैं। ट्रैफिक जाम लग रहा है। स्कूली बच्चे घंटों तक बसों के अंदर फंसे रहते हैं। गांव आज भी कई मायनों में सुरक्षित है। शहर की स्थिति बदतर होती जा रही है। जबकि, शहर में पढ़े-लिखे लोग रहते हैं। वे दुनिया को बदलते देख रहे हैं। लेकिन, खुद डैम के किनारे ग्रीन एरिया में घर बना कर रह रहे हैं। इस तरह की हर चीज की कीमत सभी को चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिम्मेवार सरकार शहर से गांव तक हर व्यक्ति, हर समुदाय को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना धरातल पर उतार रही है। राज्य सरकार के सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में पढ़ने वाले बच्चे 92-94 प्रतिशत अंक लाकर परीक्षा पास कर रहे हैं। हमारी सरकार गरीब, किसान और मजदूर के बच्चों के इंजीनियर व डॉक्टर बनने का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

पर्यावरण प्रदूषण वैश्विक चिंता का विषय : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार गुरुवार को बोकारो के पुपुनकी में दामोदर के तट आयोजित गंगा दशहरा के मौके पर देवनद दामोदर महोत्सव में शामिल हुए। इस महोत्सव का आयोजन युगांतर भारती दामोदर बचाओ आंदोलन, नेचर फाउंडेशन, दामोदर क्षेत्र विकास ट्रस्ट और आईआईटी आईएसएम के द्वारा किया गया। मौके पर राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज एक वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। यह विचारणीय है कि हम किस प्रकार विकास की राह पर अग्रसर होते हुए प्रकृति और पर्यावरण के साथ संतुलन बनाए रखें। झारखंड प्राकृतिक संपदाओं से भरपूर राज्य है। यहां के वन, पर्वत, जलप्रपात और नदियां केवल दृश्य सौंदर्य नहीं, बल्कि जीवनदायिनी हैं। इनका संरक्षण हमारा नैतिक और सामाजिक दायित्व है। आज का आयोजन 'देवनद-दामोदर महोत्सव' न केवल हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, बल्कि यह पर्यावरणीय जागरूकता का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मैं युगान्तर भारती संस्था को बधाई देता हूं, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। दामोदर नदी केवल एक नदी नहीं, बल्कि झारखंड की जीवनरेखा है। इसने वर्षों से इस क्षेत्र की औद्योगिक,

आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को आधार दिया है। बोकारो स्टील प्लांट, चन्द्रपुरा एवं तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन जैसे अनेक प्रतिष्ठान दामोदर के किनारे स्थापित हैं। लेकिन औद्योगिक विकास की दौड़ में दामोदर नदी को भारी प्रदूषण का भी सामना करना पड़ा। ऐसे समय में सरयू राय जैसे जागरूक जनप्रतिनिधि के नेतृत्व में युगान्तर भारती ने एक प्रभावी पहल की। प्रदूषक इकाइयों पर दबाव बना, प्रशासन को सजग किया गया। इसका सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि अब दामोदर का जल कई स्थानों पर साफ दिखाई देने लगा है। राज्यपाल ने कहा कि मैं उन सभी लोगों को बधाई देता हूँ जिन्होंने इस अभियान में भागीदारी निभाई। यह समझना आवश्यक है कि नदियों की स्वच्छता केवल शासन या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक समय गंगा नदी भी बहुत प्रदूषित हो गई थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नमामि गंगे परियोजना' के माध्यम से गंगा नदी की स्वच्छता हेतु व्यापक कार्य किए गए। लोग भी स्वच्छता को लेकर जागरूक हुए। भारत में नदियां केवल जल स्रोत नहीं हैं, वे पूज्यनीय हैं। 'दामोदर' स्वयं भगवान विष्णु का नाम है। इस महोत्सव के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि नदियों की पूजा केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। यहाँ दामोदर की पूजा सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आस्था और संरक्षण का संकल्प है। यह सुखद है कि हर वर्ष गंगा दशहरा के दिन हजारों लोग दामोदर महोत्सव में सम्मिलित होते हैं और दामोदर को स्वच्छ रखने का संकल्प लेते हैं। यही जन-भागीदारी किसी भी अभियान की सबसे बड़ी शक्ति होती है। परंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि केवल औद्योगिक नहीं, नागरिक प्रदूषण भी नदियों को गंदा कर रहा है।

सीएम ने मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के डोरंडा स्थित वन भवन में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। इसकी जानकारी सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर साझा की। उन्होंने लिखा, 'विश्व पर्यावरण दिवस पर आज रांची स्थित वन भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुआ। सभी को इस अवसर पर बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।' इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, राज्यसभा सांसद महुआ माजी और राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी सहित कई अधिकारी और नेता मंच पर दिखे। झारखंड डीजीपी अनुराग

गुप्ता भी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचें। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने रांचीवासियों को नये फ्लाईओवर की भी सौगात दी। उन्होंने राजधानी के बहुप्रतिक्षित मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि आज हम वन विभाग परिसर में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए एकत्र हुए हैं। पहला, आज विश्व पर्यावरण दिवस है, जिसे पूरे देश में मनाया जा रहा है। दूसरा, आज रांची के लोगों को सिरमटोली फ्लाईओवर समर्पित किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि आज पर्यावरण के साथ किस तरह छेड़छाड़ किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदूषण पर भी बात की।

12वीं आर्ट्स का रिजल्ट जारी, 95.62% विद्यार्थी पास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने गुरुवार को 12वीं आर्ट्स का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस बार रिजल्ट को लेकर जैक ऑफिस में कोई कार्यक्रम नहीं हुआ। सीधे वेबसाइट पर रिजल्ट डाला गया है। इस बार 95.62 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए हैं।12वीं आर्ट्स की परीक्षा में 2.28 लाख स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन किया, जिसमें 2.27 लाख छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इसमें 70,7867 फर्स्ट, 10,4314 सेकेंड और 5,091 थर्ड डिवीजन से पास हुए हैं। स्टूडेंट्स जैक की वेबसाइट पर दोपहर 2.15 बजे के बाद रिजल्ट देख सकें। बोर्ड की ओर से इससे पहले 10वीं के रिजल्ट सहित 12वीं साइंस व कॉमर्स स्ट्रीम का रिजल्ट पहले ही जारी किया जा चुका है। इंटर की परीक्षा 11 फरवरी से 4 मार्च के बीच

परीक्षा आयोजित की गई थी। पांच दिन पहले बोर्ड ने साइंस और कॉमर्स स्ट्रीम का रिजल्ट प्रकाशित किया था। इस साल साइंस में 79.26% और कॉमर्स में 91.2% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। साइंस में टोटल 98,634 छात्र थे, जिनमें से 78, 186 परीक्षा में शामिल हुए। इस साल के साइंस का रिजल्ट पिछले साल से 7 फीसदी बेहतर है। वहीं कॉमर्स में कुल 22,066 छात्र थे, जिनमें से 20, 285 पास हुए। दोनों स्ट्रीम में लातेहार जिले का रिजल्ट सबसे बेहतर रहा है। साइंस और कॉमर्स में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा है। साइंस में 80.53 फीसदी लड़कियां सफल हुई हैं, जबकि लड़कों का रिजल्ट 48.43 % रहा। वहीं कॉमर्स में 95 % लड़कियां सफल रहीं, जबकि लड़कों का रिजल्ट 86% रहा। बीते साल इंटर के सभी संकाय का रिजल्ट एक साथ जारी किया गया था। साल 2024 के रिजल्ट में 40.78% स्टूडेंट्स ने फर्स्ट डिवीजन से एग्जाम पास किया है, जबकि 55.71% स्टूडेंट्स ने सेकेंड डिवीजन से एग्जाम पास किया है। 12वीं में ओवरऑल पासिंग पर्सेंटेज 85.48% रहा था। साल 2023 की तुलना में 2024 में ओवरऑल पासिंग पर्सेंटेज 2.79% कम रहा था। 2023 में 12वीं में ओवरऑल पासिंग पर्सेंटेज 88.67% था।

कुदाल से काटकर पत्नी की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद के हुलासगंज थाना क्षेत्र के सुकियावां मुसहरी में एक सनकी पति ने अपनी पत्नी की कुदाल से काटकर हत्या कर दी। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। मृतका की पहचान पवन कुमार की पत्नी पिंकी कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार छत पर सोने के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। तभी गुस्से में पवन ने कुदाल से पिंकी पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में छिप गया, जहां वह दैनिक मजदूर के रूप में काम करता था। गुरुवार सुबह जब लोगों ने छत पर खून से लथपथ महिला का शव देखा, तो पुलिस को सूचना दी गई।

पीएमईजीपी योजना ने स्व-रोजगार का मजबूत आधार तैयार किया : मनोज कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/ मुंबई। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के 8794 लाभार्थियों को 300 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी संवितरित की गई। यह संवितरण करीब 884 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के सापेक्ष किया गया। यह आयोजन मुंबई स्थित केवीआईसी के केंद्रीय कार्यालय, इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम) से सम्पन्न हुआ, जिसमें केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने लाभार्थियों को सब्सिडी ऑनलाइन माध्यम से जारी की। इस अवसर पर केवीआईसी की सीईओ रूप राशि के साथ ही केंद्रीय कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संवितरण कार्यक्रम के अवसर पर अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन में पीएमईजीपी योजना ने आज भारत में स्व-रोजगार का एक मजबूत और

प्रभावी आधार तैयार किया है। खादी और ग्रामोद्योग आज केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के सपनों का सार है। इस योजना ने लाखों युवाओं को न केवल रोजगार दिया है, बल्कि उन्हें उद्यमशीलता की शक्ति से भी जोड़ा है।'' इस संवितरण में देश के सभी छह जोन की भागीदारी रही। दक्षिण क्षेत्र के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी के लिए 2445 परियोजनाएं स्वीकृत हुईं, जिसके लिए 80.26 करोड़ रुपये की सब्सिडी संवितरित की गई। मध्य जोन में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड की 2366 परियोजनाओं के लिए 91.13 करोड़ रुपये की सब्सिडी संवितरित की गई। पूर्वी भारत में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल व अंडमान निकोबार और पूर्वोत्तर के असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए कुल 2167 परियोजनाओं को करीब 62.68 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गई। उत्तर क्षेत्र के हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान की 1320 परियोजनाओं के लिए 41.80 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई। वहीं पश्चिम क्षेत्र के गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा में 496 परियोजनाओं को 24.12 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस तरह देशभर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को सशक्त बनाने के लिए यह एक व्यापक और प्रभावी अभियान सिद्ध हुआ। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) जब से शुरू हुआ है तब से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 तक ग्रामीण और शहरी भारत में उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का स्तंभ बन चुकी है।

बेंगलुरु भगदड़- पुलिस कमिश्नर को सीएम ने निलंबित किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेंगलुरु। बेंगलुरू भगदड़ मामले में सीएम सिद्धारमैया ने पुलिस को आरसीबी और डीएनए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के अफसरों को अरेस्ट करने का आदेश दिया। साथ ही बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर समेत कई अफसरों को सस्पेंड कर दिया। इससे पहले कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को हाईकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट सौंपी। इसमें बताया कि केस की जांच अब सीआईडी करेगी और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम भी बनाई जाएगी। सरकार ने बताया की भगदड़ मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, डीएनए इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया है। इन पर विक्ट्री परेड के दौरान आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि भगदड़ की घटना अव्यवस्था और जिम्मेदार एजेंसियों की लापरवाही की वजह से हुई। उधर, इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सी एम जोशी बेंच ने राज्य सरकार को हादसे पर स्टेट्स रिपोर्ट पेश करने को कहा है। अब अगली सुनवाई 10 जून को होगी। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से कहा, 'राज्य सरकार को यह बताना चाहिए कि आरसीबी के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का फैसला किसने लिया है। जो खिलाड़ी देश के लिए नहीं खेलते, उन्हें सम्मानित करने की क्या मजबूरी थी।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर मुख्य सचिव ने की उच्चस्तरीय बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो दिवसीय झारखंड दौरे की प्रशासनिक तैयारी जोरों पर है। दो दिवसीय दौरे के क्रम में राष्ट्रपति 10-11 जून को देवघर में बाबा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जहां देवघर में तैयारी पूरी की जा रही है, वहीं गुरुवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। जिसमें तैयारियों की समीक्षा की गई। इस बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित राज्य सरकार के कई आला अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति के देवघर आगमन को यादगार बनाने पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि हर छोटी-बड़ी व्यवस्था को समय रहते चाक चौबंद कर लें। तैयारियों की समीक्षा के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति से

लेकर राष्ट्रपति के आने-जाने वाले मार्ग के लैम्प पोस्ट, गैबियन और सड़क स्वच्छता पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया गया। मुख्य सचिव ने राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक की व्यवस्था तय करते हुए उसकी जवाबदेही संबंधित विभागों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा चार आइपीएस अधिकारियों के नेतृत्व में तमाम पुलिसकर्मी संभालेंगे। उसमें आइबी और स्पेशल ब्रांच के अधिकारी भी शामिल रहेंगे वहीं अन्य व्यवस्था की निगरानी बतौर नोडल पदाधिकारी वाणिज्य कर विभाग के सचिव अमिताभ कौशल करेंगे जबकि पब्लिक एड्रेस सिस्टम की जवाबदेही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की होगी। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने समीक्षा बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के आगमन के दौरान कार्यक्रम स्थल पर मंच की व्यवस्था के प्रारूप, राष्ट्रपति के प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल पदाधिकारी को नामित करना, देवघर एयरपोर्ट, बाबा मंदिर और एम्स, देवघर में आगवानी और विदाई के दौरान उपस्थित रहनेवाले लोगों की सूची पहले से मुहैया होगी। साथ ही एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट और बुके की व्यवस्था, राष्ट्रीय गान की व्यवस्था, कारकेड की व्यवस्था, आउट राइडर्स की व्यवस्था, फोटोग्राफरों के लिए खुली जीप की व्यवस्था, बैगेज वैन एवं बैगेज कर्मी तथा छाता की व्यवस्था, देवघर एयरपोर्ट से परिसदन, बाबा मंदिर और एम्स तक पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था और मंच से संबोधित करनेवाले महानुभावों की सूची पर विस्तृत चर्चा के बाद जवाबदेही तय की गयी है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

मौत से पहले शॉपिंग की, दुल्हन को फोटो भेजा, बारात निकलने से 4 घंटे पहले दूल्हे ने दी जान

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के भोजपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया है. शादी के दिन दूल्हे ने आत्महत्या कर ली है. यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटकी सनदिया गांव में हुई. 30 साल के दूल्हे ने बगीचे में आत्महत्या कर ली. जिस घर में शहनाई बज रही थी, वहां मातम छा गया. दूल्हे के आत्महत्या करने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है. भाजपुर में दूल्हे ने की खुदकुशी ~घटना की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. दूल्हा पटना के दीघा में कंस्ट्रक्शन लाइन में सुपरवाइजर के पद पर काम करता था. बारात निकलने से 4 घंटे पहले दूल्हे ने दी जान ~दूल्हे के भाई ने बताया कि 2 जून को तिलक था. घटना वाले दिन (तिलक के बाद शादी के दिन) बिहिया थाना क्षेत्र के एक गांव में बारात जानी थी. घर में सब लोग बारात की तैयारी कर रहे थे. 4 घंटे बाद बारात निकलने वाली थी. तभी दूल्हा बिना किसी को कुछ बताए बाजार चला गया. बाजार से आने के बाद लोटा लेकर बगीचे की तरफ निकल गया. अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित किया~ मृतक के भाई ने आगे कहा कि, मैंने एक लड़के को उसके पीछे जाते देखा था. उसी लड़के ने बताया कि मेरे भाई ने बगीचे में जाकर आत्महत्या कर ली है.

शिक्षा विभाग का नया फरमान! गर्मी छुट्टी से लौटने को मजबूर हुए शिक्षक

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज में गर्मी की छुट्टी होने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेंद्र कुमार द्वारा एक फरमान जारी किया गया है. जिसमें उन्होंने शिक्षकों को एचआरएमएस डेटा अपडेट करने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने का आदेश दिया गया है. वहीं डीईओ के आदेश के बाद शिक्षकों के बीच खलबली मच गई है. गर्मी छुट्टी के बाद जारी हुआ फरमान~ परेशान शिक्षक शिक्षा विभाग के द्वारा निर्गत किए गए इस आदेश पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विरोध कर रहे है. दरअसल इस संदर्भ में बताया जा रहा है कि शनिवार को जिले के सभी विद्यालयों में पठन-पाठन समाप्त होने के बाद शिक्षा विभाग की ओर से गर्मी का अवकाश घोषित कर दिया गया है. जिसके बाद ये फरमान जारी किया गया है. शिक्षकों को करना पड़ेगा ये काम~ शनिवार को विद्यालय संचालन के बाद अवकाश की खुशी में शिक्षक अपने घरों की ओर लौट पड़े लेकिन यह खुशी बहुत देर तक नहीं रह सकी और जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नया फरमान जारी कर दिया. डीईओ ने विभिन्न विद्यालयों में पदस्थापित शिक्षकों को एचआरएमएस डाटा अपडेट करने, प्रपत्र एक और दो हार्ड कॉपी में प्रधानाध्यापक से हस्ताक्षरित कराते हुए बीईओ के यहां जमा करने का आदेश दे दिया है. डीईओ के इस आदेश के बाद शिक्षकों को काफी परेशानी हो रही है.

अलर्ट मोड में जिला प्रशासन, बकरीद को लेकर आज शाम से गांधी मैदान में नो एंट्री

पटना, एजेंसी। बकरीद को लेकर पटना जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है. बकरीद की तैयारियों और नमाज के मद्देनजर आम लोगों की एंट्री पटना के गांधी मैदान में बैन कर दी गई है. आज (5 जून 2025) की शाम से पर्व की समाप्ति तक गांधी मैदान में आम लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी. बता दें कि कि इस वर्ष ईद-उल-जोहा (बकरीद) 7 जून को मनाए जाने की संभावना है. बैठक में जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने बकरीद की तैयारियों की समीक्षा की. जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने बकरीद के अवसर पर नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. कहा गया है कि बकरीद पर गांधी मैदान में नमाज अदा की जाती है जिसमें काफी संख्या में लोग हिस्सा लेते हैं. प्रशासनिक तैयारियों के मद्देनजर गांधी मैदान में गुरुवार की शाम से पर्व की समाप्ति तक आम लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी. इसको लेकर पटना जिला प्रशासन ने आदेश जारी किया है. बकरीद के दिन वाहनों के साथ आने वाले नमाजियों के वाहनों का प्रवेश गेट नं. 5 और 10 से होगा. जबकि पैदल आने वाले नमाजियों का प्रवेश गेट नं. 5, 6, 7, 8, 9 और 10 से होगा.

चिराग ने बढ़ाई सीएम नीतीश की टेंशन!

बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से बात करेगी जदयू

पटना, एजेंसी। लोजपा (रामविलास) सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के अंदाज ने जदयू को अलर्ट मोड में ला दिया है।

चिराग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिख बिहार में विधि-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी टिप्पणी की थी। जदयू को चिराग का यह अंदाज समझ में नहीं आ रहा।

पार्टी नेताओं का कहना है कि चिराग विपक्ष की जुबान बोल रहे। पत्र लिखने के बाद लोजपा (रामविलास) ने इस पत्र को मीडिया में जारी किया। इस बात ने जदयू को सतर्क कर दिया है।

जदयू के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि चिराग पासवान ज्सि दल का नेतृत्व करते हैं वह भाजपा के घटक के रूप में है। इसलिए जदयू इस मसले को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष रखेगा।

जदयू नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार की कार्यशैली पर टिप्पणी से विधानसभा चुनाव के पूर्व बिहार में एनडीए पर स्वाभाविक रूप से टिप्पणी होगी।

वोट ट्रांसफर में भी परेशानी होगी। सबसे गंभीर बात यह है कि जिस विभाग के क्रियाकलापों पर चिराग टिप्पणी कर रहे वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास है।

जदयू के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि चिराग पासवान ने अपने पत्र के माध्यम से जिस मसले पर कार्रवाई की बात कर रहे उस पर पहले ही, सरकार ने अपना एक्शन लिया है।

ऐसे में पत्र लिखकर इस मसले पर एनडीए के भीतर ही राजनीति करना गलत है। यह बात समझ से परे है कि चिराग पासवान की मंशा क्या है?

जदयू को पिछले विधानसभा चुनाव में चिराग की वजह से काफी नुकसान झेलना पड़ा था। चिराग ने भाजपा से अलग होकर उन जगहों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए थे, जहां से जदयू के प्रत्याशी मैदान में थे।

चिराग ने उन्हीं लोगों को टिकट दिया था जो भाजपा से उनके पास आए थे। उनकी वजह से जदयू के वोट में सेंधमारी हो गयी थी। जदयू की सीटें कम हो गयी थी।

भाजपा ने बाद में उन सभी को फिर से वापस अपने दल में ले लिया जो भाजपा को छोड़ चिराग के साथ गए थे। इस पूरे प्रकरण को याद कर जदयू मट्ठा भी फूंक-फूंक कर पीने की सतर्कता के साथ आगे बढ़ेगा। लोजपा (रामविलास) ने 143 सीटों पर अपने उम्मीदवार दिए थे और उसे एक सीट जीतने में कामयाबी मिली थी।

पटना में कोविड के 30 से अधिक केस, कई मोहल्लों में दस्तक देकर पांव पसार चुका है कोरोनावायरस

पटना, एजेंसी। पटना में एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने दस्तक दे दी है. बुधवार को सामने आए चार नए मामलों के साथ जिले में कुल संक्रमितों की संख्या 34 हो गई है. राहत की बात यह है कि इनमें से 10 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं, जबकि शेष 24 मरीज होम आइसोलेशन में हैं और डॉक्टरों की निगरानी में उपचार करा रहे हैं. सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि संक्रमित मरीजों में अधिकांश को बुखार, खांसी और सर्दी जैसे सामान्य लक्षण हैं.

किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है और अब तक किसी को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी है. उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, परंतु सतर्कता ज़रूरी है. बुधवार को जिन तीन संक्रमितों की पुष्टि हुई, वे पटना के गायघाट, गर्दनीबाग और पाटलिपुत्र कॉलोनी के निवासी हैं. एक अन्य केस मंगलवार को ह्रस्ष्ट॥ में सामने आया था. इनकी पुष्टि सरल और लाल पैथोलॉजी लैब से हुई है. नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में कराई गई जांच में भी दो पॉजिटिव केस पाए गए. अब तक सामने आए 34 संक्रमितों में से 18 की रिपोर्ट सरकारी लैब और 16 की रिपोर्ट निजी लैब में पॉजिटिव पाई गई है. स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं. उपाधीक्षक डॉ. सरोज कुमार के अनुसार दोनों नए संक्रमित ह्रस्ष्ट॥ के औषधि विभाग की ओपीडी में लक्षण के साथ आए थे. उन्होंने जनता से अपील की कि बुखार, खांसी या सर्दी जैसे लक्षण दिखें तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत जांच कराएं. पटना में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामूली मामले सामने आने से प्रशासन अलर्ट मोड में है. हालांकि अब तक किसी गंभीर केस की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात और सतर्कता बरतना ज़रूरी है। स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी कर रहा है.

पुलिस की नाक के नीचे चला रहा था तस्करी का धंधा, मुजफ्फरपुर में उत्पाद विभाग ने कर दी बड़ी कार्रवाई

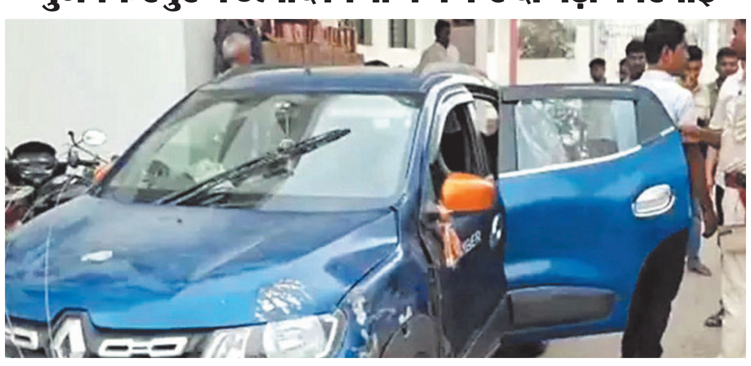

पटना, एजेंसी। बिहार में लागू शराबबंदी कानून को ठेंगा दिखाते हुए कुछ लोग अभी भी चोरी-छिपे शराब का धंधा कर रहे हैं. मुजफ्फरपुर में उत्पाद विभाग ने गुप्त सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब तस्करों समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है. टीम ने छापेमारी के दौरान 77 कार्टन देसी व विदेशी शराब और एक कार जब्त की है, जिसका इस्तेमाल सप्लाई के लिए किया जा रहा था. उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि जिले के विभिन्न इलाकों में अवैध शराब की सप्लाई हो रही है. इसी आधार पर मोतीपुर, गायघाट, काजी मोहम्मदपुर, मीनापुर और मनियारी थाना क्षेत्रों में एकसाथ छापेमारी की गई. कार्रवाई में मोतीपुर के नरेश कुमार और गायघाट के गणेश राम को तस्करी करते रंगे हाथ पकड़ा गया। वहीं, पांच अन्य युवक शराब पीते हुए मिले. उत्पाद निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि जब्त शराब में देसी और विदेशी ब्रांड शामिल हैं. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में और भी ठिकानों की जानकारी मिली है, जिनपर जल्द ही दबिश दी जाएगी. कार जब्त कर ली गई है, जिससे शराब की ढुलाई की जा रही थी. पकड़े गए आरोपियों में मोतीपुर के नरेश कुमार, गायघाट के गणेश राम, काजी मोहम्मदपुर के शिवम कुमार, अनिल कुमार और किशोर पटेल, मीनापुर के दीपक कुमार तथा मनियारी के कुमोद कुमार शामिल हैं.

दुष्कर्म पीड़ित परिवार के लिए आगे आई बिहार सरकार, मिलेंगे 8 लाख, घर और पेंशन, पहली किस्त जारी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड में दलित नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्याकांड मामले में पूरे बिहार की सियासत गरमाई हुई है. वहीं अब राज्य सरकार दुष्कर्म पीड़ित परिवार के लिए आगे आई है. बिहार सरकार ने पीड़ित परिवार को बड़ी राहत दी है. जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत पीड़िता की मां को आवास स्वीकृत किया है.

डीएम सुब्रत सेन ने बताया कि पीड़ित परिवार को एससी-एसएसटी एफरोसिटीज एक्ट के तहत दलित-महादलित हत्या के बाद मिलने वाले मुआवजे की राशि 8 लाख 25 हजार में से पहली किश्त के रूप में 4 लाख 12 हजार 500 रुपए पीड़ित परिवार को दिये गए हैं. वहीं दूसरी किस्त चार्जशीट के बाद दी जाएगी.

उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास भी मुहैया कराया गया है. जिसका काम बीडीओ के निगरानी में जल्द शुरू किया जाएगा. दूसरी ओर पीड़ित परिवार का भरण पोषण के लिए प्रतिमाह 7700 रुपये पेंशन भी दी जाएगी.

इसके अलावा उनके दो भाई के पढ़ाई लिखाई की निशुल्क व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी द्वारा आवासीय विद्यालय में नामांकन कराने की स्वीकृति दी गई है. उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.

डीएम ने कहा कि इस मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया तेजी से चल रही है. एफएसएल टीम की रिपोर्ट आते ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी. पीड़ित परिवार को मुआवजे की दूसरी किस्त की राशि सौंप दी जाएगी. अभी मृत बच्ची के दाह संस्कार का कार्य चल रहा है. उसके संपन्न होते ही भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया जाएगा.

जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने बताया कि दलित-महादलित हत्या के बाद मिलने वाले मुआवजे की राशि दो किस्त में 8 लाख 25 हजार देना है. इसकी पहली किस्त दे दी गई है. आवास के लिए 1 लाख 20 हजार दिये गये है. इसके अलावा पेंशन भी दिया जाएगा. दोषियों पर स्पीडी ट्रायल के तहत सजा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है.

घटना मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना क्षेत्र की है. 26 मई को एक मछली बेचने वाले व्यक्ति ने बच्ची को घर से एक किमी दूर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. इसके बाद धारदार हथियार से उसके सीने पर कई बार वार किया. गला काट दिया. छाती, हाथ, पेट, जांघ समेत कई जगह चाकू से काटा.

बिहार में बेटी की शादी के बीच घर पर गिरा ठनका, बाराती की मौत, कई झुलसे

बांका, एजेंसी। बिहार के बांका जिले के बौंसी प्रखंड अंतर्गत गंगटी के मैदानडीह टोला में बुधवार की शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया है. डुमरिया गांव से आई एक बारात के दौरान अचानक हुई तेज बारिश और वज्रपात ने शादी समारोह की खुशियों को मातम में बदल दिया. ठनका की चपेट में आकर 26 वर्षीय विजय मरांडी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

भोजन करने के दौरान गिरा ठनका~ घटना उस समय हुई जब बाराती भोजन कर रहे थे, और अचानक तेज गरज के साथ बिजली गिरी. बता दें कि मृतक विजय मरांडी डुमरिया गांव का निवासी था. घायलों में गंगटी निवासी राजकुमार हांसदा, रतनसार निवासी बबलू किस्कू और झारखंड के धेनुकट्टा गांव निवासी प्रेमलाल सोरेन शामिल हैं. स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी घायलों को बौंसी रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ. अर्चना कुमारी ने विजय मरांडी को मृत घोषित कर दिया.

मातम में बदली शादी की खुशियां~ वहीं शादी समारोह के खुशहाल माहौल में हुई इस घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया. जिस घर में हंसी-खुशी का माहौल था, वहां शोक की लहर दौड़ गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि वज्रपात इतना तेज था कि आसपास के लोग भी सहम गए. इस हादसे ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सतर्कता की जरूरत को उजागर किया है.

क्या कहती है पुलिस~ बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद राजकुमार हांसदा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बांका सदर अस्पताल रेफर कर दिया है. अन्य घायलों का इलाज बौंसी रेफरल अस्पताल में चल रहा है. घटना की सूचना मिलते ही बौंसी थानाध्यक्ष सुधीर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची. थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है.

÷पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. आगे की जांच की जा रही है. शादी समारोह में खाना खाने के दौरान बिजली गिरने से ये हादसा हुआ है.÷-सुधीर कुमार, थानाध्यक्ष, बौंसी

कैसे करें वज्रपात से बचाव~ इस हादसे के बाद प्रशासन से मांग की जा रही है कि प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान की जाए और वज्रपात से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए.

बिहार में इन तीन बड़ी कंपनियों के नाम पर बिक रही नकली दवाएं, जांच में हुआ बड़ा खुलासा

पटना, एजेंसी। बिहार में नकली दवाओं के धंधे ने गंभीर रूप ले लिया है. मुजफ्फरपुर समेत पूरे प्रदेश में एंटीबायोटिक से लेकर बुखार की दवाओं तक की नकली खेप बाजार में पहुंच रही है. औषधि नियंत्रण विभाग ने इस काले कारोबार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बड़ी दवा कंपनियों पर केस दर्ज किया है. हाल ही में एक बड़ी कंपनी के नाम पर एनीमिया की नकली दवा पकड़ी गई है, जिसके मामले में भी जल्द ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा.

मुजफ्फरपुर के सहायक औषधि नियंत्रक उदय वल्लभ ने बताया कि बिहार, हिमाचल और महाराष्ट्र की तीन बड़ी कंपनियों के खिलाफ औषधि विभाग ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. पकड़ी गई नकली दवाओं के सैंपल को कोलकाता लैब में जांच के लिए भेजा गया है. जांच रिपोर्ट आने के बाद इन कंपनियों से लिखित जवाब मांगा जाएगा. साथ ही, जहां से नकली दवा वितरित की गई, उस दवा दुकान पर भी कार्रवाई होगी.

औषधि विभाग की जांच में कई कंपनियों के दवा सैंपल फेल पाए गए हैं. पिछले कुछ वर्षों में भी विभिन्न जांच एजेंसियों ने नकली दवाओं का पर्दाफाश किया है. दो साल पहले एसकेएमसीएच में इस्तेमाल की गई दवाओं के सैंपल जांच में फेल हुए थे. इसके अलावा सदर इलाके में एक दवा भी जांच में असफल रही थी.

वर्ष 2021 में जिला औषधि नियंत्रण विभाग ने 15 दवा कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए थे. ओडिशा की जांच टीम ने भी ओडिशा-पंजाब के कई इलाकों में नकली दवाओं की छापेमारी कर एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया था. विशेषज्ञों का कहना है कि नकली दवाओं का यह धंधा जानलेवा साबित हो सकता है, इसलिए विभाग की कार्रवाई बेहद जरूरी है.

औषधि नियंत्रण विभाग नकली दवाओं की रोकथाम के लिए लगातार छापेमारी और जांच कर रहा है. विभाग का कहना है कि इस काले कारोबार को समाप्त करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और जिम्मेदार कंपनियों एवं दुकानदारों को बख्शा नहीं जाएगा.

इन लोगों का बंद हो जाएगा आईआरसीटीसी अकाउंट, तत्काल बुकिंग को लेकर भी रेलवे विभाग ने लिया एक और अहम फैसला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। फर्जी आधार कार्ड पर बन रहे तत्काल और ओपनिंग टिकट पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ा फैसला लिया है।आइआरसीटीसी के सारे अकाउंट होल्डर का आधार सत्यापन कराने का आदेश दिया है। कहा है कि जिनका अकाउंट आधार से लिंक नहीं होगा, उनका अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया जाएगा।बताया कि आधार कार्ड से अगर लिंक नहीं है तो आईआरसीटीसी पर आपका अकाउंट हो बंद हो जाएगा। 16 मई के दैनिक जागरण में थोक में कटाते रेल टिकट, फर्जी आधार पर कराते सफर शीर्षक से पूरे देश में खबर छपी थी।

सोनपुर सीनियर डीसीएम रोशन कुमार के आदेश पर सहरसा से वैशाली जाने वाली 12553 वैशाली एक्सप्रेस में नकली आधार कार्ड पर दूसरे के नाम के ओपनिंग टिकट पर सफर करते पकड़ा था। दैनिक जागरण ने प्रमुखता से खबर छापी थी।बताया था कि विंडो खुलते ही ट्रेवल एजेंसी वाले सभी श्रेणियों के कंफर्म टिकट कटा लेते और दो-तीन गुना अधिक राशि लेकर टिकट बेच देते हैं। जिस यात्री के नाम से टिकट बुक रहता, उसका नाम यात्रा करने वाले के आधार में जोड़ फर्जी आधार कार्ड भी बना देते है। वैशाली सुपरफास्ट ट्रेन में फर्जी आधार पर यात्रा कर रहे तीन यात्रियों की जांच में मामला पकडाया था। बी-2 कोच में सहरसा से नई दिल्ली जा रहे तीनों यात्रियों ने बताया कि दो दिन पहले प्रकाश ट्रेवल एजेंसी से यह टिकट लिया था। उसने आधार कार्ड में नाम भी परिवर्तित कर टिकट उपलब्ध करा दिया। एसी-थ्री के एक यात्री के लिए ढाई हजार रुपये देकर टिकट दिया। टीटीई ने टिकट को जब्त कर लिया। दो से तीन गुना अधिक राशि लेकर यात्रियों को फर्जी आधार के साथ रेल टिकट दे रहा। मानसी से खुलने के बाद टीटीई ने टिकट जांच की। बी-2 में बर्थ दो, पांच और छह के यात्री के आधार को देख टीटीई ने आशंका जताई। यात्रियों से टिकट लेने

की जगह की जानकारी ली। टीटीई ने एचएचटी (लैंड हेल्ड टर्बिनल) मशीन पर ओके भी कर दिया। ट्रेवल एजेंट ने अभिषेक (29), प्रिंस (27) और सुशांत (20) नाम से एसी-थ्री का टिकट बनवाया था। इन टिकटों पर नवीन कुमार (28), रिशू कुमार (22) और दीपक कुमार (27) अभिषेक, प्रिंस और सुशांत के नाम पर बने फर्जी आधार पर यात्रा कर रहे थे। इस बीच आधार फर्जी होने की आशंका पर एक यात्री ने एक्स पर रेल मंत्री व रेल मंत्रालय से शिकायत कर दी। मंडल के कंट्रोल को भी सूचना दी। बरौनी से मामले की फिर जांच शुरू हुई। शुरुआती जांच में वह भी आधार देखकर इसे सही मानने लगे। कंट्रोल रूम से यात्रियों से कोई दूसरा पहचान पत्र दिखाने को कहा। एम-आधार एप पर यात्रियों के पास से जब्त आधार की जानकारी नहीं मिली। पता चला कि टिकट सहरसा के रिजर्वेशन काउंटर से उस दिन लिया, जिस दिन विंडों ओपन हुआ। गिरफ्तारी की चेतावनी के बाद यात्रियों ने बताया कि उनके नाम अलग हैं। सहरसा में एक ट्रेवल एजेंसी द्वारा टिकट दिया गया था। ट्रेवल एजेंसी को यात्रियों ने ही सूचना दी। ट्रेवल एजेंट की और से मामले को दबाने के लिए बार-बार टीटीई से बात की गई। उसे बताया कि अब मामला ऊपर तक चला गया है। इससे ट्रेवल एजेंसी की पहुंच का अंदाजा भी लग गया कि ट्रेन में टीटीई भी इन लोगों के डर से नहीं बोलते, नहीं तो उनका ट्रांसफर भी हो सकता है। उसके बाद रेल मंत्रालय से इस मामले की मानिटरिंग शुरू हो गई। इधर सोनपुर सीनियर डीसीएम ने आरपीएफ के क्राइम ब्रांच को इसकी जांच करने का आग्रह किया। यह मामला रेल मंत्रालय तक पहुंचने के बाद बुधवार को रेलमंत्री ने प्रेस को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रेलवे में प्रतिदिन करीब सवा दो लाख यात्री ऑनलाइन प्लेटफार्म से तत्काल का टिकट लेते हैं। 24 मई से 2 जून तक की आनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग के पैटर्न का विश्लेषण किया गया, तो पाया गया कि एसी क्लास में कुल औसतन 108000 टिकटों में मात्र 5615 टिकट ही पहले मिनट में बुक हुए। जबकि विंडो ओपन होने के दूसरे मिनट में 22827 टिकट बुक किए गए।वातानुकूलित क्लास का विंडो ओपन होने के पहले 10 मिनट में औसत 67159 टिकट आनलाइन प्लेटफार्म पर बुक किए, कुल टिकटों का 62.5 प्रतिशत है। वातानुकूलित क्लास का विंडो ओपन होने के पहले घंटे में 92861 टिकट बुक किए गए, जो वातानुकूलित श्रेणी में आनलाइन तरीके से बुक किए गए कुल टिकटों का 86 प्रतिशत रहा।4.7 प्रतिशत टिकट विंडो ओपन होने से पहले घंटे से चौथे घंटे के बीच में बुक किए गए। जबकि चौथे घंटे से दसवें घंटे के बीच में 6.2 प्रतिशत टिकटों की बिक्री हुई। शेष 3.01 प्रतिशत टिकट विंडो ओपन होने के 10 घंटे के बाद बुक किए गए।गैर वातानुकूलित श्रेणी में 24 मई से 2 जून के बीच प्रतिदिन औसतन 118567 टिकटों की आनलाइन बुकिंग हुई, जिसमें 4724 टिकट जो कि कुल टिकटों का 4 प्रतिशत है, कि बुकिंग पहले मिनट में ही हो गई।दूसरे मिनट में 20786 टिकट बिके जो कुल टिकटों का 17.5 प्रतिशत रहा। विंडो ओपन होने के पहले 10 मिनट में 66.4 प्रतिशत टिकटों की बिक्री हुई।विंडो ओपन होने के प्रथम एक घंटे में 84.02 प्रतिशत टिकटों की बिक्री हुई और शेष टिकट अगले 10 घंटे में बुक हुए।

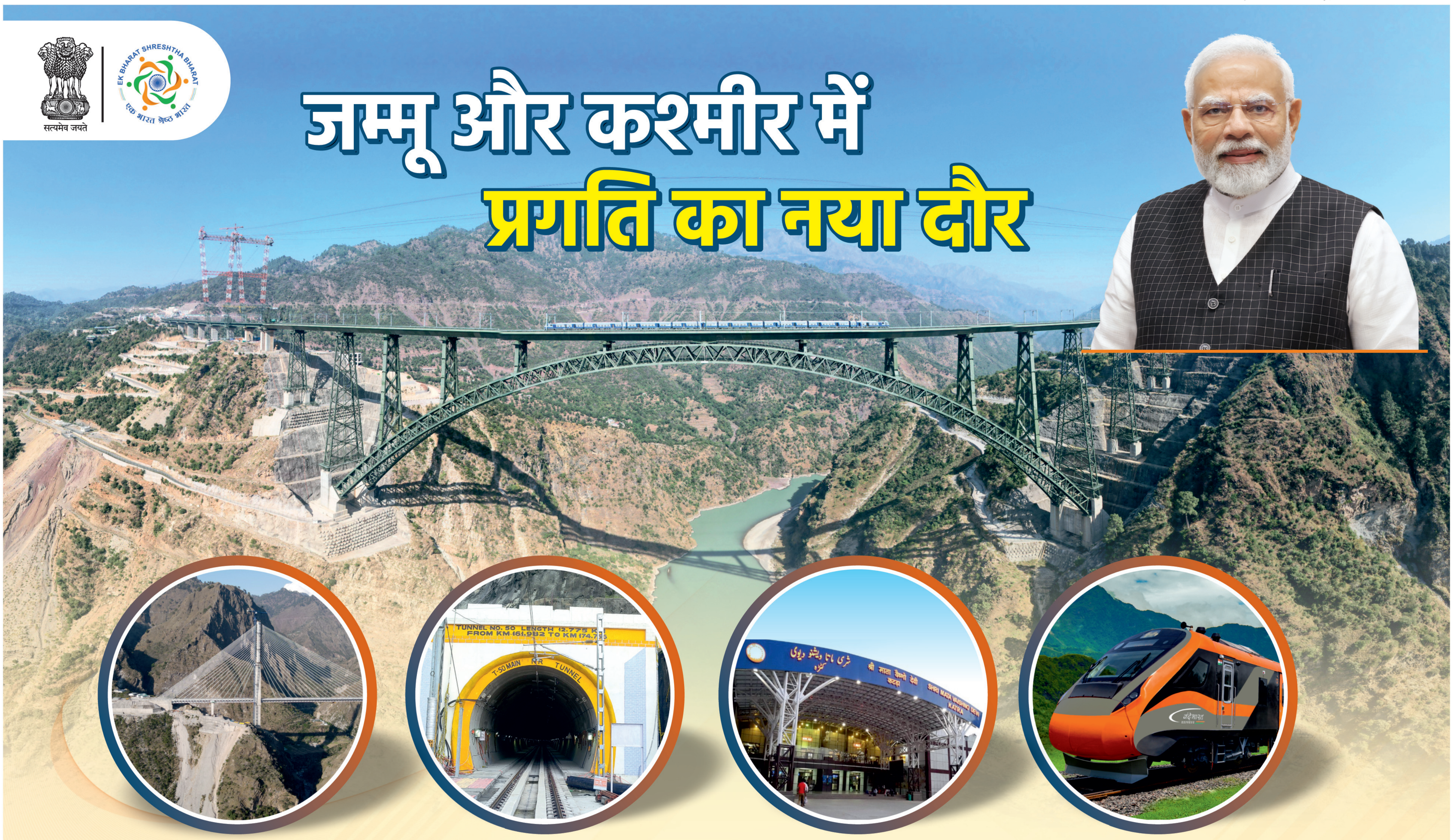

लगभग ₹44,000 करोड़
की रेल परियोजनाओं का उपहार

चिनाब ब्रिज
(दुनिया का सबसे ऊँचा रेल आर्च ब्रिज)

- 359 मीटर ऊँचा, 1,315 मीटर लम्बा एवं 467 मीटर का आर्च स्पैन
- जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले के कौरी एवं बक्कल एरिया को जोड़ने वाला ब्रिज

अंजी ब्रिज
(भारत का पहला केबल स्टेड रेल ब्रिज)

- 725 मीटर लंबा, 290 मीटर का मुख्य स्पैन
- जम्मू और कश्मीर के कटड़ा एवं रियासी जिलों को जोड़ने वाला ब्रिज
- 193 मीटर ऊँचे एकमात्र विशाल पायलन से जुड़ी 96 केबल्स

का उद्घाटन

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला
रेल लिंक परियोजना

- जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली हर मौसम के अनुकूल उन्नत रेल कनेक्टिविटी
- कुल लम्बाई 272 किमी जिसमें टी-50 सुरंग (भारत की सबसे लंबी संचालित सुरंग) सहित 36 सुरंगें और 943 पुल शामिल हैं

का राष्ट्र को समर्पण

2 वंदे भारत ट्रेनों
श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर एवं श्रीनगर - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा

- श्रीनगर के लिए पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन
- पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा
- कटरा से श्रीनगर तक की यात्रा लगभग 3 घंटों में संभव

का शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

नितिन जयराम गडकरी
केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

डॉ. जितेंद्र सिंह
केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री

वी. सोमन्ना
केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री

रवनीत सिंह
केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री

मनोज सिन्हा
उपराज्यपाल, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर एवं श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष

उमर अब्दुल्ला
मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर

सुरिंदर कुमार चौधरी
उपमुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर

जुगल किशोर
सांसद (लोकसभा) जम्मू

आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी
सांसद (लोकसभा) श्रीनगर

गुलाम अली
सांसद (राज्यसभा)

शुक्रवार, 6 जून, 2025 | प्रातः 11:00 बजे | श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कटरा (स्टेडियम)

भारतीय रेल

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर देखें
www.indianrailways.gov.in
/RailMinIndia पर हमें फॉलो करें

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 05-06-2025 21:57 Page 1

बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। बकरीद पर्व को लेकर हथौड़ी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने किया। बैठक दौरान थानाध्यक्ष ने बकरीद का पर्व शांतिपूर्वक ढंग से मनाने का अपील किया। और उपस्थित लोगों से किसी भी अपवाह पर ध्यान न देकर सामाजिक सौहार्द के साथ पर्व मनाने को कहा गया। पर्व दौरान किसी तरह की कोई गड़बड़ी की सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस को जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया।

बैठक में नवाज दौरान जगह जगह मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती रहने के बारे में बतलाया गया। उपस्थित लोगों ने भी क्षेत्र की समस्या थानाध्यक्ष के समक्ष रखा। मौके पर मुखराम सिंह, मिथिलेश कुमार राजेश पासवान आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं ने लगायी आस्था की डुबकी

12 दिवसीय गंगा महोत्सव शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर पटना के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। विशेष रूप से पटना सिटी के कंगन घाट पर पहली बार 12 दिवसीय गंगा महोत्सव का शुभारंभ हुआ, जो 16 जून तक चलेगा।

इस महोत्सव का आयोजन सनातनी गंगा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर मां गंगा की 41 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण जोर-शोर से किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।

महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की भागीदारी भी देखने को मिलेगी। कंबोडिया से आठ युवा कलाकार विशेष गंगा आरती प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, 100 नृत्यांगनाएं कथक, ओडिशी, भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम, कथकली, मणिपुरी, कुचिपुड़ी और सत्रीय नृत्य में मां गंगा की आरती उतारेंगी। 11 ऋषि कुमारी एवं 1000 महिलाएं भी इस भव्य आरती में सम्मिलित होंगी।

महोत्सव के दौरान गंगा सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गंगोत्री से गंगाजल रथ पटना लाया गया है। इस रथ के माध्यम से गंगोत्री से निकले शुद्ध जल और पटना के गंगाजल की गुणवत्ता में अंतर को दशार्या

जाएगा। महोत्सव में महाभारत के भीष्म पितामह और शक्तिमान के रूप में प्रसिद्ध अभिनेता मुकेश खन्ना की उपस्थिति भी विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।

गंगा दशहरा के इस पावन अवसर पर विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जिन्होंने गंगा में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कंगन घाट पर आयोजित इस महोत्सव ने श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया।

यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि गंगा नदी की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी है।

बोलेरो और ट्रक के बीच टक्कर में आधा दर्जन जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। हाजीपुर मुजफ्फरपुर एनएच 22 सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत सराय टोल प्लाजा के निकट अनियंत्रित स्कॉर्पियो के बालू लोड ट्रक से टकराने से चालक सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए। वहीं, वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। रोड पर लोगों को घायल अवस्था में तड़पते देख आसपास के लोग जुट गए।

लोगों ने घटना की जानकारी सराय थाना की पुलिस को दी। सुचना पर पहुंची सराय थाना की पुलिस ने सभी घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां डॉक्टर के द्वारा सभी का इलाज किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल प्रखंड के नया टोला ढाका निवासी अशोक भगत के पुत्र शशि रंजन को अग्नि वीर योजना के तहत सेना में नौकरी हुई थी। दानापुर में ट्रेनिंग पूरा करने के बाद वह अपने पूरे फैमिली के साथ अपने घर रक्सौल लौट रहा था।इसी दौरान सराय टोल प्लाजा के निकट बालू लोड ट्रक से स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर टकरा गई। जिसमें चालक सहित आधा दर्जन व्यक्ति घायल हो गया। हादसे में घायल रक्सौल निवासी नवाव आलम के 20 वर्षीय पुत्र सरवर आलम, अशोक भगत के पुत्र शशि रंजन, जग बहादुर भगत के 55 वर्षीय पुत्र हरिश्चंद्र भगत, हरिचंद भगत के 50 वर्षीय पत्नी रीता देवी, अशोक भगत के 21 वर्षीय पुत्र मदन कुमार, अशोक भगत के 22 वर्ष के पुत्र रविंद्र भगत बताया गया है।

सभी की हालात गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त वाहन को हटाया। इस दौरान दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई।

इस संबंध में सराय थाना अध्यक्ष ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

उपायुक्त ने पौधारोपण कर दिया जागरूकता का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आज समाहरणालय खूँटी परिसर एवं जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट प्लस टू विद्यालय खूँटी परिसर में उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, डीसीएलआर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, समेत अन्य पदाधिकारी ने भी पौधा रोपण किया।

पौधा रोपण के पश्चात उपायुक्त ने आमजनों से अपील किया कि वह भी पौधा रोपण आवश्य करें एवं अपने आस पास के क्षेत्र को साफ रखे। जिससे खूँटी जिला को स्वच्छ, सुंदर एवं हरा भरा बनाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। इसे 5 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरू किया गया था। 5 जून 1974 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसके पश्चात से हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट प्लस टू विद्यालय खूँटी परिसर में पौधरोपण के पश्चात उपायुक्त द्वारा विद्यालय में पठन-पाठन का भी जायजा लिया गया एवं विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं से मुलाकात भी किया गया। उपायुक्त ने स्मार्ट क्लासरूम, लाइब्रेरी, लैबोरेटरी एवं अन्य का निरीक्षण किया। वहीं स्कूली छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें विद्यालय में पढ़ाए जा रहे विषयों की जानकारी ली। विद्यालय का सुचारू रूप से संचालन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को लेकर उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

अफीम के साथ छह तस्कर धराये

हजारीबाग।जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान के तहत हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) अमित आनंद (भा.पु.से.) के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कोर्रा, लोहसिंघना और मुफस्सिल थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की और 14.9 किलोग्राम अफीम, 28.57 किलोग्राम 'कट' (रासायन), 66,000 नकद, मोबाइल फोन, वाहन और अन्य सामग्रियों के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना की और कहा कि नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। हजारीबाग पुलिस किसी भी सूरत में ऐसे अवैध कार्यों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ में शामिल हुए सांसद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड अंतर्गत रामपुर के ग्राम नावागढ़ में बीते 29 मई से आगामी 06 जून 2025 तक चलने वाले 09 दिवसीय श्री श्री 108 मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के आठवें दिन हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल यहां पहुंचे।

मौके पर विशेषरूप से स्थानीय भाजपा नेता सुनील सिंह, यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष विनय सिंह, सचिव कुंदन चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह, उप कोषाध्यक्ष आशीष भारती, संयोजक गौतम सिंह, उप सचिव छत्रधारी पंडित, मुख्य सलाहकार आनंद सिंह, आशीष पंडित, पवन चंद्रवंशी, राहुल यादव, दीपू कुमार, निक्की सिंह, अंकित सिंह, शुभम सिंह, अजीत सिंह, आशीष भारती, विक्रम सिंह, बबलू रविदास, आदित्य सिंह, कुंदन चंद्रवंशी, सुभाष चंद्रवंशी, राजेश प्रजापति, देवानंद चंद्रवंशी, अशोक यादव, शक्ति सिंह, मनजीत सिंह, नीरज सिंह, सुधीर सिंह, राजन सिंह सहित अन्य गणमान्य दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहें ।

उपायुक्त ने पौधरोपण कर की प्रकृति के प्रति संरक्षण की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने परिसदन भवन परिसर एवं जिला समाहरणालय भवन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने परिसदन में आम का पेड़ एवं समाहरणालय परिसर ने मोल श्री का पेड़ लगाया तथा लोगों से प्रकृति के प्रति प्रेम और उसके संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को पर्यावरण के महत्व और उसे बचाने की आवश्यकता से अवगत कराया।

₹आज विश्व पर्यावरण दिवस है और यह दिन हमें अपनी प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद दिलाता है। हम सभी को समझना होगा कि स्वच्छ पर्यावरण हमारे जीवन के लिए कितना आवश्यक है। पेड़ों के बिना जीवन संभव नहीं है, क्योंकि वे हमें ऑक्सीजन देते हैं, वायु प्रदूषण को कम करते हैं, और जलवायु संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।

₹हमें केवल आज के दिन ही नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करना

चाहिए। हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। जल संरक्षण, बिजली की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग और कचरे का उचित निपटान भी पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण पहलू हैं। आइए, हम सब मिलकर अपनी धरती को हरा-भरा और स्वस्थ बनाएं।

इस अवसर पर अन्य विभागों के अधिकारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें वृक्षारोपण तथा प्रकृति संरक्षण के अन्य उपायों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। यह कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशांत किशोर का नीतीश व मोदी पर तीखा हमला

छपरा (सारण)। जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने गुरुवार को छपरा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे बिहार चलाने लायक नहीं हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार गंभीर मानसिक बीमारी से जूझ रहे हैं। मुजफ्फरपुर में निर्भया कांड से भी भयावह घटना होती है, लेकिन मुख्यमंत्री की ओर से एक भी बयान नहीं आता। इससे स्पष्ट होता है कि वे मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। अगर वे स्वस्थ हैं, तो मेरे ऊपर मानहानि का मुकदमा करें और कोर्ट में साबित करें कि वे मानसिक रूप से ठीक हैं।

सदर विधायक ने किया हरियाली महोत्सव का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने हरियाली महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ किया।इस महोत्सव के अंतर्गत उन्होंने 1,51,000 पौधे लगाने एवं वितरण करने का संकल्प लिया है। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पर्यावरणीय पहल एक पौधा माँ के नाम से प्रेरित है, जिसे विधायक श्री प्रसाद ने जनभागीदारी से जोड़ते हुए एक जन आंदोलन का स्वरूप देने का निर्णय लिया है।

विधायक ने बताया कि इस महोत्सव के अंतर्गत फलदार, छायादार और औषधीय पौधों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनमें नीम, आम, अमरूद, जामुन, पीपल और बड़ जैसे पौधे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सतत अभियान है,इस कार्य में भाजपा के सभी नेता, कार्यकर्ता, विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम जनमानस का सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 5 जून से 15 अगस्त तक एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत देशभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम चला रही है। ऐसे समय में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा हरियाली महोत्सव के अंतर्गत 1,51,000 पौधे लगाने और वितरित करने का संकल्प लेना न केवल सराहनीय है, बल्कि इस राष्ट्रीय अभियान को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। उ श्री सिंह ने इसे भारतीय संस्कृति, मातृ वंदना और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक बताते हुए जनसाधारण से भी इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष टुन्नु गोप,अशोक यादव, भाजपा कार्य समिति सदस्य सुदेश चंद्रवंशी, हरीश श्रीवास्तव, भाजपा वरिष्ठ नेता के.पी ओझा, सुमन कुमार पप्पू,अजीत चंद्रवंशी,कुणाल दुबे, मूलचंद साव,रेणुका साहू, विवेक बरियार, रणधीर पांडे, मनोज श्रीवास्तव, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष राज कारण पांडे, दीना यादव,नरेंद्र जी,शेफाली गुप्ता,शैलेश चंद्रवंशी, अरुण राणा,कृष्ण मेहता, अशोक कुशवाहा सहित कई लोग मौजूद रहे।

बीएन इंटर कॉलेज बसरिया का इंटर आट्र्स में रहा शानदार रिजल्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड मुख्यालय से 10 किमी दूर बसरिया में संचालित डॉ बसंत नारायण सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय आज गरीब परिवार के बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आर्थिक तंगी के कारण जिन्हें बीच में ही पढ़ाई छोड़ना पड़ता था वे आज घर पर ही रहकर मैट्रिक इंटर की पढ़ाई कर उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। गुरुवार को 12वी आट्र्स (कला) संकाय का परिणाम जैक द्वारा जारी किया गया। जिसमें विद्यालय का शत प्रतिशत रिजल्ट रहा। बी एन इंटर कॉलेज की छात्रा सीमा कुमारी 393 (78.6%) अंक लाकर कॉलेज टॉपर बनी । इनके पिता बालेश्वर यादव ने बताया कि विद्यालय द्वारा बच्चों को अच्छी दिशा निर्देश मिला जिसका परिणाम रहा कि बेटी टॉपर बनी। वहीं दूसरे स्थान पर शम्मा प्रवीण 388 (77.6%) अंक प्राप्त की, शम्मा बसरिया से तकरीबन 4 किलो दूर रामचक से प्रतिदिन क्लास करने आती थी। उनकी माँ ने कहा शिक्षकों का भरपूर सहयोग मिला। साथ ही आट्र्स के शिक्षक को प्रैक्टिकल के साथ पढ़ाते थे। जिसका परिणाम रहा कि शम्मा अपने गाँव मे भी टॉपर बनी। तीसरे स्थान पर लक्ष्मी श्रीवास्तव 377 अंक लाकर सफल हुई। चौथा स्थान संजू कुमारी और दीपा कुमारी ने 375 अंक पांचवा स्थान

शिवानी कुमारी 371 अंक, छठा स्थान प्रियंका और शिसम 371 अंक सातवां रोहित कुमार 365 अंक, आठवां स्थान अंजली कुमारी 348 अंक सहित 56 बच्चे प्रथम श्रेणी से सफल हुए।

कॉलेज टॉपर सीमा बीएड कर समाज मे टीचर बनकर सेवा देने चाहती है। कॉलेज के सफलता पर प्रभारी मो जाबिर अंसारी ने सभी उत्तीर्ण हुए बच्चों को ढेर सारी शुभकामनाएं व बधाई और उज्वल भविष्य की कामना किये। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्र बसरिया बी एन प्लस टू से वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा संकाय कला में कुल 57 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिसमें प्रथम श्रेणी से 56 बच्चे व द्वितीय श्रेणी से 1 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। अंसारी ने कॉलेज के सफल परिणाम का श्रेय अपने कॉलेज के सभी शिक्षकों को दिया जिन्होंने अपनी लगन और मेहनत से बच्चों को बेहतर कल के लिए सिंचा। प्रभारी जाबिर अंसारी ने बताया कि अभिभावकों का विश्वास , शिक्षकों व बच्चों के मेहनत से विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। उन्होंने सभी बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की ।

पश्चिमी वन प्रमंडल का झील परिसर में कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस- 2025 के अवसर पर हजारीबाग झील स्थित ओपन एम्फीथिएटर में वन विभाग हजारीबाग पश्चिमी प्रमंडल द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, पर्यावरणविद् सह न्यू ह्यूमन फाउंडेशन के डॉ. सत्यप्रकाश, भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता सहित बतौर सम्मानित अतिथि क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, हजारीबाग रविंद्र नाथ मिश्रा, वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पूर्वी विकास कुमार उज्जवल, वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी मौन प्रकाश, एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी, वन्यप्राणी प्रमंडल, हजारीबाग सूरज कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग सम्मिलित हुए और सबों ने अपने हिस्से का एक पौधा भी लगाया। सांसद मनीष जायसवाल ने खुद अपने हिस्से का फलदार पौधा लगाया ।

मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक दिनचर्या का मूल दायित्व होना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें सभी को आज पर्यावरण दिवस के दिन पर्यावरण के संरक्षण , संवर्द्धन एवं विकास के लिए हमें न सिर्फ.संकल्प लेना चाहिए। अन्य सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण एवं प्रकृति के संरक्षण का महत्त्व रेखांकित किया तथा प्लास्टिक उपयोग में कटौती और जनमानस में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. : 29_2025-26, दिनांक 04.06.2025, वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/मुख्यालय/हावड़ा** के अधीन। **ई-निविदा सं. 29_2025-26, कार्य का विवरण** : पूर्व रेलवे/मुख्यालय/फेयरली प्लेस में रोलिंग स्टॉक कार्यालय का पुनर्गठन एवं नवीनीकरण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 5,70,23,612.55, **बयाना राशि:** रु. 4,35,100/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु.0.00, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 27.06.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-120/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways. gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

विधायक ने बसरिया में चार दिवसीय नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड अंतर्गत बसरिया में चार दिवसीय नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का रंगारंग शुभारंभ बुधवार को हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला काको और नावाडीह के बीच खेला गया, जिसमें काको की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। विधायक ने स्वयं बैटिंग कर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शन करने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। खेल से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि यह टीम वर्क और अनुशासन भी सिखाता है। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति अध्यक्ष मुकेश केशरी, कोषाध्यक्ष नितेश कुमार गुप्ता, सचिव राजेश दांगी, कप्तान रोहित केशरी, उपकप्तान आकाश सोनी, और मंच संचालक प्रेम प्रजापति, सदस्य विजय साव, सुमन गोस्वामी, चंदन गुप्ता, शशि केशरी, सुधीर वर्मा, आनंद साव, जयप्रकाश, विक्रम दांगी, आशीष प्रजापति, नरेश माली, रोहित साव, छोटू दांगी, प्रवीण राणा, आदित्य दांगी, शुभम वर्मा, शशि दांगी, सुजीत कसेरा, आशीष केशरी ने महती भूमिका निभाया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव, रामधनी दांगी, रामस्वरूप दांगी, पिंटू सोनी, कपिल यादव, लखन प्रजापति, उमेश साव, पंकज सोनी, प्रकाश रजक सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

ओबीसी का विरोध करनेवाली कांग्रेस के साथ राजद ने बनाया गठजोड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। भारतीय जनता पार्टी के नेता व सुबे के अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम ने कहा है कि देश की जनता भाजपा की नियत और कांग्रेस राजद के खोखले नारों को समझ चुकी है। वे गुरूवार को परिसदन में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस ने काका कालेलकर रिर्पोट और मंडल आयोग की रिर्पोट को रोक कर नही रखा रहता तो आज देश्ज्ञ के सर्वोच्च पद पर भी ओबीसी या आरक्षित वर्ग के लोग बैठे रहते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध कर जेपी के अनुयायी बने राजद के लोग आज उसी के गोद में जाकर बैठ गये है। जिस कांग्रेस ने ओबीसी का विरोध किया उसी कांग्रेस के साथ गलबाहियां राजद सुप्रिमो डाले हुए है। इन लोगो ने जेपी के सपनों की हत्या करने का काम किया है। पिछड़ो का हक मारने वाली कांग्रेस के साथ गठजोंड़ कर राजद केवल झुठ के बदौलत सता में आना चाहती है। जबकि ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता देने का काम नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण क्रांति का शंखनाद आज ही हुआ था। लेकिन संपूर्ण क्रांति के प्रणेता जयप्रकाश के सपनों के साथ राजद ने विश्वासघात किया है। लेकिन अब लोगो ने समझ लिया है कि उनका सच्चा हितैषी कौन है। मंत्री श्री राम ने कहा कि कांग्रेस व राजद की राजनीति हमेशा परिवार को और सता केद्रित रही है।

आद्रा मंडल पर विज्ञापन, खानपान और पार्किंग के ठेके के लिए ई-नीलामी

ई-नीलामी सूचना संख्या: कर्मशियल.-1/पीयूबी/06/25 **दिनांक 04.06.2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा मंडल के लिए विज्ञापन और खानपान के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित करता है। ई-नीलामी का विवरण इस प्रकार है: **श्रेणी; नीलामी सूची संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी; नीलामी शुरू (सभी लॉट); नीलामी बंद होने की तिथि/समय:** ● विज्ञापन; एडीवीटी69; एडीवीटी -आद्रा-पीआरआर-ओएच-16-25-2 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); एडीवीटी -आद्रा-ओडीएम-ओएसएन-127-25-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)); एडीवीटी -आद्रा-बीबीएम-ओएसएन-121-25-2 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)); एडीवीटी -आद्रा-केएसएक्स-ओएसएन-128-25-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)); 16-06-2025 को 12:00 बजे; 16-06-2025 को 13:00 बजे। ● खानपान; सीएटीजी38; सीएटीजी-आद्रा-आद्रा-एसएमयू-80-24-1 (खानपान - विशेष लघु इकाई (एसएमयू)); 19-06-2025 को 12:00 बजे; 19-06-2025 को 12:30 बजे।

संख्या: कर्मशियल-1/पार्किंग/06/25 **दिनांक 03.06.2025**

पार्किंग अनुबंध के लिए ई-नीलामी सूचना का विवरण इस प्रकार है: **श्रेणी; नीलामी सूची संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी; नीलामी शुरू (सभी लॉट); कार्रवाई बंद होने की तिथि/समय:** ● पार्किंग; पार्क78; पार्किंग-आद्रा-वीएसयू -एमएक्स-65-25-1 (पार्किंग-मिश्रित), पार्किंग-आद्रा-एसएलबी-एमएक्स-60-25-1 (पार्किंग-मिश्रित), पार्किंग-आद्रा-बीबीएम-एमएक्स-64-25-1 (पार्किंग-मिश्रित); 23-06-25, 12:00; 23.06.25, 12:30; 23.06.25, 12:40; 23.06.25, 12:50।

नोट: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी मॉड्यूल पर जाएं। किसी भी पूछताछ/स्पष्टीकरण के लिए, कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-230) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/आद्रा

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

CMYK

केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा 'प्रदूषण प्लास्टिक को समाप्त करना' विषय पर परिचर्चा का आयोजन

संकट गहरा है लेकिन समाधान सरल : सलमान हैदर

मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है प्लास्टिक : संजय कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के पटना स्थित प्रादेशिक कार्यालय द्वारा सभागार कक्ष में गुरुवार को 'प्रदूषण प्लास्टिक को समाप्त करना' थीम पर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि दूरदर्शन न्यूज़ बिहार के समाचार प्रमुख सलमान हैदर और सीबीसी, पटना के उपनिदेशक संजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया गया। इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करके अनुकूल विकल्प जैसे पत्ते का प्लेट, जूट का थैला आदि को ज्यादा से ज्यादा प्रयोग में लाना। परिचर्चा में सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों से लोगों को अवगत कराया गया साथ ही साथ इसके विकल्प को अपनाने के लिए अपील भी किया गया। परिचर्चा के दौरान विभाग के अधिकारी और सहयोगियों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को त्याग करने लिए शपथ भी लिया गया। कार्यक्रम के सलमान हैदर ने अपने वक्तव्य में बताया कि किस प्रकार प्लास्टिक का दुष्प्रभाव पशुओं, विशेषकर गायों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्लास्टिक अपशिष्ट शहरी बाढ़ जैसी

समस्याओं का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि संकट गहरा है, लेकिन समाधान सरल है–हमें अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीबीसी, पटना के उपनिदेशक संजय कुमार ने प्लास्टिक के इतिहास से लेकर वर्तमान स्थिति तक की एक तथ्यपरक और व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार प्लास्टिक, जो कभी आधुनिकता की पहचान था, आज पारिस्थितिकीय संतुलन, जैव विविधता एवं मानव स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। उन्होंने प्लास्टिक के सामाजिक, पर्यावरणीय एवं जैविक दुष्प्रभावों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया तथा दक्षिण कोरिया जैसे देशों के प्रभावी उपायों की जानकारी दी, जहां कानून, जनसहभागिता और तकनीकी नवाचार के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट का सफल नियंत्रण किया गया है। परिचर्चा में पीआईबी, पटना के सहायक निदेशक कुमार सौरभ ने व्यवहार परिवर्तन और वैश्विक प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम जैसे वैश्विक मंचों की पहलों का उल्लेख करते हुए 'पॉसिबिलिज़्म' की अवधारणा पर ज़ोर दिया कि किस प्रकार मानवीय क्रियाएं पर्यावरणीय स्थितियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दूरदर्शन न्यूज़, पटना के न्यूज़ एडिटर जावेद अख्तर अंसारी ने स्थानीय समाधानों और जनभागीदारी की महत्ता पर बल देते हुए अनुकूल विकल्प को व्यवहार में लाने का अपील की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के अमरेन्द्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन प्रकाश कुमार सिंह द्वारा किया गया। मौके पर विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहें साथ ही साथ सीबीसी, बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालयों के सभी अधिकारी और कर्मचारी ऑनलाईन माध्यम से परिचर्चा में भाग लिए।

चिराग भोजपुर के किसी सामान्य सीट से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोजपा (रा) प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा जोर पकड़ती जा रही है। चिराग पासवान ने भी पार्टी के आग्रह पर इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर हामी भर दी है। हालांकि, चिराग पासवान ने कहा है कि मैं चुनाव लड़ूंगा लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार चिराग पासवान शाहाबाद के भोजपुर जिले की छह विधानसभा में से एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ेंगे। लोजपा (रा) के राजेश भट्ट ने बताया कि पार्टी की ओर से शाहाबाद की 22 विधानसभा सीटों पर सर्वे किया जा रहा है। सीट की घोषणा सर्वे के बाद की जायेगी। चिराग पासवान वहीं से लड़ेंगे जहां प्रदेश में सबसे अधिक वोटों से जीतने की संभावना हो। चिराग पासवान अभी हाजीपुर से सांसद हैं और केन्द्र सरकार में मंत्री हैं। उनकी पार्टी लोजपा (रा) एनडीए में शामिल है। विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए के घटक दलों के बीच अभी सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है। ऐसे में सूबे के सियासी गलियारे में यह सवाल भी उठ रह है कि चिराग के विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कहीं ज्यादा सीटें लेने के लिए एनडीए पर दबाव की राजनीति तो नहीं है। दरअसल चिराग 40 सीटें चाहते हैं। जबकि एनडीए में उनकी पार्टी को 22 से 25 सीटें देने की बात हो रही है। राजनीति के जानकार इसे आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री पद के दावेदार होने की कवायद के तौर पर भी देख रहे हैं।

समर कैम्प में बच्चों ने सीखी विभिन्न कलाओं की बारीकियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान एवं कला जागरण पटना के सहयोग से दादी मंदिर, शक्तिधाम, बैंक रोड, पटना में बच्चों के लिए चलाये जा रहे समर कैम्प में की शुरुवात योग कला में एमए रीना कुमारी ने बच्चों को प्राणायाम एवं योग आसन सीखा कर किया। बच्चों ने गायत्री मंत्र भी पढ़ा। आज बच्चों के बीच वनबंधु परिषद् बिहार के अध्यक्ष गणेश खेतड़ीवाल ने बच्चों को बाल रामायण पुस्तक के बारे में बताया और कहा की इसमें पूरी रामायण कथा छोटी छोटी कहानियों के रूप में है। खेतड़ीवाल ने बच्चों को योग के महत्त्व के बारे में भी बताया। मौके पर शक्तिधाम के मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने

बताया कि इस समर कैंप में पटना के दर्जनों प्रतिष्ठित स्कूल के बच्चे भाग ले रहें हैं। बिहार महिला अग्रवाल अध्यक्ष डॉ गीता जैन ने बच्चों से पूछा की बड़े होकर वे क्या बनना चाहते हैं तो अधिकतर बच्चों ने कहा कि डॉक्टर या शिक्षक बनकर गरीबों की सेवा करना चाहते हैं। इस अवसर पर अग्रवाल सम्मेलन के महामंत्री अक्षय अग्रवाल ने कहा कि बच्चो को गर्मी में परेशानी नही होगी। अग्रवाल महिला सम्मेलन की तनुजा अग्रवाल भी लगातार कैंप में बच्चों को अपना सहयोग दे रही हैं। एम पी जैन ने बताया कि समर कैम्प को सफल बनाने में अमर अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, एम पी जैन, निर्मल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, रानी सिंह, रविशंकर उपाध्याय, अभिषेक जैन, सुनैना सिंह एवं कला जागरण के रोहित कुमार आदि सक्रिय थे।

राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद की बैठक में दो प्रस्तावों को सैद्धांतिक सहमति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद सचिवालय की बैठक की गयी। बैठक में 02 करोड़ से अधिक पूँजी निवेश के स्टेज-1 के कुल 04 प्रस्तावों जिसमें संभावित पूंजी निवेश की राशि रू 681.18 करोड़ सन्निहित है को सैद्धांतिक सहमति प्रदान करने के लिए राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद की आगामी बैठक में भेजे जाने हेतु अनुशंसा की गई। इसके अतिरिक्त 02 करोड़ तक पूंजी निवेश के स्टेज-1 के कुल 02 प्रस्ताव जिसमें संभावित पूंजी निवेश की राशि 1.57 करोड़ सन्निहित है को सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गयी। बैठक में मेसर्स एपिक एग्रो प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नारायण एंड मुनेश्वर वेयर हाउसिंग सोल्यूशंस, जुरापॉली इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड, एम बी एस ए इंडस्ट्री, सुपर माउंटसेंट, हाइब्रिड एग्रो सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, विहारा फैशन प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य इकाइयों को अनुशंसा प्रदान की गयी। बैठक में उद्योग विभाग के तकनीकी निदेशक शेखर आनंद, बिहार राज्य प्रदूषण बोर्ड, अग्निशमन विभाग, वाणिज्यकर विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, श्रम संसाधन विभाग, उर्ज़ा विभाग के साथ अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

एसबीआइ ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय, में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक के. वि. बंगारराजु ने स्टाफ सदस्यों को प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए प्लास्टिक उपयोग को कम करने, पुनः उपयोग करने तथा उनका पुनर्चक्रण करने का संदेश दिया। उन्होने कर्मचारियों को ऊर्ज़ा संरक्षण, संवहनीयता (सस्टेनेबिलिटी), कागज रहित बैंकिंग और प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ावा देने के अलावा पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने की प्रतिज्ञा भी दिलायी। श्री बंगारराजु ने अपने अभिभाषण में कहा कि अपने

पर्यावरण की देखभाल करना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। एसबीआई में हमने अपने मूल मूल्यों में इसे लागू करके अपनी प्रतिज्ञा को औपचारिक रूप दिया है। हमने अपनी पृथ्वी की देखभाल करने का संकल्प लिया है और यह मानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति हमारे हरित भविष्य के लिए परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप मे कार्य कर सकता है। इस मौके पर महाप्रबंधक (नेटवर्क- दक्षिण बिहार) रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (नेटवर्क- उत्तर बिहार) आर. नटराजन, महाप्रबंधक (नेटवर्क- झारखंड) विवेक चन्द्र जायसवाल एवं मण्डल विकास अधिकारी सुमित रॉय समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

अपनी अज्ञानता का प्रदर्शन न करें तेजस्वी : प्रभाकर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे पत्र पर जोरदार प्रहार किया और कहा कि धरती के सभी प्राणियों की कुछ अपनी खासियत होती है और कुछ सीमाएं भी। शुतुरमुर्ग आसमान में उड़ नहीं सकता। गधे अपने पैर में नाल ठुकवा कर घोड़े की तरह तेज नहीं दौड़ सकता। उसी तरह सियासत में भी सभी के अपने-अपने दायरे और सीमाएं हैं। सभी की समझ एक जैसी नहीं हो सकती। कोई नौंवी फ़ेल नेता, न तो संवैधानिक प्रावधानों को समझ सकता है और न ही न्यायालय के आदेश को। जो मन में आया, अनाप-शनाप बोल दिया। साथ ही अपनी झूठी काबिलियत दिखाने के लिए मुख्यमंत्री के पास पत्र लिख दिया और सस्ती लोकप्रियता पाने और छलावा के लिए उसे सोशल मीडिया 'एक्स' पर डाल दिया। ये सब अपनी असलियत छुपाने के लिए किसी रंगे सियार की करतूत हो सकती है, किसी गंभीर और समझदार राजनेता की नहीं। श्री मिश्र ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि तेजस्वी यादव राजनीति नहीं लफ्फाजी करते हैं। इन्हें अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़े-अतिपिछड़े के हित से कोई मतलब नहीं। ये कौन नहीं जानता, बिहार में जातीय गणना का फैसला एनडीए सरकार का था। सच को कोई छिपा नहीं सकता। तेजस्वी के आंख बंद कर लेने से रात नहीं हो जाएगी। श्री मिश्र ने कहा कि लालू, तेजस्वी और पूरा राजद आरक्षण का सबसे बड़ा विरोधी है।

एनटीपीसी हमेशा से हरित पहलों में अग्रणी : सुदीप नाग

एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस 2025 उत्साहपूर्वक एवं पर्यावरणीय प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ईडी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्वी-1) सुदीप नाग ने महाप्रबंधक (प्रचालन सेवाएं) मैथ्यू ई. कोवूर, क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख अनिल कुमार चावला सहित अन्य विभागाध्यक्ष की उपस्थिति में सभी कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई और पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित

किया। अपने संबोधन में श्री नाग ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक प्रतीकात्मक अवसर नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाने का सशक्त माध्यम है कि हम इस धरती के संरक्षक हैं। एक जिम्मेदार संगठन और जागरूक नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम ऐसे कार्य करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने एनटीपीसी की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण से लेकर नवीकरणीय ऊर्ज़ा को अपनाने तक एनटीपीसी हमेशा से हरित पहलों में अग्रणी रहा है। यह प्रतिबद्धता केवल हमारी कॉर्पोरेट रणनीति का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह हमारे कार्य-संस्कृति में निहित है। इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यावरण प्रबंधन समूह द्वारा शास्त्री नगर स्थित टाऊनशिप परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों, एवं सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एनटीपीसी प्रतिवर्ष देशभर में लाखों वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत करता रहा है। इसी क्रम में वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान, एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 के स्टेशनों ने राज्य सरकार के सहयोग से एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाए जाने की योजना बनाई है।

पूर्व मध्य रेल के जीएम ने किया वृक्षारोपण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून को मुख्यालय में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत, हरित भारत की शपथ दिलायी गयी। इसके उपरांत महाप्रबंधक श्री सिंह द्वारा मुख्यालय परिसर, हाजीपुर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर राजीव रंजन प्रसाद सहित मुख्यालय के अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। विदित हो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण विषय पर स्टॉकहोम में सन 1972 में 05 से 16 जून तक एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। उसी के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 05 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना' है।

फार्म मशीनरी बैंक योजना से किसानों की होगी उन्नति : विजय सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार लघु एवं सीमांत किसानों की आय में वृद्धि और कृषि उत्पादन में सुधार हेतु सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में कृषि रोड मैप के तहत फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना की जा रही है, जिससे आधुनिक कृषि यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना से छोटे और सीमांत किसानों को खेती की हर क्रिया जुताई, बुआई, रोपाई, कटाई और थ्रेसिंग के लिए जरूरी यंत्र आसानी से सुलभ होंगे। इससे न केवल समय पर कृषि कार्य संभव होगा, बल्कि उत्पादन और उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह योजना किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री सिन्हा ने जानकारी दी कि प्रत्येक फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना 10 लाख रुपये की लागत से की जाएगी, जिसमें यंत्रों का चयन स्थानीय फसल चक्र को ध्यान में रखकर किया जाएगा। प्रत्येक बैंक में कम-से-कम एक-एक ट्रैक्टर चालित या स्वचालित यंत्र रखना अनिवार्य होगा। सरकार द्वारा इस योजना के तहत 80 प्रतिशत तक यानी अधिकतम 8 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इस योजना का लाभ जीविका समूह, ग्राम संगठन, क्लस्टर फ़ेडरेशन, फार्मर इंटरेस्ट ग्रुप, नाबार्ड/बैंकों से संबद्ध किसान क्लब, किसान उत्पादक संगठन, किसान उत्पादक कंपनियां, स्वयं सहायता समूह एवं पैक्स को दिया जा रहा है। इन संस्थाओं के माध्यम से यंत्रों की सामूहिक उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। अब तक राज्य में 569 फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 38 नए फार्म मशीनरी बैंक स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार की यह पहल किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने, कृषि लागत को घटाने और उनकी आमदनी बढ़ाने की दिशा में कारगर साबित होगी।

सहकारिता से होगी किसानों की तरक्की : प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना स्थित दशरथ मांझी श्रम नियोजन अध्ययन संस्थान में राज्य के सहकारी बैंकों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं निदेशक मंडल के सभी सदस्यों हेतु आहुत एक दिवसीय उन्नमुखीकरण कार्यक्रम का उदघाटन सहकारिता मंत्री डा. प्रेम कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन बिहार राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह,द्वारा किया गया। बिहार राज्य सहकारी बैंक के उप महाप्रबंधक श्रीन्द्र नारायण ने राज्य के विभिन्न जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों से आए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं निदेशक मंडल के सभी सदस्यों को पी.पी.टी

के माध्यम से बैंक में उनकी भूमिका एवं व्यवसाय विविधिकरण को विस्तार पूर्वक बताया। संयुक्त निबंधक कामेश्वर ठाकुर द्वारा सहकारिता विभाग के विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। बिहार राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष रमेश चन्द्र चौबे द्वारा बताया गया कि मंत्री के नेतृत्व में बिहार में सहकारी बैंकों हेतु प्रथम बार इस तरह का आयोजन किया गया है। मंत्री द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि भारत सरकार तथा बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 'सहकारिता में सहकार' कार्यकमों के समयबद्ध संचालन हेतु उपस्थित सभी प्रतिभागियों को अविलम्ब कार्ययोजना बनाकर कार्य करने हेतु निदेशित किया। उनके द्वारा गुजरात, तमिलनाडु एवं केरल परिभ्रमण कार्यक्रम के अनुभवों को भी विस्तार से बताया गया। सभा में उपस्थित प्रत्येक अध्यक्ष एवं निदेशक को अपने बैंक के कार्यक्षेत्र अंतर्गत न्यूनतम एक प्रखंड को गोद लेना, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 एवं सहकारिता में सरकार के कार्यक्रमों के उपलक्ष्य में अपनी सभी सहकारी समितियों के खाते सहकारी बैंक में खुलवाना है। के.सी.सी ऋण का वितरण एवं वसूली की समीक्षा तथा सक्रिय क्षेत्र भ्रमण है। जिन किसानों से पैक्स / व्यापार मंडल के माध्यम से अधिप्राप्ति हो रही है उन सभी किसानों का खाता सहकारी बैंक में अभियान चलाकर खुलवाना है। सभी जिला सहकारी बैंक एवं बिहार राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं निदेशक-पार्षद सदस्य कम से कम स्वयं के प्रयास से 500 खाते खुलवाना, बैंकों की परिसंपत्तियों की सुरक्षा एवं रख रखाव हेतु सक्रियता, बैंक के विभिन्न कार्यक्रमों (जैसे ऋृए अंतर्गत कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, ऋण वसूली अभियान, जमा वृद्धि अभियान आदि) में सक्रिय भागीदारी, यथा संभव उपस्थिति, तथा क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करना आदि है।

खादी मॉल पटना में उमड़ी भारी भीड़

शुद्ध खादी वस्त्रों पर 50% की भारी छूट, खादी वस्त्रों की 32 लाख रुपये की हुई बिक्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित खादी मॉल, पटना में इन दिनों खरीदारी के लिए भारी भीड़ जुट रही है। इसका कारण है स्वदेशी खादी वस्त्रों पर 'खादी समर सेल' के तहत 50% की भारी छूट। यह विशेष ऑफर 1 जून से 30 जून 2025 तक लागू रहेगा और ग्राहकों को खादी के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को आधे दाम पर खरीदने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस विशेष छूट के तहत अब तक, खादी मॉल पटना में 32 लाख रुपये के खादी वस्त्रों की बिक्री हो चुकी है। इस संबंध में मॉल प्रबंधक रमेश चौधरी ने बताया कि इस ऑफर का उद्देश्य खादी के प्रचार को बढ़ावा देना और इसके प्रति आम जनता में जागरूकता फैलाना है। खादी मॉल पटना में इस छूट के कारण ग्राहकों की भारी संख्या देखने को मिल रही है, जो खादी के विभिन्न प्रकार के वस्त्र जैसे कुर्ते, साड़ियाँ, शर्ट्स, खादी बंडी, भागलपुरी चादर, टसर सिल्क साड़ियाँ, भागलपुर साड़ियाँ, बिहारी गमछा, एसी क्विल्ट और घरेलू उपयोग के अन्य वस्त्रों पर छूट का लाभ उठा रहे हैं। सूती गमछे से लेकर एसी बेड क्विल्ट सभी सीधे आधे दाम में मिल रहे हैं। दूर-दूर से आये पर्यटक भी छूट में अधिक से अधिक खादी वस्त्रों की खरीदारी कर रहे हैं। इस छूट का लाभ न केवल पटना और आसपास के क्षेत्रों के लोग उठा रहे हैं, बल्कि अन्य शहरों और राज्यों से आए पर्यटक भी खादी वस्त्रों को अपनी गर्मियों की खरीदारी का हिस्सा बना रहे हैं। गर्मियों में खादी वस्त्रों की विशेष अहमियत होती है। खादी प्राकृतिक कपड़ा होने के कारण न केवल हल्का और आरामदायक होता है बल्कि इसमें हवा का संचरण बेहतर होता है, जो शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। इसके अलावा, खादी त्वचा के लिए भी सुरक्षित होता है क्योंकि यह रसायन मुक्त होता है और इसे पहनने से शरीर में गर्मी का असर कम होता है। खादी वस्त्रों का उपयोग हमारे पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदारी दिखाता है क्योंकि यह एक पूरी तरह से प्राकृतिक और टिकाऊ उत्पाद है। खादी मॉल पटना के अलावा, खादी मॉल मुज़फ़्फ़रपुर में भी 50% की छूट दी जा रही है ताकि अधिक से अधिक लोग खादी का उपयोग करें और इसे अपनी दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। यह विशेष छूट 30 जून 2025 तक लागू रहेगी।

सीमांचल को मुर्शिदाबाद बनाने की कोशिश में राजद-कांग्रेस : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सीमांचल में साम्प्रदायिकता के जरिए वोटों के ध्रुवीकरण के लिए राजद-कांग्रेस ओवैसी को गले लगाने की तैयारी में है। बिहार विधान सभा चुनाव से पहले असुदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष ने इसका खुलासा किया है। इनकी कोशिश सीमांचल को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद बनाने की है। सीमांचल के किशनगंज में सबसे अधिक 67 फीसदी मुसलमान वोटर्स हैं। इसके बाद कटिहार में 38 फीसदी, अररिया में 32 फीसदी, पूर्णिया में 30 फीसदी मुसलमान वोटर्स हैं। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए राजद-कांग्रेस की कोशिश इन वोटों को पाने और बहुसंख्यकों को डराने की है। श्री पाण्डेय ने कहा कि मुस्लिम लीग से केरल में गठजोड़ कर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस और उसके साथ रहने वाले राजद का मंसूबा सीमांचल को अशांत कर विद्वेष की आग में झोंकना है। इसलिए उसे कट्टरपंथी और भड़काऊ भाषण देकर समाज में साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने वाले ओवैसी का साथ चाहिए। श्री पाण्डेय ने कहा कि एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुदीन ओवैसी की छवि कट्टरपंथी नेता की है। वे अपनी कट्टर छवि और आक्रामक भाषण के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में राजद-कांग्रेस का यह सोचना है कि अगर ओवैसी की पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बनती हैं तो मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण होगा। ऐसे में बहुसंख्यक वोटरों को सचेत रहने की जरूरत है।

संपादकीय

कनाडा ने की गलती

पीएम नरेंद्र मोदी का इस साल कनाडा में होने वाले जी7 सम्मेलन में भाग नहीं लेना इस वैश्विक मंच के उद्देश्य और इसकी प्रासंगिकता के लिहाज से ठीक नहीं है। भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकॉनमी है, ग्लोबल ग्रोथ में उसकी एक भूमिका है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से उसे अमीर देशों के इस मंच पर जगह मिलती आई थी। भारत साल 2019 से लगातार इस आयोजन का हिस्सा रहा है। फ्रांस से यह सिलसिला शुरू हुआ था, जो पिछले साल इटली तक जारी रहा। इटली में विशेष सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सामाजिक असमानता को दूर करने और सभी के सहज उपलब्ध व सुरक्षित द्ध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की थी। भारत इस मंच का इस्तेमाल शांति, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वित विकास का संदेश देने के लिए करता रहा है। जी7, सात सबसे विकसित और औद्योगिक देशों का समूह है, लेकिन जिस तरह से कनाडा में बसे खालिस्तान समर्थकों ने इस बार अपना असर इस पर छोड़ा है, वह चिंता का सबब है। आयोजन की मेजबानी कनाडा के पास है, लेकिन अलगाववादियों ने वहां की नई सरकार पर दबाव बनाया था कि भारत को आमंत्रित न किया जाए। मार्क कार्नी का इस मामले में झुक जाना चरमपंथी ताकतों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के लिए बड़ा झटका है। क्या भारत के बिना यह ग्रुप चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता, लोकतंत्र और पर्यावरण के मुद्दे पर टिका रह पाएगा? मार्क कार्नी का कार्यकाल इस उम्मीद के साथ शुरू हुआ था कि भारत और कनाडा के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघल सकती है। अपने पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो के मुकाबले उन्होंने ज्यादा जिम्मेदार और सकारात्मक रवैया दिखाया था। चुनावी अभियान के दौरान उन्होंने माना था कि दोनों देशों के संबंध कई स्तरों पर महत्वपूर्ण हैं और समान विचारधारा वाले देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में विविधता लाने की बात कही थी। पिछले हफ्ते जब विदेश मंत्री जयशंकर ने कनाडा की समकक्ष मंत्री अनीता आनंद से बात की, तो उसे भी अहम बदलाव माना गया था। जी7 सम्मेलन कनाडा के लिए मौका था, जहां वह भारत के साथ संबंधों को सुधारने की शुरुआत कर सकता था। अमेरिका की तरफ से पड़ रहे प्रेशर को देखते हुए उसे नई दिल्ली के जैसे सहयोगियों की जरूरत है। लेकिन, घरेलू राजनीति से मजबूर कनाडा ने द्विपक्षीय रिश्तों ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय हितों को भी चोट पहुंचाई है।

विकास और हरित भविष्य की ओर अग्रसर भारतीय रेल

अश्विनी वैष्णव

जब भी आप सड़क या अन्य साधनों की जगह ट्रेन से यात्रा करते हैं, तो आप सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि एक स्वच्छ और हरित भारत को चुनते हैं। पिछले साल 700 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने भारतीय रेल से सफर किया। यह हमारी जीवनरेखा है और आने वाले कल के लिए एक हरित संकल्प भी।

भारतीय रेल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पंचामृत लक्ष्य - 2070 तक शून्य उत्सर्जन (नेट ज़ीरो) - में अहम भूमिका निभा रही है। हम माल और यात्री परिवहन को सड़क से रेल की पर ले जा रहे हैं। साथ ही स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने में मदद मिल रही है।

सड़क से रेल की ओर– 2013-14 में भारतीय रेल ने लगभग 1,055 मिलियन टन माल की ढुलाई की। 2024-25 में यह बढ़कर 1,617 मिलियन टन हो गया है। इससे हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मालवाहक रेलवे बन गए हैं। सड़क की जगह रेल से माल ढुलाई करने से अब तक 143 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोका गया है। यह 121 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

रेल से माल ढुलाई, सड़क से सस्ती है। इससे पिछले 10 सालों में देश को 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। रेल, ट्रकों के मुकाबले 90त्त कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करती है। इससे हवा साफ रहती है। 2,857 करोड़ लीटर डीज़ल की भी बचत हुई है, जो कि लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है।

विद्युतीकरण से आत्मनिर्भरता–भारत बहुत मात्रा में तेल आयात करता है। ऐसे में रेलवे का विद्युतीकरण सामरिक रूप से जरूरी है। 2014 से पहले 60 वर्षों में 21,000 किलोमीटर रेलवे लाइन ही विद्युतीकृत हुई थी। लेकिन पिछले 11 सालों में हमने 47,000 किलोमीटर रेल लाइन को विद्युतीकृत किया है। अब तक 99त्त ब्रॉड गेज नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है।

रेलवे अब स्टेशनों, वर्कशॉप और ट्रेनों के लिए भी हरित ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा है। हम राज्यों के साथ मिलकर ट्रेनों को हरित ऊर्जा से चलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

माल ढुलाई का नया मॉडल– डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ष्ठस्नष्ट) भी पूरी तरह से विद्युतीकृत होते हैं। ये कॉरिडोर सिर्फ माल ढुलाई के लिए बनाए गए हैं। वर्तमान में 2,741 किलोमीटर के फ्रेट कॉरिडोर संचालित हैं। इससे सड़कों पर भीड़ घटी है, डीजल की खपत कम हुई है और कार्बन उत्सर्जन भी घटा है।

भारत अब हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों को भी अपनाने जा रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच चलेगी। यह दुनिया की सबसे लंबी और ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन होगी।

अर्थव्यवस्था और पर्यावरण– भारत ने दिखाया है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ संभव हैं। 2023 के वर्ल्ड बैंक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में भारत का स्थान 139 देशों में 38वें पर रहा। 2014 की तुलना में यह 16 स्थान ऊपर है। रेलवे के विद्युतीकरण से प्रदूषण और लागत दोनों में कमी आयी है। साथ ही लोजिस्टिक्स की क्षमता और गति दोनों बढ़ी हैं।

2030 तक नेट-शून्य उत्सर्जन– प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे के लिए 2030 तक नेट ज़ीरो का लक्ष्य रखा है। तेज़ी से हो रहे विद्युतीकरण और सड़क से रेल की ओर शिफ्ट हो रहे यातायात से भारतीय रेल 2025 तक ही स्कोप 1 नेट ज़ीरो का लक्ष्य हासिल कर लेगी।

इस विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेल सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है। हर ट्रैक का विद्युतीकरण, हर सोलर पैनल और सड़क से हटाया गया हर कंटेनर, हमारे देश और पर्यावरण के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक कदम है।

– लेखक भारत सरकार में केन्द्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति करना होगा जागरूक

(रमेश सर्राफ धमोरा)

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं।

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता हैं। यह एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच खोए हुए सन्तुलन को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। संयुक्त राष्ट संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के परि उपसर्ग (चारों ओर) और आवरण से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया।

आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और दर्द को समझें

(ललित गर्ग)

युद्धों एवं ऐसी ही स्थितियों में 11,649 बच्चे मारे गए या अपंग हो गए। अधिकांश मामलों में, विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगों का उपयोग आबादी वाले क्षेत्रों में किया गया, जिसके कारण बच्चों की मृत्यु हुई और वे अपंग हो गए।

बच्चों को देश एवं दुनिया के भविष्य की तरह देखा जाता है। लेकिन उनका यह बचपन रूपी भविष्य लगातार हो रहे युद्धों की विभीषिका, त्रासदी एवं खौफनाक स्थितियों के कारण गहन अंधेरों एवं परेशानियों से घिरा है। आज का बचपन हिंसा, शोषण, यौन विकृतियों, अभाव, उपेक्षा, नशे एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन इतना उपेक्षित, प्रताड़ित, डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्यों बचपन बदहाल होता जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज, सरकार एवं युद्धरत देशों की सत्ताएं इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? ये प्रश्न 4 जून को आक्रमण के शिकार हुए मासूम बच्चों के दिवस को मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। इस दिवस को मनाने की प्रासंगिकता आज के परिप्रेक्ष्य में ज्यादा महसूस हो रही है। इस दिवस का उद्देश्य आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और उनके दर्द को स्वीकार करना, बाल अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराना, समाज में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के साथ हिंसा रोकने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से प्रयास करना, बच्चों के लिए सुरक्षित, हिंसामुक्त और अनुकूल वातावरण बनाना एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें हिंसा से सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस की शुरुआत 1982 में की थी, जब फिलिस्तीनी और लेबनानी बच्चों पर हुए अत्याचारों के बाद यह दिवस घोषित किया गया था, जिसे मनाते हुए हमें दुनिया भर में बच्चों द्वारा झेले गए दर्द को स्वीकारना होगा, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बच्चे दुनिया की आबादी का एक चौथाई हिस्सा हैं और किसी भी समाज की भलाई के लिए बच्चों का सुरक्षित एवं संरक्षित होना जरूरी हैं। वे समाज के सबसे कमज़ोर सदस्य हैं, जिन्हें निष्कंटक, खुशहाल और सफल जीवन जीने के लिए समान अवसर दिए जाने और उनकी रक्षा किए जाने की आवश्यकता है। लेकिन, हर साल संघर्ष और युद्धों के कारण बच्चों की एक बड़ी संख्या हिंसा, विस्थापन, अपंगता और दुर्व्यवहार का शिकार होती है। यह केवल इस बात को साबित करता है कि बच्चों पर किसी भी संघर्ष का गंभीर एवं घातक प्रभाव पड़ता है। निश्चित ही रूस एवं यूक्रेन, गाजा एवं इजरायल जैसे लम्बे समय से चल रहे युद्धों के कारण हर दिन, दुनिया भर में बच्चे अकथनीय भयावहता एवं त्रासदियों का सामना कर रहे हैं। वे अपने घरों में सोने या बाहर खेलने, स्कूल में पढ़ने या अस्पतालों में चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में सुरक्षित नहीं हैं। हत्या और अपंगता, अपहरण और यौन हिंसा से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमले नयी बन रही विश्व संरचना के लिये गंभीर चुनौती है। बच्चे चौंका देने वाले पैमाने पर युद्धरत दलों के निशाने पर आ रहे हैं। हाल के वर्षों में, कई संघर्ष एवं युद्ध क्षेत्रों में, महामारियों एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष, युद्ध, हिंसा एवं महामारियों से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। हिंसक अतिवादियों द्वारा बच्चों को निशाना बनाने से बचाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून को बढ़ावा देने के लिए और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयासों एवं संकल्पों की जरूरत है ताकि बच्चों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित एवं सुनिश्चित किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के नए एजेंडे में पहली बार बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य शामिल था।

मोदी सरकार के 11 वर्षों में बदल गया अक्षय ऊर्जा क्षेत्र

प्रहलाद जोशी
केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि हमने दृढ़ संकल्प, नवाचार और बेजोड़ प्रदर्शन के साथ उन्हें हासिल भी किया है।

सौर ऊर्जा में तीसरे, पवन ऊर्जा में चौथे और कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान के साथ, आज भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक है। 232 गीगावाट से अधिक स्थापित और 176 गीगावाट निर्माणाधीन नवीकरणीय क्षमता होने के साथ, हम न केवल अपनी ऊर्जा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं, बल्कि ऊर्जा में बदलाव से जुड़ी वैश्विक चर्चा को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह प्रगति संयोग नहीं है, बल्कि यह पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार किए गए साहसिक सुधारों, समयबद्ध फैसलों और स्पष्ट दीर्घकालिक दृष्टिकोण का परिणाम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास एक मजबूत नवीकरणीय ऊर्जा इकोसिस्टम बनाने का एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा को वैश्विक प्राथमिकता बनने से बहुत पहले बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं का बीड़ा उठाया था। 2014 में पदभार संभालने के बाद, उन्होंने उस विजन को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। नतीजतन, आज भारत सौर, पवन और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े नवाचार में एक वैश्विक लीडर के रूप में खड़ा है।

पिछले वर्ष में ही, हमने राष्ट्रीय ग्रिड में रिकॉर्ड 29 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के सिर्फ 2.63 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 108 गीगावाट से अधिक हो गई है, जो 41 गुना की आश्चर्यजनक वृद्धि है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 51 गीगावाट को पार कर गई है। देश भर में फैली इन परियोजनाओं को अब एकीकृत पारेषण प्रणाली के माध्यम से एक साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे एक राष्ट एक ग्रिड (वन नेशन वन ग्रिड) का सपना साकार होगा, जहां प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो, विश्वसनीय बिजली प्राप्त कर सकेगा।

लेकिन इस बदलाव के स्तर को समझने के लिए हमें यह याद रखना होगा कि हमने शुरुआत कहां से की थी। वर्ष 2014 में भारत का बिजली क्षेत्र गहरे संकट से जूझ रहा था। बिजली की कमी लगातार बनी हुई थी। 2012 में डबल ग्रिड फेलियर हुआ, जिसने सबसे पहले उत्तरी क्षेत्र को 36,000 मेगावाट लोड की हानि के साथ प्रभावित किया और बाद में उत्तरी, पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी ग्रिडों के ध्वस्त होने का कारण बना, जिससे 48,000 मेगावाट का असर पड़ा। ये घटनाएं आज भी हमारी यादों में ताजा है। पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर पर अत्यधिक बोझ था और निवेशकों का भरोसा कम था। नवीकरणीय ऊर्जा को महंगा और अविश्वसनीय माना जाता था। वैश्विक समुदाय ने भारत को एक गंभीर स्वच्छ ऊर्जा खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा। वहीं, देश के भीतर, जनता की अपेक्षाएं मामूली थीं। नीतिगत अनिर्णायकता की स्थिति के चलते भी भारत को %नाजुक पांच% अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में गिना जाता था।

वह परिदृश्य निर्णायक रूप से बदल गया है। भारत ऊर्जा की कमी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ गया है। पिछड़ने की स्थिति से उबरते हुए, अब हम मिसाल के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। यहां, मैं मोदी सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए गए 11 परिवर्तनकारी सुधारों पर प्रकाश डालता हूं, जिनमें से प्रत्येक आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सबसे पहले, फीड-इन टैरिफ से पारदर्शी, बाजार-संचालित बोली प्रक्रिया में बदलाव ने एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। प्रतिस्पर्धी बोली और टैरिफ युक्तिकरण के कारण सौर टैरिफ 2010 में ?10.95 प्रति यूनिट से गिरकर 2021 तक आश्चर्यजनक रूप से ?1.99 प्रति यूनिट रह गया, जिसने भारत को सौर ऊर्जा में मूल्य के मामले में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया। इस सुधारों ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया और जीवाश्म ईंधन के साथ मूल्य के मामले में समानता स्थापित की है।

दूसरा, अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों की छूट एक और प्रमुख कदम रहा है। इन शुल्कों को हटाकर, सरकार ने परियोजना डेवलपर्स के लिए प्रमुख बाधाओं में से एक को समाप्त कर दिया। अपतटीय पवन के लिए 2032 तक और हरित हाइड्रोजन के लिए 2030 तक विस्तारित, इस नीति ने भौगोलिक सीमाओं से नवीनीकरणीय ऊर्जा परिनियोजन को प्रभावी रूप से मुक्त कर दिया और पूरे भारत में ऊर्जा प्रवाह को प्रोत्साहित किया।

तीसरा, आयात पर निर्भरता कम करने और रोजगार सृजन के लिए सरकार ने 24,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन के साथ सौर विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की। इससे घरेलू विनिर्माण में उछाल आया है, जो 2014 की 2.3 गीगावाट से बढ़कर मॉड्यूल में 88 गीगावाट और 2025 तक सेल क्षमता में 0 से 25 गीगावाट हो गया है। भारत अब केवल सौर ऊर्जा का उपयोग ही नहीं कर रहा है, बल्कि इसे बना भी रहा है। इससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होती है और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ती है।

चौथा, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए, सरकार ने मॉडल और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलएमएम), घटकों और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलसीएम) के साथ-साथ घरेलू सामग्री आवश्यकताओं (डीसीआर) को लागू किया, जिससे गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला की संपूर्णता सुनिश्चित हुई और आयातित सौर घटकों पर निर्भरता कम हुई। इन उपायों ने भारतीय निर्माताओं के लिए एक समान अवसर तैयार किए हैं, जिससे एक लचीले और प्रतिस्पर्धी सौर इकोसिस्टम का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

पांचवां, प्रधानमंत्री के विजन के तहत, पीएम-सूर्य घर– मुफ्त बिजली योजना एक परिवर्तनकारी पहल बन गई है, जिसका लक्ष्य 30 गीगावॉट की विकेंद्रीकृत क्षमता तैयार करने के लिए एक करोड़ घरों में छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करना है। लगभग 13.75 लाख घरों को पहले ही इससे जोड़ा जा चुका है, जिससे जमीनी स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच में बदलाव आ रहा है। इसी तरह, पीएम-कुसुम योजना किसानों को विकेंद्रीकृत सौर प्रणाली लगाने में सक्षम बनाकर कृषि को सौर ऊर्जा से लैस कर रही है। 11 लाख से अधिक पंपों को सौर ऊर्जा से युक्त किया गया है, जिससे भारत का ये सबसे अधिक ऊर्जा-गहन क्षेत्र जलवायु सहयोगी में बदल गया है। सातवां, भारत अब स्वच्छ ऊर्जा के मामले में दुनिया का अनुसरण नहीं कर रहा है, बल्कि दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। 2014 में एफडीआई के मामूली प्रवाह से, भारत ने अप्रैल 2020 से सितंबर 2024 के दौरान आरई क्षेत्र में .19.98 बिलियन का एफडीआई आकर्षित किया, जो आज भारत में एफडीआई आकर्षित करने वाले शीर्ष क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रहा है। इससे देश के वैश्विक स्तर पर बढ़ते कद और आर्थिक क्षमता का पता चलता है। इस यात्रा में एक अन्य प्रमुख उत्प्रेरक लगभग ?20,000 करोड़ के निवेश समर्थन वाला राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन है, जिसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ ईंधन के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है।

आठवां, पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर इस बदलाव की रीढ़ बना हुआ है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर और 2030 ट्रांसमिशन (पारेषण) रोडमैप में भारत का निवेश सुनिश्चित करता है कि अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं ग्रिड से कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय तरीके से जुड़ सकें। यह पहल कटौती के जोखिम को कम करती है और ग्रिड स्थिरता को बढ़ाती है।

नौवां, सरकार भारत के समुद्र तट की विशाल क्षमता का भी दोहन कर रही है। 2030 तक 37 गीगावॉट की निविदाओं की योजना के साथ अपतटीय पवन (ऑफशोर विंड) पहल को व्यवहार्यता अंतर निधि और मजबूत साइट सर्वेक्षणों द्वारा समर्थित किया जा रहा है। गुजरात और तमिलनाडु में पायलट परियोजनाएं पहले से ही भारत के अगले अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की नींव रख रही हैं।

दसवीं बात, बिजली आपूर्ति में रुकावट की चुनौती को पहचानते हुए भारत ने हाइब्रिड और चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने की नीति के साथ निर्णायक कदम उठाया है। पवन-सौर हाइब्रिड और ठोस एवं प्रेषण योग्य अक्षय ऊर्जा (एफडीआरई) को बढ़ावा देकर भारत चौबीसों घंटे स्वच्छ ऊर्जा समाधान तैयार कर रहा है। पाइपलाइन में 65 गीगावाट से अधिक क्षमता के साथ, यह ग्रिड की विश्वसनीयता और जीवाश्म-आधारित बेसलोड बिजली के विकल्प के लिए महत्वपूर्ण है।

ग्यारहवीं बात, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में हम उन घरों तक पहुंच रहे हैं, जहां पहले कभी बिजली नहीं थी। विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के लिए विशेष सौर कार्यक्रमों और पीएम जनमन मिशन और सीपीएसयू योजना चरण-द्धद्ध के तहत हजारों घरों में बिजली पहुंचाई गई है। ये सिर्फ ऊर्जा कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये सशक्तिकरण और समावेशी विकास के साधन हैं।

वैश्विक मान्यता और घरेलू संकल्प: भारत सिर्फ अपने देश में ही प्रगति नहीं कर रहा है, बल्कि हम वैश्विक स्तर पर भी नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर अलायंस) ने 100 से ज्यादा देशों को एक साथ ला खड़ा किया है। 'एक सूर्य एक दुनिया एक ग्रिड' का विजन दुनिया को दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा किस तरह से देशों को एकजुट कर सकती है। यह भारत में मुख्यालय वाला पहला अंतरराष्ट्रीय और अंतर-सरकारी संगठन भी है। दुनिया भारत को देख रही है। साथ ही दुनिया भारत से सीख रही है।

री-इन्वेस्ट 2024 में दुनिया भर के निवेशकों ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिए 2030 तक 32.45 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का संकल्प लिया। अक्षय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रमुख बैंकों के शीर्ष अधिकारियों ने वित्तीय सहायता को मजबूती देने और इस क्षेत्र में निवेश में तेजी लाने के लिए भाग लिया। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने और राज्यों के बीच प्रदर्शन और नवाचार के लिए प्रतिस्पर्धी माहौल को प्रोत्साहन देने के लिए, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्रियों के साथ नियमित बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं।

हाल ही में 24 मई 2025 को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ विस्तृत चर्चा की। सूर्यमित्र, वायुमित्र और जल ऊर्जामित्र जैसी पहलों को भविष्य के लिए तैयार हरित कार्यबल को आकार देने के उद्देश्य से प्रमुख कौशल कार्यक्रमों के रूप में पेश किया गया।

आगे की राह: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली क्षमता का लक्ष्य रखा है। अब तक, हम 228 गीगावाट के आंकड़े को छू चुके हैं। 176 गीगावाट निर्माणाधीन है। और 72 गीगावाट बोली के चरण में है। हम न केवल सही रास्ते पर हैं, बल्कि हम उम्मीद से बेहतर हैं। इससे न केवल हम अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे, बल्कि हमारी बिजली की मांग को भी समर्थन मिलेगा, जो 2032 तक दोगुनी होने की उम्मीद है।

साथ ही, हम 2047 तक 1,800 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करने के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। साथ में, ये उपलब्धियां स्वच्छ और समावेशी विकास द्वारा संचालित एक विकसित भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता की रीढ़ हैं।

नए भारत का सूरज चमक रहा है। और, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हम दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

11_page 12 29.05.2025.qxd 05-06-2025 21:44 Page 1

गंगा दशहरा पर लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

श्रद्धालुओं ने की मंदिरों में पूजा-अर्चना, भंडारा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा/मांझी/दिघवारा (सारण)। गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर गुरुवार को जिले के सोनपुर, दिघवारा, आमी, नयागांव, डोरीगंज, मांझी, पानापुर सहित विभिन्न घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा, गंडक, सोन व सरयू नदियों में आस्था की डुबकी लगाई। मांझी प्रखंड के बहोरन सिंह टोला घाट व रामघाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

गंगा दशहरा को लेकर मांझी स्थित रामघाट को प्रशासन ने खतरनाक घोषित करते हुए वहां जाने वाले मार्ग को लोहे के पीपे से सील कर दिया था। इसके बावजूद सैकड़ों श्रद्धालु बेरिकेडिंग तोड़कर घाट तक पहुंच गए और जान जोखिम में डालकर सरयु नदी में स्नान किया। हालांकि प्रशासन द्वारा लगाए गए गोताखोरों व मोटरबोट से लगातार निगरानी की जा रही थी, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

नमामि गंगे परियोजना के तहत मांझी में निर्माणाधीन अटल घाट व रेलपुल बोल्डर बांध से उत्पन्न खतरे को देखते हुए प्रशासन ने स्नान के लिए श्रद्धालुओं को बहोरन सिंह टोला घाट की ओर डायवर्ट किया था। घाट पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जिससे वहां मेले जैसा दृश्य बन गया। ठेला-खोमचा, चाउमीन, गोलगप्पा, सौंदर्य प्रसाधन, फल-फूल व प्रसाद की दुकानों से घाट गुलजार रहा।

घाट पर सीओ सौरभ अभिषेक, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी रक्षा लोहिया, एसआई नसीम अहमद की देखरेख में मांझी थाना पुलिस व गोताखोर तैनात रहे। स्नानार्थियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मांझी चट्टी पर ही दोपहिया व चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई थी।

गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने श्रीराम जानकी मंदिर, हनुमानगढ़ी मंदिर व मौनिया बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में संत रामप्रिय दास के संयोजकत्व में 24 घंटे का अखंड अष्टयाम आयोजित किया गया। गुरुवार को पूणार्हुति के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण लिया।

विधि व्यवस्था को लेकर एसडीएम ने की बैठक

नरकटियागंज। बकरीद पर्व को लेकर विधि व्यवस्था से संबंधित अधिकारियों की एक बैठक गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय में की गई। बैठक में एसडीएम सूर्य प्रकाश गुप्ता ने पर्व को लेकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। एसडीएम श्री गुप्ता ने कहा कि सात जून को बकरीद मनाई जाने की संभावना है। बकरीद को लेकर नियंत्रण कक्ष एवं प्रखंड स्तर पर क्यूआरटी यानि क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया जाएगा। जो सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने व किसी तरह के विवाद की सूचना मिलते ही टीम तुरंत पहुंचेगी और नियमानुकूल करवाई करेगी। एसडीएम ने अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों से सांप्रदायिक दृष्टिकोण से संवेदनशील स्थलों की जानकारी ली। इसके साथ ही प्रमुख मस्जिद एवं ईदगाहों के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि अपने अपने क्षेत्र में सभी अधिकारी एलर्ट मोड में रहे। कहीं से किसी तरह के विवाद या दो गुटों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न होते ही तुरंत नियंत्रण कक्ष को सूचना दें।

अपराध गोष्ठी में एसपी ने दिए कड़े निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान । पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में सीवान जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, यातायात उपाधीक्षक, अंचल पुलिस निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान पिछले माह घटित गंभीर अपराधों की समीक्षा करते हुए एसपी ने कई मामलों में प्रगति पर असंतोष जताया और उन्हें शीघ्र निष्पादन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराध नियंत्रण में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए एसपी ने सभी अधिकारियों को सतर्क रहने और चुनावी प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु समयबद्ध रणनीति तैयार करने को कहा। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और निगरानी पर विशेष बल दिया।

एसपी ने मिशन वात्सल्य पोर्टल की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और इससे जुड़े कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला और बाल अपराधों की निगरानी व समय पर निस्तारण इस पोर्टल की प्राथमिकता है। गोष्ठी में मशीन के माध्यम से वसूली गई शमन राशि को राजकोष में समय पर जमा कराने को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई तय है।

सड़क सुरक्षा और अनुशासन के तहत एसपी ने पुलिस बल के सभी कर्मियों को हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत कर ही आमजन को सुरक्षा के लिए प्रेरित किया जा सकता है। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (मुख्यालय, सदर, महाराजगंज, सदर-2), यातायात उपाधीक्षक, सभी अंचल निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक के अंत में एसपी ने सभी अधिकारियों को टीम भावना से कार्य करने और जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा का भाव मजबूत करने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में दो जख्मी, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नरकटियागंज। नरकटियागंज - गौनाहा मुख्य मार्ग में भांटहवा पिपरा गांव के समीप बुधवार की देर शाम को बेलोरो व बाइक की जोरदार टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसमे एक कि इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक की पहचान भंटहवा पिपरा गांव निवासी मुस्लिम मिया के रूप में हुई है। वही दूसरे जख्मी तरहरवा गांव निवासी जाकिर मिया की स्तिथि गंभीर बनी हुई है। स्थिति को देखते हुए उसे गोरखपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर पहुचीं पुलिस बोलेरो व बाइक को जब्त कर थाना लाई है। प्रभारी थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम तेज गति बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दी थी। जिसमे बाइक सवार एक वृद्ध समेत दो लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। जिसमे से मुस्लिम मिया की इलाज के दौरान मौत हो गयी है। उंन्होने बताया कि घटना के बाद बोलेरो चालक समेत उसमें सवार सभी लोग भाग निकले थे। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि बोलेरो के नंबर से उसके चालक व मालिक की पहचान कराई जा रही है।

पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

बेतिया । भाजपा जिला कार्यालय मेंहदियाबाडी में सांसद डॉ संजय जायसवाल प्रदेश सह प्रभारी राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश एवं प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक के साथ जिला अध्यक्ष रूपक श्रीवास्तव ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया।जिसमें जिला के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रवि सिंह उमेश पाण्डेय जिला महामंत्री मुन्ना तिवारी मनुबाबू कुशवाहा एवं रेणु गुप्ता मीडिया प्रभारी मुकेश सहाय उर्फ गाँधीबाबा जिला मंत्री बेबी झा पायल गुप्ता आशीष गुप्ता धर्मेंद्र सिंह राकेश कुमार युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक यादव निरज तिवारी धर्मेन्द्र कुमार इत्यादि बहुत कार्यकर्ता उपस्थित थे। इधर जिला विधि सेवा प्राधिकारकी ओर से भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने न्यायालय परिसर में पेड़ लगाया। जिला जज ने कहा कि कुशल जीवन जीने के लिए प्रकृति का सुरक्षित होना ज्यादा जरूरी है। हम सभी लोगों को मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित रखना चाहिए।

शादी की नीयत से नाबालिग का अपहरण

नरकटियागंज। शादी की नीयत से एक नाबालिक लड़की का अपहरण का मामला सामने आया है। मामले में नाबालिक लड़की की मां ने शिकारपुर थाने में प्रथमिकी दर्ज कराई है। जिसमे रामगढ़वा थाना के मुशहरी गांव निवासी अरविंद कुमार ,रामनाथ राम,संजीव कुमार,प्रियांशु कुमार,देवंती कुमार व सुजीत कुमार को नामजद किया है। नाबालिक की मां ने पुलिस को बताया है कि उसकी नाबालिग लड़की नरकटियागंज बाजार आई थी। देर होने पर जब उसने फोन किया तब उसने बताया कि घर लौट रही हूं। लेकिन देर शाम तक वह घर नही आयी।खोजबीन के दौरान जानकारी मिली कि आरोपियों ने शादी की नीयत से उसकी नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया है। प्रभारी थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि मामले में प्रथमिकी दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को किया गया जागरूक

नरकटियागंज। प्रखंड के शेरहवा गाव में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम नियोजन केंद्र द्वारा पर्यावरण को लेकर लोगो को जागरूक किया गया।कार्यक्रम के दौरान बाबू बहिनी मंच एवं स्वयं सहायता समूह और किशोरी समूह द्वारा जागरूकता रैली निकाल कर लोगो को जागरूक किया गया। इसके पश्चात पौधारोपण किया गया। इस दौरान परियोजना समन्वयक अरुणेंद्र कुमार सिंह, सत्येंद्र प्रसाद कुशवाहा एवं शशिकांत पाठक ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपने अपने विचार रखे।

लीपनी के अग्निपीड़ितों को मिला 12 हजार का चेक

मैनाटांड। अंचल कार्यालय में गुरुवार को अग्निपीडित परिवारों को चेक के माध्यम से राशि वितरिण की गई। सीओ आशीष आनंद ने बताया कि 18 परिवारों को चेक के माध्यम से 12-12 हजार रूपए का सहायता राशि वितरित की गई। विदित हो कि पुरैनिया पंचायत के लीपनी में विगत 9 मई को आग लगने से 18 परिवारों का घर जलकर नष्ट हो गया था। मौके पर नाजीर नरेंद्र मणी त्रिपाठी आदि मौजूद रहें।

युवक ने की आत्महत्या

बेतिया। गोपालपुर थाना क्षेत्र के उत्तर घोघा पंचायत के वार्ड 07 में फंदे से लटककर एक युवक ने आत्महत्या कर लिया है। मृतक की पहचान उत्तर घोघा पंचायत के वार्ड 07 कहवा टोला निवासी ललन साह के पुत्र संजय कुमार (23) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची गोपालपुर थाने की पुलिस ने शव को कहवा टोला स्थित आम के बगीचे से लिटा हुआ शव प्राप्त किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष धनंजय सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या प्रतीत हो रहा है। मृतक के गले पर जख्म का निशान है। सूचना पर पुलिस पहुंची थी, तब तक परिजन शव उतारकर आम के बगीचे में लिटाए हुए थे। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया गया है।

कुलपति के खिलाफ जताया विरोध

छपरा (सारण)। जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा की अंगीभूत इकाई नंदलाल सिंह महाविद्यालय जैतपुर-दाउदपुर परिसर में गुरुवार को छात्र संगठन आरएसए (राष्ट्रीय छात्र अधिकार) के कार्यकताओं ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन करते हुए भैंस के आगे बीन बजाकर विश्वविद्यालय प्रशासन, खासकर कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के खिलाफ जमकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं का आरोप था कि कुलपति की कार्यशैली भैंस जैसी हो गई है, जिनके सामने बीन बजाने से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। प्रदर्शन के दौरान संगठन के नेताओं ने कहा कि कुलपति द्वारा छात्रों से जुड़े किसी भी कार्य को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि कुलपति के कार्यकाल का शैक्षणिक व वित्तीय ऑडिट अविलंब कराया जाए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निकाली गई मतदाता जागरूकता पदयात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला स्वीप कोषांग, प चम्पारण में मतदाता जागरूकता पदयात्रा अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त सुमित कुमार द्वारा मतदाता शपथ दिलाकर किया गया, जिसमें सभी उपस्थित नागरिकों, छात्र-छात्राओं, एनसीसी एवं स्काउट सदस्यों ने आगामी चुनावों में अपने मताधिकार के प्रयोग का संकल्प लिया।इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण एवं मतदाता सहभागिता को लेकर नुक्कड़ नाटक की सजीव प्रस्तुति दी गई, जिसमें कलाकारों ने जल, वायु प्रदूषण, प्लास्टिक के इस्तेमाल, कूड़ा कचरा से होने वाले प्रदूषण, पेड़, जंगल आदि के कटाव से होने वाले हानि को प्रस्तुत किया। साथ ही प्रदूषण की रोकथाम के लिए जानकारी दिया और प्लास्टिक के इस्तेमाल की जगह कपड़े, जुट आदि के थैले के इस्तेमाल का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के का संदेश दिया और आम लोगों को जागरूक किया कि वे न केवल वोट दें, बल्कि एक पौधा लगाकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाएं।कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें नागरिकों ने यह संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक का उपयोग न्यूनतम करेंगे और जूट या कपड़े के थैले का नियमित प्रयोग करेंगे। इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, अपर समाहर्ता (राजस्व) राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) कुमार रविंद्र, नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी, विकास अहलावत, वन प्रमंडल पदाधिकारी -सह- उप निदेशक वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष, पीयूष बरनवाल, वन प्रमंडल पदाधिकारी 2, आतीश कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी, बेतिया वन विभाग, उप निर्वाचन पदाधिकारी लालबाबू राय, नोडल जिला स्वीप कोषांग - सह- जिला जनसंपर्क अधिकारी रोचना माद्री, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शिक्षा विभाग, अलका सहाय, डीपीओ आईसीडीएस कविता रानी समेत जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिकों को जूट के थैले वितरित किए।इस जागरूकता पदयात्रा में जिला स्वीप कोषांग की सदस्या मेरी आडलीन, विपिन कुमार, संजय कुशवाहा, संजय कुमार, रामइकबाल, राजीव जुमार, समाजसेवी आदित्य कुमार मधुकर, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट गाइड्स, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया और पूरे जोश व उत्साह के साथ कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

नरकटियागंज। नगर प्रशासन द्वारा शहर में सिंघल यूज प्लास्टिक बेचने वाले खुदरा एवं थोक विक्रेताओं की दुकान में छापेमारी की गई। नप की इस करवाई में तीन क्विंटल 87 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। छापेमारी दल का नेतृत्व कर रहे नगर स्वच्छता पदाधिकारी रवि कुमार सिंह ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 2025 प्लास्टिक आउट, फैब्रिक इन कार्यक्रम के तहत विभागीय निर्देश पर यह छापेमारी की गई है। छापेमारी के दौरान कतिपय प्लास्टिक दुकानदारों से 17 हजार 500 रुपए जुर्माना भी वसूला गया है। वही टाऊन प्लानर मो. वसीम ने बताया कि दुकानदारों को सिंघल यूज प्लास्टिक नहीं बेचने की सख्त हिदायत दी गई है। इसके बाद प्लास्टिक बेचते हुए पकड़े जाने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। वही नगर प्रशासन के इस करवाई से दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। कई विक्रेता अपनी अपनी दुकान का शटर गिराकर भागते नजर आए।

जीविका ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। परसा प्रखंड अंतर्गत पचलख पंचायत के समसपुरा गांव में गुरुवार को बिहार ग्रामीण बैंक का जीविका ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह केंद्र संस्कार जीविका महिला ग्राम संगठन के माध्यम से संचालित होगा, जिसे बैंक सखी सविता कुमारी द्वारा चलाया जाएगा।

उद्घाटन समारोह का शुभारंभ प्रखंड परियोजना प्रबंधक ब्रजेश कुमार साह, बिहार ग्रामीण बैंक शाखा भेल्दी के प्रबंधक मो. मुख्तार आलम व मुखिया पति सुरेश्वर सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।ग्राहक सेवा केंद्र खुलने से समसपुरा व आसपास के ग्रामीणों को अब पैसे की जमा-निकासी, बैलेंस जांच, आधार आधारित सेवाएं व सरकारी लाभ का हस्तांतरण जैसी बैंकिंग सुविधाएं उनके गांव में ही उपलब्ध होंगी। इस पहल से जहां आम नागरिकों को सहूलियत होगी, वहीं महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर भी मिलेगा।

बैंक सखी सविता कुमारी ने बताया कि बिहार ग्रामीण बैंक का यह केंद्र जीविका दीदियों के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। अब उन्हें बैंकिंग के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस केंद्र से ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा।

प्रखंड परियोजना प्रबंधक ब्रजेश कुमार साह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अब बैंकिंग सेवाओं की वाहक बन रही हैं। यह केवल वित्तीय समावेशन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह केंद्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देगा और डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को साकार करने में सहायक होगा।

इस मौके पर क्षेत्रीय समन्वयक प्रिया कुमारी, बुककीपर वीणा देवी, ग्राम संगठन कोषाध्यक्ष रंजू देवी, संकुल संघ सचिव लीलावती देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला सदस्य एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

डीएम व एसएसपी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

छपरा (सारण)। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अमन समीर व पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने गुरुवार को सदर प्रखंड स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक माह वेयरहाउस की बाहरी जांच और प्रत्येक तीन माह पर सील खोलकर आंतरिक जांच अनिवार्य है। जांच की रिपोर्ट व तस्वीरें तत्काल पोर्टल पर अपलोड की जाती हैं। फिलहाल वेयरहाउस में विधानसभा चुनाव को लेकर एफएलसी ओके ईवीएम सुरक्षित रखे गए हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

डीएम श्री समीर ने मौके पर मौजूद उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल को बिजली, पानी, भवन की मरम्मत एवं सफाई की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने मशीनों के रख-रखाव, सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की प्रभावी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने को कहा। सीसीटीवी रिकॉर्डिंग का नियत समय तक बैकअप सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया गया।

एसएसपी डॉ कुमार आशीष ने वेयरहाउस में तैनात स्टैटिक फोर्स को 24 घंटे संतरी ड्यूटी सुनिश्चित करने, किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश नहीं देने, लॉगबुक संधारित करने एवं अग्निशमन यंत्रों को अपडेट रखने का सख्त निर्देश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ईवीएम वेयरहाउस परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डीएम अमन समीर ने अपने नाम का पौधा लगाते हुए लोगों से हर खास मौके पर पौधारोपण करने की अपील की। उन्होंने परिसर को खर पतवार मुक्त एवं हराभरा बनाने का निर्देश भी दिया। एसपी डॉ आशीष, डिप्टी ईओ जावेद इकबाल सहित अन्य अधिकारियों ने भी पौधे लगाए।

प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें थीम पर पर्यावरण दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले भर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाई गई। इस वर्ष की थीम ₹प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें के तहत स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में विभिन्न संस्थानों में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण हमारे जल स्रोतों, समुद्री जीवन और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

प्रत्येक वर्ष 11 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जल निकायों में जाता है। उन्होंने आमजन से प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने की अपील की।

प्रीति कुमारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी , सहूली, ने बताया कि प्रकृति की सुरक्षा के बिना सुखी और स्वस्थ जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि विकास की दौड़ में पर्यावरण को हो रहा नुकसान जनजीवन को प्रभावित कर रहा है और विभिन्न बीमारियों के साथ प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन रहा है।

अमरजीत हरिजन, सीएचओ, गायघाट, ने नीम का पौधा लगाते हुए कहा कि प्लास्टिक का उपयोग तभी करें जब बहुत आवश्यक हो और उपयोग के बाद पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने चेताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण एलर्जी, खांसी, बुखार और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

इस अवसर पर रोगी हितधारक मंच के सदस्यों ने एक सामूहिक अपील करते हुए कहा कि बेकार पड़ी प्लास्टिक बोतलों का उपयोग पौधे लगाने के लिए करें।

कार्यक्रम में बीसी सोनू कुमार, एएनएम आशा कुमारी, आशा कार्यकर्ता नीतू देवी, रजनी कुमारी, पूजा देवी, उषा देवी, अशोक सिंह, चंदन सोनी, बेचू खरवार और जाकिर हुसैन सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सारण की महिला कृषि उद्यमियों ने रचा इतिहास

अब देंगी किसानों को सस्ते दर पर बीज व खाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। महिला सशक्तिकरण व ग्रामीण कृषि विकास की दिशा में सारण जिले में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। जिले के विभिन्न प्रखंडों की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 21 महिला सदस्य अब प्रशिक्षित कृषि उद्यमी बन चुकी हैं और किसानों को उचित मूल्य पर बीज और उर्वरक उपलब्ध कराएंगी।

कृषि विभाग व जीविका के संयुक्त प्रयास से इन महिलाओं को प्रशिक्षण देने के बाद लाइसेंस प्रदान किए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक महिला को बीज और खाद बेचने की अधिकृत अनुमति दी गई है। साथ ही, उन्हें पीओएस मशीनें भी प्रदान की गई हैं। ताकि किसान डिजिटल माध्यम से भी खरीदारी कर सकें।

इन महिला उद्यमियों ने अपने-अपने पंचायतों में कृषि इनपुट दुकानों की शुरूआत की है। इससे किसानों को अब गांव में ही गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और अन्य आवश्यक कृषि सामग्री उचित दर पर उपलब्ध हो सकेगी। पहले इन्हें इसके लिए बाजार या दूर के शहरों का रुख करना पड़ता था। जो महिलाएं कभी सिर्फ. जीविका समूह की सामान्य सदस्य थीं, आज वे सशक्त कृषि व्यवसायी बन गई हैं। इस परिवर्तन ने न केवल उनके जीवन को बदला है, बल्कि उनके पूरे समुदाय को प्रेरणा दी है। इस पहल के जरिए महिला किसानों की भागीदारी बढ़ी है और वे अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की ओर अग्रसर हैं। यह प्रयास न सिर्फ. महिला उद्यमिता को बढ़ावा देता है, बल्कि सामाजिक बदलाव और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब महिलाएं केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता, विक्रेता और समाज परिवर्तन की वाहक बन चुकी हैं।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

लौरिया । बृहस्पतिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीसीओ जगदीश कुमार, मठिया पैक्स के पैक्स अध्यक्ष संदीप कुमार उर्फ पप्पू , समाजसेवी राकेश कुमार रंजन उर्फ रामु ठाकुर ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। इधर बीसीओ जगदीश कुमार ने बताया कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। इस दिन प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गॉवो में प्रखंड के सभी पदाधिकारी किसी ना किसी गांव में वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षित व सुरक्षित रखने का संदेश दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मठिया पंचायत के वार्ड छह में आम के तमाम प्रजातियों का पेड़ लगाया गया। ताकि समयानुसार आम के पेड़ बड़ा होने पर फल के साथ साथ गर्मी में लोगो को छाया भी दे सके। वही मठिया के पैक्स अध्यक्ष संदीप कुमार उर्फ पप्पू ने बताया कि हमारे आस पास पेड़ पौधे रहने से स्वच्छ हवा मिलता है तथा पर्यावरण भी संतुलित रहता है। ऐसे परिस्थिति में परिवार के प्रत्येक सदस्य को कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।

राज्यपाल ने डॉ. हरेंद्र सिंह को किया सम्मानित

शिक्षा व कौशल विकास में योगदान के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। शिक्षा व समाज में कौशल विकास को समर्पित कार्यों के लिए सीपीएस ग्रुप छपरा के चेयरमैन डॉ. हरेंद्र सिंह को बिहार के राज्यपाल डॉ. आरिफ मोहम्मद खान ने सम्मानित किया है। यह सम्मान पासवा के राष्ट्रीय कार्यालय, जमील कंपाउंड, पटना में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में प्रदान किया गया।

समारोह में राज्यपाल ने डॉ. हरेंद्र सिंह की सराहना करते हुए कहा कि वे केवल एक शिक्षाविद नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन के वाहक हैं। उन्होंने शिक्षा को औपचारिक सीमाओं से बाहर निकालकर जनकल्याण का सशक्त माध्यम बनाया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत देशभर के निजी व सरकारी स्कूलों के नर्सरी शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व चिकित्सा ही समाज की असली रीढ़ हैं। इन क्षेत्रों में सुधार से ही देश का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

डॉ. हरेंद्र सिंह ने स्किल इंडिया मंत्रालय के सहयोग से प्री-स्कूल शिक्षकों और केयर गिवर्स के प्रशिक्षण को गति दी है। वे हर साल 100 बालिकाओं व समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करते हैं, ताकि वे मुख्यधारा से जुड़ सकें।

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. स्माइल अहमद ने डॉ. सिंह को एक संवेदनशील समाजसेवी व प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर डॉ. अब्दुल अहमद हयी सहित कई शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता व गणमान्य लोग उपस्थित थे। जिन्होंने डॉ. सिंह के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि शिक्षा की नींव मजबूत करने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की

भूमिका अहम है। मैं इस दिशा में लगातार काम करता रहूंगा। उन्होंने जिले के शिक्षकों, शुभचिंतकों और सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया।

यह सम्मान समारोह न केवल एक व्यक्ति की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि शिक्षा व कौशल विकास के क्षेत्र में सारण की भूमिका को राष्ट्रीय मंच पर गौरवपूर्ण ढंग से स्थापित करने का भी प्रमाण बन गया।

चयनित छात्रों का सम्मान समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। एकमा प्रखंड के परसागढ़ स्थित कलम से क्रांति संस्थान में बिहार पुलिस में चयनित छात्रों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत व समर्पण के बल पर सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक संतोष सिंह ने बताया कि संस्थान की स्थापना से ही इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना रहा है।

उन्होंने बताया कि संस्थान के छात्र अजय कुमार पूर्व में पूरे बिहार में दरोगा परीक्षा में द्वितीय रैंक प्राप्त कर चुके हैं। तब से लेकर अब तक संस्थान के छात्रों की सफलता का सिलसिला लगातार जारी है।

CMYK

चीन के एक फैसले से भारत समेत दुनियाभर में हाहाकार, कारोबार प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री संभावित सप्लाई चेन संकट का सामना कर रहा है। यह संकट एक जरूरी कंपोनेंट की कमी के चलते आया है। इसका नाम - रेयर अर्थ मैग्नेट है। दरअसल, रेयर अर्थ मैग्नेट इलेक्ट्रिक वाहन मोटरों में एक महत्वपूर्ण कंपोटेंट होते हैं। इसका इस्तेमाल गाड़ियों के कई जरूरी हिस्सों में लगते हैं, जैसे- इलेक्ट्रिक मोटर,पॉवर विंडो,स्पीकर और कई ऑटो पार्ट्स। इसके अलावा स्मार्टफोन और ईवी जैसी रोजमर्रा की तकनीकों में इसका इस्तेमाल होता है। भारत रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए चीन पर निर्भर है, अधिकतर मैग्नेट चीन से ही खरीदकर लाता है। लेकिन चीन ने रेयर मेटल्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे भारत की इलेक्ट्रिक वाहन महत्वाकांक्षा में बाधा आ गई है। बता दें कि चीन का यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब भारत सरकार इन वाहनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और ई-मोबिलिटी को प्रोत्साहित करने के लिए बजट 2025 में प्रोत्साहन और आवंटन प्रदान करके देश में ईवी क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है। दरअसल, इन कंपोनेंट का प्रोडक्शन काफी मुश्किल और महंगा है। साथ ही इससे पर्यावरण पर भी काफी लागत आती है।

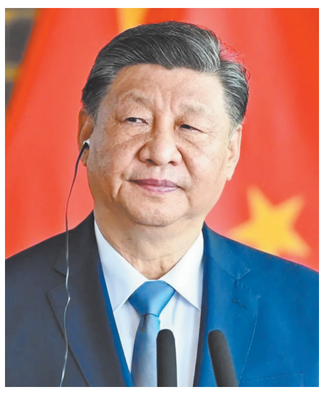

चीन ने क्यों लगाए प्रतिबंध- इस निर्णय को चीनी प्रौद्योगिकी खासकर सेमीकंडक्टर उद्योग पर अमेरिकी प्रतिबंधों की प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, चीन का यह कदम महत्वपूर्ण माइनिंग इंडस्ट्रीज में देश के प्रभुत्व को भी रेखांकित करता है और इसे अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ चल रहे ट्रेड वॉर में चीन द्वारा लाभ उठाने के रूप में देखा जा रहा है। चीन द्वारा रेयर अर्थ और संबंधित चुम्बकों की एक डिटेल चेन के निर्यात को निलंबित करने के निर्णय से दुनिया भर में वाहन निर्माताओं, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों और मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर की सप्लाई चेन बाधित हो गई है।

भारत पर कितना असर- भारत रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए आयात पर निर्भर है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में देश ने 306 करोड़ रुपये मूल्य के 870 टन चुम्बकों का आयात किया। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर रेयर अर्थ मैग्नेट में चीन की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है और प्रोडक्शन में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिससे निर्यात पर रोन ईवी उद्योग के लिए चिंता का विषय बन गया है। वाहन निर्माताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ सकता है, जिससे लागत में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इधर, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने सरकार के समक्ष चिंता जताई है और आगाह किया है कि मैग्नेट का कम स्टॉक उत्पादन में देरी का कारण बन सकता है। इसके जवाब में, भारत सरकार कथित तौर पर समाधान के लिए दबाव बनाने हेतु ऑटो उद्योग के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बीजिंग भेजने पर विचार कर रही है। एसआइएएम ने हाल ही में एक दस्तावेज में कहा, इसकी कमी के चलते जून की शुरुआत से ऑटो उद्योग का उत्पादन पूरी तरह से ठप हो जाने की उम्मीद है। यह दस्तावेज 19 मई को मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स के अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित एक बैठक में प्रस्तुत किया गया था। जबकि चीन ने वोक्सवैगन सहित कुछ चुंबक उत्पादकों से निर्यात को मंजूरी दे दी है। तीन ऑटो उद्योग के अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि उन्हें डर है कि चीन और नई दिल्ली के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण भारत को तुरंत मंजूरी मिलने की संभावना कम हो सकती है।

काफी पेचीदा हो गया है प्रोसेस

चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के एक्सपोर्ट पर लगाई गई पाबंदियों के बाद अब कंपनियों को शिपमेंट के लिए चीन सरकार से इजाजत लेनी होगी। भारतीय कंपनियों को चीन से मैग्नेट मंगाने के लिए एंड-यूज सर्टिफिकेट देना होगा। इसमें यह बताना पड़ेगा कि यह चुम्बक सैन्य उद्देश्यों के लिए नहीं हैं। इसके बाद इन डॉक्युमेंट को नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा वेरिफिकेशन कराना पड़ेगा और कंपनियों के चीनी आपूर्तिकर्ताओं को भेजना पड़ेगा। इसके बाद चीन लाइसेंस जारी करता है। एसआइएएम दस्तावेज में कहा गया है कि भारत को आयातकों के आवेदनों को कुछ ही घंटों में अप्रूवल करना चाहिए और चीनी दूतावास और वाणिज्य मंत्रालय को उन्हें तत्काल आधार पर अनुमोदित करने के लिए दबाव डालना चाहिए।

क्या कहते हैं आंकड़े

सीमा शुल्क डेटा से पता चलता है कि प्रतिबंधों के बाद अप्रैल में चीन के स्थायी चुंबकों का निर्यात पिछले साल की तुलना में 51 प्रतिशत गिरकर 2,626 टन रह गया। उद्योग के अनुमान के अनुसार, भारत के ऑटो सेक्टर ने 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में 460 टन रेयर अर्थ चुंबक आयात किए, जिनमें से अधिकांश चीन से थे।

चीन सहित सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़ी नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवालों से सामने आई है।

प्रेस नोट 3 की नीतियां अब भी लागू- साल 2020 में सरकार ने एफडीआई से संबंधित प्रेस नोट जारी किया था। इसके तहत सीमावर्ती देशों के निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए सरकार से स्वीकृति लेना अनिवार्य है। यह भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है। ये देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। इन देशों को एफडीआई प्रस्तावों के अनुसार जांच और परीक्षण की समान प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

एक सूत्र ने बताया कि प्रेस नोट 3 के जारी होने के बाद से एफडीआई नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि चीन के साथ एफडीआई प्रस्ताव में बदलाव किया गया है। वर्तमान में, प्रेस नोट 3 के तहत आवेदनों पर विचार करने के लिए गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति है।

भारत आ जाइए सर, मिलकर सेलिब्रेट करेंगे... देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने भगोड़े विजय माल्या से कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को 18 साल में पहली बार ट्रॉफी नसीब हुई है। इस जीत पर टीम के पूर्व मालिक और भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने पोस्ट किया। लेकिन अपनी इस पोस्ट के कारण वह सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने उन्हें भारत आने को कहा है ताकि मिलकर इस जीत को सेलिब्रेट किया जा सके।

माल्या पर कई बैंकों से लिए गए करीब 9,900 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने का आरोप है। इनमें सबसे बड़ा कर्ज एसबीआई का है। माल्या मार्च 2016 में विदेश भाग गए था और फिलहाल ब्रिटेन में रह रहे हैं। आईपीएल के 18वें सीजन में आरसीबी की जीत पर माल्या ने एक्स पर ट्वीट किया, 'आरसीबी आखिरकार 18 साल बाद आईपीएल की चैंपियन बन ही गई। 2025 में पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। संतुलित दिख रही टीम ने मजबूत कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के साथ दमदार प्रदर्शन किया। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ई साला कप नाम्डे।' उनके इस पोस्ट को 51 लाख यूजर्स ने देखा है और 5.6 हजार ने इस पर रिएक्ट किया है। इसमें एसबीआई का रिएक्शन सबसे खास है। जानेमाने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने माल्या के ट्वीट और उस पर एसबीआई के रिएक्शन को पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, इसलिए मुझे एक्स बहुत पसंद है। माल्या के ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए एसबीआई ने कहा, 'सर भारत आ जाइये, साथ मिलकर सेलिब्रेट करेंगे।' किंगफिशर एयरलाइन और यूनाइडेट ब्रुअरीज जैसी कंपनियों के मालिक रहे माल्या को भारत लाने के लिए सरकार लंबे समय से कोशिश कर रही है। माल्या की कंपनियों ने एसबीआई की अगुवाई वाले बैंकों के कंसोर्टियम से 9,900 करोड़ रुपये का लोन लिया था और पेमेंट में डिफॉल्ट किया।

यूपीआई ने वीजा और मास्टर कार्ड को पीछे छोड़ते हुए बनाया नया कीर्तिमान

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में यूपीआई ने वीजा और मास्टर कार्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान बनाया है। मई महीने में यूपीआई से 25.14 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ, जो देश में सभी कार्ड को मिलाकर हुए लेनदेन से करीब 12 गुना अधिक है। मई 2025 में यूपीआई से रिकॉर्ड 18.68 अरब ट्रांजेक्शन हुए, जिनके जरिए 25.14 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। अप्रैल में यह आंकड़ा 23.94 लाख करोड़ रुपये था। रकम के लेनदेन में मासिक आधार पर पांच प्रतिशत और सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की बढ़त देखी गई।

क्रडिट और डिबेट कार्ड पिछड़े- वहीं, वीजा और मास्टर जैसे अंतरराष्ट्रीय कार्ड नेटवर्क के माध्यम से क्रेडिट कार्ड के जरिए मार्च 2025 में 2.01 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ, जो फरवरी 2025 के 1.67 लाख करोड़ से अधिक था। अप्रैल में इस आंकड़े में गिरावट आई और यह 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। हालांकि, मई के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हो पाए हैं। उधर, डेबिट कार्ड के माध्यम से मार्च 2025 में 0.39 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ, जो फरवरी 2025 के 0.34 लाख करोड़ से अधिक था।

सबसे बड़ा पेमेंट प्लेटफार्म बनने की ओर यूपीआई- वर्तमान में दैनिक लेनदेन संख्या के मामले में वीजा आगे है, लेकिन यूपीआई यहां भी जल्द आगे निकल सकता है। मई की शुरुआत में यूपीआई ने रोजाना लगभग 63 करोड़ लेनदेन दर्ज किए थे, जो जून में बढ़कर 65 करोड़ तक पहुंच गए हैं। इसकी तुलना में वीजा ने मार्च तिमाही में रोजाना औसतन 67.4 करोड़ लेनदेन दर्ज किए थे।

सबसे तेज वृद्धि- यूपीआई ने सिर्फ रकम लेनदेन के मामले में ही वीजा कार्ड को पीछे नहीं छोड़ा है, बल्कि इसकी वृद्ध भी इससे चार गुना ज्यादा रही है।

अडानी ने इस साल इतना दिया टैक्स कि पूरी मुंबई में बन जाए मेट्रो नेटवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप पिछले साल (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) के मुकाबले इस साल (अप्रैल 2024 से मार्च 2025) में कुल टैक्स पेमेंट में 29 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस साल ग्रुप ने अपनी कंपनियों के जरिए कुल 74,945 करोड़ रुपये का टैक्स सरकारी खजाने में जमा कराया है, जबकि पिछले साल यह रकम 58,104 करोड़ रुपये थी। यह जानकारी अडानी ग्रुप ने गुरुवार को दी। इस टैक्स में कंपनी के खुद के दिए गए टैक्स (डायरेक्ट टैक्स), ग्राहकों या दूसरों से वसूले गए टैक्स (इनडायरेक्ट टैक्स), और कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा में दिया गया योगदान भी शामिल है।

पूरे मुंबई में मेट्रो नेटवर्क की लागत के बराबर टैक्स- इस पैसे का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि 74,945 करोड़ रुपये लगभग पूरे मुंबई मेट्रो नेटवर्क को बनाने में लगने वाली लागत के बराबर है। यह रकम आधुनिक ओलंपिक खेलों के आयोजन में लगने वाले खर्च के लगभग बराबर भी है।

इस कुल रकम में से 28,720 करोड़ रुपये डायरेक्ट टैक्स, 45,407 करोड़ रुपये इनडायरेक्ट टैक्स, और 818 करोड़ रुपये दूसरे योगदान (जैसे कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा) के हैं।

सबसे ज्यादा टैक्स किसने दिया- अडानी ग्रुप की जिन मुख्य सूचीबद्ध कंपनियों (लिस्टेड कंपनियों) ने सबसे ज्यादा टैक्स दिया है, उनमें अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी सीमेंट लिमिटेड , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन , और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड शामिल हैं।

ग्रुप ने अपनी सात लिस्टेड कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है। इनमें एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज जैसी तीन और कंपनियों के टैक्स भी शामिल हैं, जिन पर ग्रुप की ये सात कंपनियां नियंत्रण रखती हैं।

कंपनियों की वेबसाइट पर जारी हुई डिटेल

अडानी ग्रुप ने टैक्स भुगतान की पूरी जानकारी देने के लिए एक दस्तावेज (बेसिस ऑफ प्रिपरेशन एंड अप्रोच टू टैक्स) भी अपनी कंपनियों की वेबसाइट पर जारी किया है। इसमें बताया गया है कि दुनियाभर में उसकी कंपनियों ने कितना टैक्स दिया, दूसरों से वसूला हुआ टैक्स कितना सरकार को जमा कराया, और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा में कितना योगदान दिया।

अडानी ग्रुप ने कहा कि वह टैक्स में पारदर्शिता को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा मानता है। इस जानकारी को खुद से सार्वजनिक करके ग्रुप अपनी पारदर्शिता और भरोसेमंदी दिखाना चाहता है। ग्रुप का कहना है कि वह भारत के बुनियादी ढांचे को बदलने के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देना और अपने सभी हितधारकों के लिए लॉन्ग टर्म वैल्यू पैदा करना चाहता है।

राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू की जाए, टैक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का टेक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग पिछले कुछ सालों से कई परेशानियों से दो चार हो रहा है, जिसको लेकर हाल ही में कैट की टेक्सटाइल व गार्मेंट समिती ने केंद्र सरकार से देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की मांग की है। कारोबारियों ने अपनी परेशानियों को लेकर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री गिरिजराज सिंह को पत्र लिखा है। इसमें कपड़ा उद्योग में बढ़ते संगठित धोखाधड़ी, फर्जी जीएसटी पहचान, साइबर अपराधा और भुगतान को लेकर बढ़ते घोटालों पर चिंता व्यक्त की गई है।

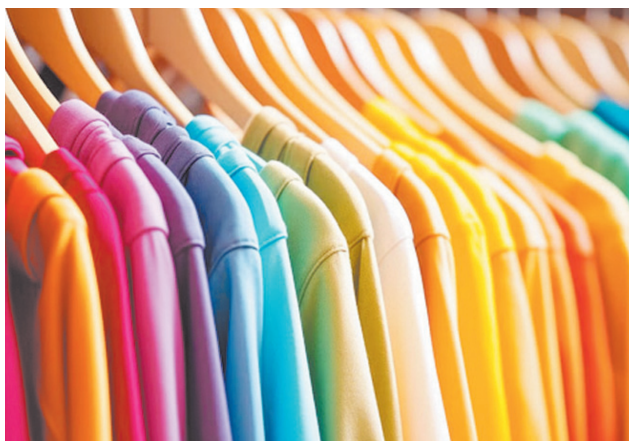

छोटे और मंझोले कारोबारियों के हित में बने नीति- कैट के टैक्सटाइल एवं गार्मेंट समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चम्पालाल बोथरा ने बताया कि भारत सरकार से हमने देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए विशेषकर छोटे और मंझोले कपड़ा कारोबार को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय कपड़ा व्यापार सुरक्षा नीति की मांग की है। हमने केंद्र सरकार से हर राज्य में टेक्सटाइल फ्रॉड प्रोटेक्शन सेल को बनाने, राष्ट्रीय टैक्सटाइल व्यापारी डेटाबेस का निर्माण करने, जिसमें व्यापारियों की जीएसटी से जुड़ी समस्या सुनी जाए और जीएसटी पोर्टल की निगरानी जिसमें गलत जीएसटी नंबर की पहचान की हो और उसे कैंसल भी किया जा सकें। साथ ही नकली भुगतान स्क्रीनशॉट और साइबर फ्रॉड से बचने के लिए साइबर सुरक्षा प्रणाली को व्यापार के संगठनों से जोड़ने का अनुरोध किया गया है। उनका कहना है कि व्यापारियों की पहचान के लिए सत्यापन प्रणाली लागू की जाने की आवश्यकता है, इससे कारोबार में होने वाले फ्रॉड लेनदेन पर रोक लगेगी। सरकार को व्यापार धोखाधड़ी बीमा मॉडल (ट्रेड फ्रॉड इंश्योरेंस) पर ध्यान देने की जरुरत है।

कारोबार और रोजगार की सुरक्षा के लिए सरकार लागू करे नीति

भिवंडी पावरलूम के संघ अध्यक्ष सेजपाल बताते हैं कि सरकार को टैक्सटाइल और गार्मेंट उद्योग के लिए सुरक्षा नीति बनाने की जरूरत है, क्योंकि इससे लाखों लोगों का कारोबार और रोजगार जुड़ा हुआ है। भिवंडी पावरलूम की बात करें तो वर्तमान में लाखों इकाइयां बंद हो चुकी हैं और जो बची हुई हैं वो बंद होने की कगार पर हैं। दूसरा गार्मेंट कारोबारी अपने कारोबार को चलाने के लिए कई तरह की चुनौतियां का सामना कर रहे हैं, जिसमें पेमेंट को लेकर कई तरह की परेशानियां उनके सामने हैं। इसलिए सरकार को विशेषकर छोटे कपड़ा व्यापारियों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की जरुरत है।

कपड़ा उत्पादक मंडियों में बड़े पैमानियों पर कारोबारियों से ठगी चिंता की बात

बोथरा कहते हैं सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद, दिल्ली और तिरुपुर, इंदौर, भिवंडी, मालेगांव, जबलपुर जैसे कपड़ा उत्पादक मंडियों में करोड़ रुपये की धोखाधड़ी होती है। अकेले सूरत जैसे मार्केट में हाल के महीनों में सौ करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामाने आया है। मुंबई के कपड़ा व्यापार संगठन भारत मर्चेंट चैंबर के धर्मेश भट्ट का कहना है, कि पिछले कई सालों से टैक्सटाइल एवं गार्मेंट कारोबार परेशानियों से गुजर रहा है। जिसमें छोटे और मध्यम आकार के कारोबारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसकी बड़ी वजह कारोबार में बढ़ती धोखाधड़ी है। वे बताते हैं कि मुंबई से लेकर सूरत तक के कपड़ा बाजार में नकली कारोबारी बनकर, जिसमें उनके पास जीएसटी नंबर भी होता है, वे व्यापारी थोड़े पैसे देकर लाखों का माल ले जाते हैं। जिसकी वजह से लाखों रुपये का नुकसान कारोबारी के साथ उद्योग को हो रहा है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच होगी एफडीसी की बैठक, देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करेंगी वित्त मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। यह समीक्षा 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक में होगी। सूत्रों के अनुसार यह उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक होगी, जो मुंबई में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक शामिल होंगे।

6.5 प्रतिशत विकास दर और आरबीआई की लाभांश घोषणा के बाद होगी पहली बैठक- वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत दर्ज होने के बाद यह पहली बैठक होगी। यह दर पिछले चार सालों में सबसे धीमी है। साथ ही, इस बैठक का आयोजन केंद्रीय बैंक की लाभांश भुगतान के बाद किया जा रहा है। पिछले महीने केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.7 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा की। यह भुगतान वित्त वर्ष 2023-24 के 2.1 लाख करोड़ रुपये के लाभांश से 27.4 प्रतिशत अधिक था।

डिजिटल धोखाधड़ी के रोकथाम पर भी होगी चर्चा - एफएसडीसी की बैठक में वित्त मंत्री डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के तरीकों पर भी चर्चा कर सकती हैं। डिजिटल धोखाधड़ी वित्तीय प्रणाली के लिए एक चुनौती है। इसके अलावा, परिषद वित्तीय क्षेत्रों के विकास के उपायों, वित्तीय स्थिरता, समावेशी आर्थिक वृद्धि और एफएसडीसी उप-समिति की कार्रवाई की भी समीक्षा करेगी।

वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में हुई मजबूत वृद्धि

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही में अपेक्षा से अधिक तेज गति से बढ़ी। इससे 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने में मदद मिली और इसका आकार 3.9 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसने वित्त वर्ष 2026 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ने की उम्मीद बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसे निजी खपत में वृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती से सहारा मिला।

एनर्जी सेक्टर की कंपनी में बिकेंगे 4 लाख से ज्यादा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। क्लीन एनर्जी कंपनी- वारी एनर्जी लिमिटेड की प्रमोटर इंडोसोलर लिमिटेड ने बड़ी हिस्सेदारी बेचने का ऐलान किया है। इंडोसोलर लिमिटेड 5 और 6 जून 2025 को ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से 4,76,495 इक्विटी शेयर बेचेगी। यह इंडोसोलर की कुल चुकता इक्विटी पूंजी का 1.15 प्रतिशत है। इस कदम का मकसद न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करना है।

क्या है डिटेल- इंडोसोलर लिमिटेड ने फ्लोर प्राइस 10 प्रति शेयर निर्धारित किया है। खुदरा निवेशकों को कोई छूट नहीं दी जाएगी। गैर-खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस 5 जून (ट्रेडिंग डे) को खुलेगा। इसमें अगले दिन अनअलॉटेड बोलियों को आगे बढ़ाने का विकल्प होगा। खुदरा निवेशक, पात्र कैरी-फॉरवर्ड बोलीदाताओं के साथ, 6 जून (ट्रेडिंग+1 डे) को बोलियां लगा सकते हैं या संशोधित कर सकते हैं। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड को विक्रेता के ब्रोकर के रूप में नियुक्त किया गया है।

कैसे रहे मार्च तिमाही के नतीजे

पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की मार्च तिमाही में वारी एनर्जी का आमदनी बढ़ कर दोगुना हो गया। यह आमदनी 648.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने कहा कि तिमाही के लिए आमदनी 37.69 प्रतिशत बढ़कर 4,140.92 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का नेट प्रॉफिट 107.08 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 1,932.15 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की आमदनी 27.62 प्रतिशत बढ़कर 14,846.06 करोड़ रुपये रही है।

कंपनी का ऑर्डर बुक

मार्च, 2025 तक वारी के पास 25 गीगावाट से अधिक का ऑर्डर बुक है, जिसका मूल्य 47,000 करोड़ रुपये है। इसमें मांग मार्की यूटिलिटी-स्केल डेवलपर्स और वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) खंड से आ रही है। कंपनी का कुल उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 में 7.13 गीगावाट रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 4.77 गीगावाट था। कंपनी के निदेशक मंडल ने मार्च, 2025 में अमेरिका के टेक्सास के ब्रुकशायर में फैसलिटीज में अतिरिक्त 1.6 गीगावाट मॉड्यूल विनिर्माण लाइन की स्थापना को मंजूरी दी।

कुश जोतवानी अनुराग बसु की मेट्रो... इन दिनों में निभाएंगे अहम भूमिका

हाल ही में अपनी वेब सीरीज नॉक नॉक... कौन है? से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता कुश जोतवानी अब जाने-माने निर्देशक अनुराग बसु की बहुप्रतीक्षित फिल्म मेट्रो... इन दिनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को रिलीज होने वाली है, जो मेट्रो शहरों में समकालीन रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाएगी। कुश जोतवानी ने बताया कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली। जब मैं मुंबई में दिल दोस्ती डिलेमा की शूटिंग कर रहा था, तो मुझे अनुराग बसु के प्रोडक्शन हाउस से जूम कॉल के लिए सूचना मिली। मीटिंग में बसु सर ने मुझे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए कहा। जोतवानी ने इस बातचीत को बसु के सीधे और कुशल दृष्टिकोण का प्रमाण बताया। सर ने मुझे कहानी का प्लॉट समझाया और ऑडिशन देने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि दिल दोस्ती डिलेमा के दूसरे शेड्यूल के दौरान उन्हें ऑडिशन स्क्रिप्ट मिली। उन्होंने अपने होटल के कमरे से ही ऑडिशन रिकॉर्ड करके तुरंत भेजा। डीडीडी के आखिरी दिन, बेंगलुरु से उड़ान भरते समय उन्हें फोन आया कि उन्हें रोल मिल गया है, और शूटिंग अगले चार दिनों में शुरू होने वाली थी। दिल दोस्ती डिलेमा में अपनी आकर्षक उपस्थिति से लेकर अनुराग बसु जैसे दूरदर्शी निर्देशक के साथ एक मल्टीस्टारर फिल्म में अहम भूमिका तक का कुश जोतवानी का यह सफर उनके करियर में एक रोमांचक नया चरण दर्शाता है। प्रशंसक मेट्रो... इन दिनों में उनके प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह देखने के लिए कि वह बसु की अनूठी शैली में आधुनिक प्रेम की जटिलताओं को कैसे जीवंत करते हैं।

यंग फिट इंडिया आइकॉन नियुक्त होने पर बोली शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ को युवा मामले और खेल मंत्रालय ने यंग फिट इंडिया आइकॉन के तौर पर नियुक्त किया है। इसके लिए अभिनेत्री ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है। अभिनेत्री ने बताया कि 'संडे ऑन साइकिल' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट पहल का विस्तार है। आयोजन के 25वें संस्करण में शरवरी को आधिकारिक रूप से यंग फिट इंडिया आइकॉन के रूप में नियुक्त किया गया। यंग फिट इंडिया आइकॉन के रूप में नियुक्त किए जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, शरवरी ने कहा, युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने यंग फिट इंडिया आइकॉन के तौर पर नियुक्त किया है, जो मेरे लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, इस अद्भुत पहल संडे ऑन साइकिल का हिस्सा बनना रोमांचक है, जो साइकिल चलाने के जरिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता है। यह प्रधानमंत्री मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट पहल का एक विस्तार है और मुझे इसमें भाग लेने और अपना योगदान देने पर गर्व है। बता दें, राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया और बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कर्तव्य पथ पर साइकिल भी चलाई। संडे ऑन साइकिल पहल देश भर में प्रचलित हो चुकी है। देशभर में 5,000 से अधिक स्थानों पर संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया गया। विशेष संस्करण देश के उन बहादुर सैनिकों को समर्पित था, जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो शरवरी जल्द ही अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ 'अल्फा' में दिखेंगी।

गुरु दत्त की बायोपिक में नजर आ सकते हैं विक्की कौशल

दिवंगत एक्टर और निर्माता-निर्देशक गुरु दत्त की जिंदगी को बड़े परदे पर लाने की चर्चा काफी समय से हो रही है। अब अल्ट्रा मीडिया के सीईओ और निदेशक रजत अग्रवाल ने गुरु दत्त की बायोपिक पर मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया कि उनकी बायोपिक पर चर्चा शुरू हो चुकी है। रजत ने कहा... मैं गुरु दत्त की बायोपिक बना रहा हूं। हालांकि, बायोपिक बनाना इतना आसान नहीं होता है, क्योंकि किसी भी इंसान की महानता और उपलब्धियों को दिखाने के लिए मेहनत करनी होती है। जब रजत से पूछा गया कि वे किस एक्टर को गुरु दत्त के किरदार में देखना चाहते हैं तो उन्होंने विकी कौशल का नाम लिया। उन्होंने बताया की गुरु दत्त के किरदार को विक्की अच्छी तरह निभा सकते हैं। गौरतलब है कि गुरु दत्त ने साल 1951 में रिलीज हुई फिल्म बाजी से निर्देशक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की।

अनन्या पांडे ने शाहरुख को बताया दूसरा पिता

अभिनेत्री अनन्या पांडे बॉलीवुड के किंग खान और उनके परिवार के काफी करीब हैं। हाल ही में उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान की तारीफ की और कहा कि वो बहुत ही बेहतरीन इंसान हैं। साथ ही बताया कि अभिनेता अभी भी उनके करियर को लेकर सवाल करते हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

शाहरुख खान रखते हैं ख्याल

एक्ट्रेस अनन्या पांडे टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, वहां उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा, 'वह हम सभी को हमारे खेल दिवस और ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं के लिए सिखाया करते थे। वह हमारे जिंदगी के सारे पहलुओं में शामिल रहे हैं। अभी भी वह जानना चाहते हैं कि हम क्या कर रहे हैं और वह बहुत हद तक हमारे जीवन में शामिल रहते हैं। साथ ही, जब वह आपसे बात करते हैं, तो उनमें यह गुण है कि वह आपको यह एहसास दिलाते हैं कि आप दुनिया के एक बहुत ही खास व्यक्ति हैं। मुझे लगता है उनके जैसा कोई नहीं है।'

शाहरुख खान को बताया दूसरा पिता

अभिनेत्री अनन्या पांडे को अक्सर अभिनेता शाहरुख खान के परिवार के एक बहुत ही करीबी सदस्य के रूप में देखा जाता है। साक्षात्कार के दौरान आगे बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, 'शाहरुख मेरे दूसरे पिता की तरह हैं। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्त के पिता हैं, इसलिए हम सभी आईपीएल मैच देखने उनके साथ जाते थे। इंडस्ट्री में सिर्फ सुहाना (शाहरुख खान की बेटी) और शनाया (संजय कपूर की बेटी) ही मेरी सबसे करीबी दोस्त हैं और हम सब कुछ शेयर करते हैं।'

अनन्या पांडे का वर्कफ्रंट

अनन्या पांडे के करियर फ्रंट की बात करें तो उन्होंने साल 2019 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वहीं अभिनेत्री को हाल ही में फिल्म 'केसरी 2' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने दिलरीत गिल की भूमिका निभाई थी, जो एक वकील रहती हैं। इसके अलावा पिछले साल एक्ट्रेस एक सीरीज 'कॉल मी बे' में भी नजर आईं थीं।

चहल से तलाक पर मिली आलोचनाओं पर बोलीं धनश्री वर्मा

धनश्री वर्मा को क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद सोशल मीडिया पर काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इस मामले पर पहली बार रिएक्शन देते हुए धनश्री ने कहा कि वह झूठी बातों पर ध्यान नहीं देतीं। कहा कि वह इन सब बातों की बजाय अपने काम पर ध्यान देती हैं और लोगों के सामने खुद को अच्छे तरीके से पेश करने की कोशिश कर रही हैं। बातचीत में धनश्री वर्मा ने कहा, लोग सच्चाई से कोसों दूर हैं। मैं इन बातों पर सफाई नहीं देती क्योंकि मुझे अपनी परवरिश और संस्कारों पर पूरा भरोसा है। मैं हमेशा गरिमा और शालीनता बनाए रखने में विश्वास करती हूं। दूसरों को नीचा दिखाना कभी मेरा तरीका नहीं रहा और मेरा मानना है कि इससे किसी को जीवन में आगे बढ़ने में मदद नहीं मिलती।

धनश्री ने कहा, मैं अपने काम में ही लगी रहती हूं और मेरी नीयत हमेशा अच्छी रही है। आत्मविकास, खुद से प्यार करना और अनुशासन ही मेरी जिंदगी में सबसे जरूरी बातें रही हैं। मुझे भरोसा है कि एक दिन उनकी सच्चाई खुद सबके सामने आ जाएगी। जब धनश्री से पूछा गया कि क्या वह दोबारा प्यार को एक मौका देना चाहेंगी, तो धनश्री ने माना कि वह इस सोच के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन फिलहाल उनके लिए उनका करियर सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा, 'प्यार की बात करें तो ऐसी चीजें प्लान नहीं की जातीं और अगर नसीब में अच्छा लिखा है, तो क्यों नहीं कौन प्यार नहीं चाहता अपनी जिंदगी में?

बता दें, चहल से तलाक के बाद धनश्री को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उन्हें इस रिश्ते के टूटने का जिम्मेदार ठहराया जाने लगा। वहीं, चहल का नाम इन दिनों आरजे महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई बार साथ में भी स्पॉट किया गया है, जिसके बाद से ही उनके बीच अफेयर की खबरें सामने आने लगीं।

जल्द तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगी धनश्री

बात दें, धनश्री धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। हाल ही में वह राजकुमार राव की फिल्म भूल चुक माफ के गाने टिंग लिंग सजना में नजर आई थीं। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म आकाशं दाटी वस्तावा से अपना तेलुगु डेब्यू भी करने जा रही हैं।

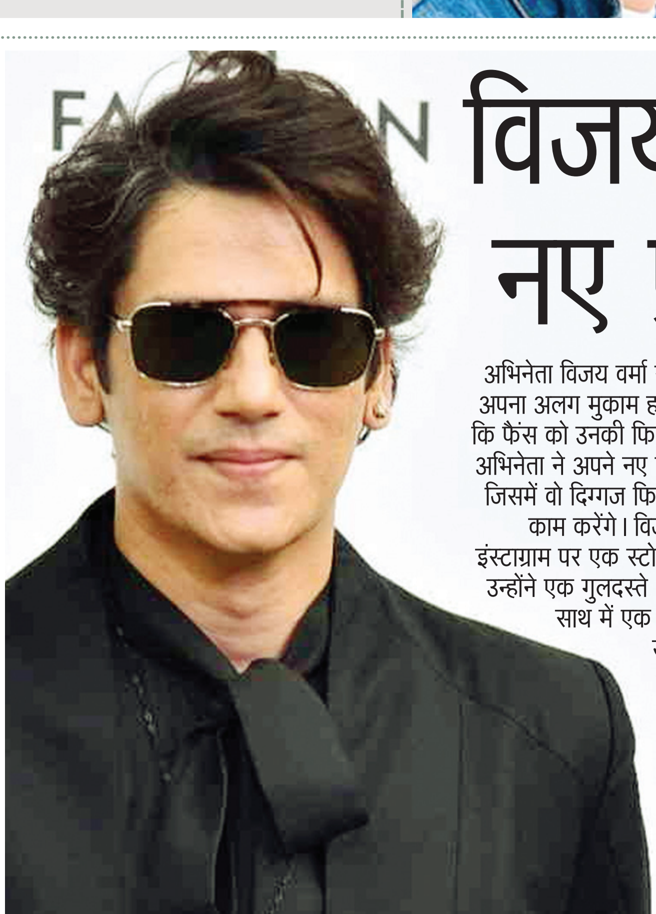

विजय वर्मा ने की अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा

अभिनेता विजय वर्मा ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपना अलग मुकाम हासिल किया है। यही कारण है कि फैंस को उनकी फिल्मों का इंतजार रहता है। अब अभिनेता ने अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। जिसमें वो दिग्गज फिल्ममेकर हंसल मेहता के साथ काम करेंगे। विजय वर्मा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में उन्होंने एक गुलदस्ते (बुके) की फोटो शेयर की है। साथ में एक लेटर भी नजर आ रहा है, जो खुद हंसल मेहता द्वारा हाथों से लिखा गया है। इस फोटो को शेयर करते हुए विजय ने कैप्शन में 'नई शुरुआत' लिखा है।

विजय वर्मा ने हंसल मेहता का जो नोट स्टोरी पर शेयर किया है। उस नोट में हंसल ने विजय की तारीफ करते हुए उनका अपने प्रोजेक्ट में स्वागत में किया है। हंसल और विक्रम की ओर से लिखे इस नोट में लिखा है, आपका स्वागत है। कड़ी मेहनत, शानदार काम और कुछ बेहतरीन यादों से भरा शूट। ढेर सारा प्यार। विजय वर्मा और हंसल मेहता के एक साथ आने से दर्शकों को एक बेहतर फिल्म की उम्मीद है। क्योंकि हंसल मेहता की फिल्में भी सामाजिक या अलग मुद्दों पर आधारित होती हैं। जिनमें बेहतरीन कहानी देखने को मिलती है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट के बारे में अभी और अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

विजय ने हाल ही में पूरी की 'मटका किंग' की शूटिंग वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय वर्मा आखिरी बार अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'आईसी 814 : द कंधार हाईजैक' में नजर आए थे। हाल ही में उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट 'मटका किंग' की शूटिंग पूरी की है। वहीं अगर हंसल मेहता के काम की बात करें तो हंसल मेहता की आखिरी निर्देशित फिल्म 'द बकिंघम मर्डर' थी। जिसमें करीना कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं।

चिरंजीवी और नयनतारा की फिल्म पर आया नया अपडेट

साउथ एक्टर चिरंजीवी और साउथ लेडी सुपरस्टार नयनतारा इन दिनों अपनी फिल्म मेगा 157 की शूटिंग में व्यस्त हैं। आइए बताते हैं फिल्म को लेकर नई अपडेट क्या आई है, जिसने फैंस को बेहद खुश कर दिया है। मेगास्टार चिरंजीवी और साउथ अभिनेत्री नयनतारा अपने आगामी बड़े प्रोजेक्ट मेगा 157 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनिल रविपुडी कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मई में हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में शुरू हुई थी। एक खबर के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल आज पूरा हो गया है। इस दौरान चिरंजीवी और कुछ अन्य महत्वपूर्ण कलाकारों के साथ अहम सींस फिल्माए हैं। अब फिल्म की टीम जल्द ही दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू करेगी, जिसमें चिरंजीवी और नयनतारा पर एक खास गाना फिल्माया जाएगा। मेगा 157 का निर्माण साहू गरपति और चिरंजीवी की बेटी सुष्मिता कोनिडेला कर रहे हैं, जो शाइन स्क्रीन और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले काम कर रहे हैं। फिल्म का संगीत भीम्स सेसिरोलेओ बना रहे हैं। यह हाई-बजट पारिवारिक मनोरंजक फिल्म अगले साल जनवरी में संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

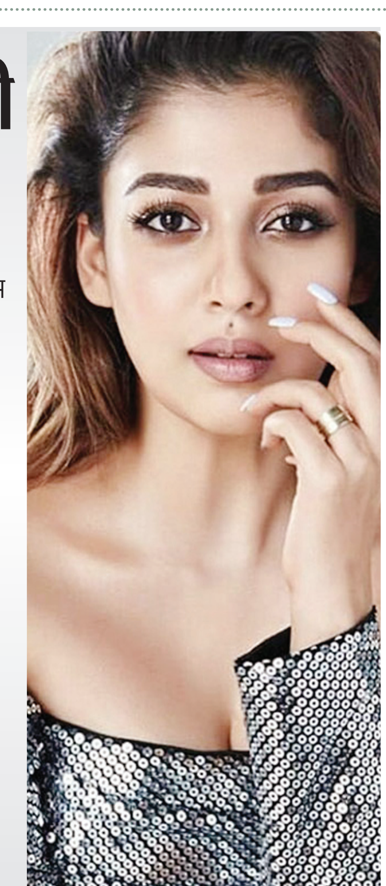

लखनऊ सुपर जायंट्स से जहीर खान की होगी छुट्टी?

कोचिंग स्टाफ को लेकर फ्रेंचाइजी में असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 को खत्म हुए 2 दिन भी नहीं हुआ है और फ्रेंचाइजी में बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है। अगले सीजन से पहले कई फ्रेंचाइजी स्टाफ और कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर सकती हैं और सबसे बड़ा बदलाव लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में हो सकता है। 14 मैचों में से सिर्फ छह जीत के साथ सातवें स्थान पर रहने से फ्रेंचाइजी प्रबंधन खुश नहीं है। जहीर खान की देखरेख में काम कर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के कोचिंग स्टाफ के कुछ प्रमुख सदस्यों के भविष्य को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहीर (46) खुद भी इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। जहीर को पिछले साल की नीलामी की शुरुआत से पहले मेंटर बना गया था, तो उन्हें सिर्फ एक साल के अनुबंध पर रखा गया था। उस कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू किया जाना है और सूत्रों का कहना है कि अगर वह बने रहते हैं तो यह आश्चर्य की बात होगी।

जहीर को मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ काम करने के लिए लाया गया था, जिनका कॉन्ट्रैक्ट भी रिन्यू होना है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों के बीच सीजन के दौरान कैसा समन्वय किया, लेकिन टीम और प्रबंधन के भीतर असंतोष की भावना दिखाई देती है। इस स्तर पर चर्चा से पता चलता है कि लैंगर की तुलना में जहीर पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

प्रबंधन टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं

एलएसजी फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका क्रिकेट और आईपीएल के प्रति जुनूनी माने जाते हैं और पिछले दो सीजन से टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब नहीं हो पाई है। हालांकि, जहीर 2024 सीजन के लिए जवाबदेह नहीं हो सकते, लेकिन प्रबंधन इस सीजन में टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं है।

जहीर-पंत का पेशेवर संबंध काफी अच्छा

कहा जाता है कि जहीर का कप्तान ऋषभ पंत के साथ पेशेवर संबंध काफी अच्छा है, लेकिन पंत ने बल्ले से निराश किया। पंत ने 14 मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक सहित 269 रन बनाए, लेकिन बाकी 12 मैचों में कोई खास योगदान नहीं दे पाए। हालांकि, कप्तान के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए टीम के मेंटर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह जहीर ही थे, जिन्होंने टीम के विजन और दृष्टिकोण को आकार देने में मदद की। उन्होंने और पंत दोनों ने इस सीजन में निडर होकर क्रिकेट खेलने की बात कही थी। लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले।

इंग्लैंड सीरीज में ना चुने जाने के बाद अक्षर पटेल ने किया संन्यास का ऐलान?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के खत्म होने के साथ ही भारतीय क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल सुर्खियों में आ गए हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. जिसके बाद क्रिकेट जगत में तहलका मच गया है. अक्षर पटेल को इस बार इंग्लैंड दौरे के लिए भी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है, जिसके चलते उनके फैंस और ज्यादा परेशान हो गए हैं. सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें अक्षर को यह कहते हुए सुना गया कि 'मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक था.' जिसके बाद फैंस के बीच चिंता की लहर दौड़ गई. हालांकि, अब इस खबर की सच्चाई सामने आ गई है, और यह वीडियो फर्जी साबित हुआ है. दरअसल, यह वीडियो एआई की मदद से बनाया गया है, जिसमें अक्षर की आवाज और तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया. अक्षर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है, और वह अभी भी क्रिकेट में सक्रिय हैं.इस वीडियो में अक्षर पटेल रिटायरमेंट स्पीच देते नजर आ रहे हैं. अक्षर कहते नजर आ रहे हैं, 'यह बहुत महत्वपूर्ण ऐलान है. मेरे लिए यह ऐलान करना आसान नहीं है. क्रिकेट ने मुझे सबकुछ दिया. मेरी पहचान, आपका प्यार, लेकिन हर सफर का अंत होता है. शायद मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं खत्म हो गया.'

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की।जोकोविच के अलावा, वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 101वीं जीत 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में तीसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव को चार सेटों में 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपनी 101वीं जीत दर्ज की है। 38 साल के जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्कोर 4-4 है। पिछले तीन मैचों में सिनर ने जीत हासिल की है।इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गौफ ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन मेडिसन कीज को हरा दिया है। उन्होंने कीज को 6-7(6), 6-4, 6-1 से हराया। सेमीफाइनल में गौफ का मुकाबला फ्रांसीसी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी लोइस बॉइसन से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सभी को चौंका दिया है।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच शुक्रवार से

नॉर्थम्पटन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले केएल राहुल की नजरें लाल गेंद के प्रारूप में अभ्यास पर होंगी जब भारत ए टीम शुक्रवार से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट खेलने उतरेगी। भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिए ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी। इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं। राहुल ने 58 टेस्ट में 33.57 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्षक्रम में मिला है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है। गिल और साइ सुदर्शन को भी दूसरा चार दिवसीय मैच खेलना था लेकिन आईपीएल के कारण नहीं खेल सके। दोनों को लीड्स पर होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व सिर्फ टीम के भीतर अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल सकेगा।

टेस्ट टीम के सदस्यों में से 6 ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला मैच खेला जो ड्रॉ रहा। तेज गेंदबाज आकाश दीप दूसरे मैच में खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और करूण नायर ने पहले मैच में रन बनाए थे। ऐसी संभावना है कि रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को इस मैच में मौका दिया जाए। तेज गेंदबाज हरफनमौला के लिए शार्दुल ठाकुर और नीतिश रेड्डी में से एक का चयन होगा। दोनों ने कैंटरबरी में पहला मैच खेला लेकिन ठाकुर ने रेड्डी से ज्यादा गेंदबाजी की। फिटनेस कारणों से रेड्डी आईपीएल में भी ज्यादा नहीं खेल सके थे। अगर एक बार फिर सपाट पिच मिलती है तो राहुल एंड कंपनी के लिए तैयारियों के लिहाज से यह अच्छा नहीं होगा। इंग्लैंड लायंस के लिए तेज गेंदबाज जोश टंग और क्रिस वोक्स प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे ताकि पहले टेस्ट के लिए टीम में जगह बना सकें। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर का चोट के कारण भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध है। गुस एटकिंसन भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं।

टीमें:

भारत एः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करूण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतिश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुतार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, रूतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंसः जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद,जोर्डन कॉक्स, रिकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, मैक्स होल्डन, बेन मैकिनी, एडी जैक, अजीत सिंह डेल, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

शब्द नहीं हैं मेरे पास...

बेंगलुरु भगदड़ पर विराट कोहली की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर विराट कोहली ने बेंगलुरु भगदड़ पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे पूरी तरह टूट चुके हैं और उनके पास कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर आरसीबी का एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है जिसमें इस हादसे पर दुख जताया गया है। आरसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए हमे बेंगलुरु में भीड़ की वजह से हुए हादसे की जो जानकारी मिली है, वो जान बहुत दुखी हैं। सभी की सुरक्षा ही हमारे के लिए सबसे जरूरी है। जिन भी लोगों ने इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपनी जान गंवाई है, हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। अपने बयान में आगे साफ कहा है कि जैसे ही स्थिति के बारे में पता चला हमने अपने कार्यक्रम में तब्दीली की और स्थानीय प्रशासन ने जैसे निर्देश दिए, उसके मुताबिक आगे बढ़े। हम अपने सभी समर्थकों से अपील करते हैं कि वे सुरक्षित रहें। अब इस प्रतिक्रिया से समझ आता है कि आरसीबी की टीम ने स्थानीय प्रशासन का सहयोग किया था, उन्हें जैसा कहा गया, उन्होंने वैसा ही किया।

अब जानकारी के लिए बता दें कि बेंगलुरु में मची भगदड़ का सबसे बड़ा कारण ओवरक्राउडिंग रहा है। इसके ऊपर क्योंकि पुलिस का जरूरी संदेश समय रहते आम लोगों तक नहीं पहुंचा, उस वजह से भी एक कम्युनिकेशन गैप बना और इतना बड़ा हादसा हो गया। असल में बुधवार को सुबह 11.56 पर ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि कोई विक्ट्री परेड नहीं होगी। अब जिस समय पुलिस ने यह जानकारी दी, कई लोग पहले ही भीड़ लगा चुके थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर तो लोग इकट्ठा होने शुरू हो गए थे।

रोनाल्डो का गोल, मेजबान जर्मनी को हराकर फाइनल में पुर्तगाल

म्यूनिख, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के निर्णायक गोल से पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग सेमीफाइनल में जर्मनी को 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ मेजबान टीम की पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। ओलावृष्टि के कारण 10 मिनट की देरी के बाद, जर्मनी ने जल्दी ही लय पकड़ ली। लियोन गोरेट्जका ने शुरुआत में डियोगो कोस्टा को परखा, जबकि डेब्यूटेंट निक वोल्टमेड ने एलेक्जेंडर पावलोविच के साथ मिलकर एक और मौका बनाया। हालांकि, पुर्तगाल ने जल्द ही लय पकड़ ली। पेड्रो नेटो की तेज रफ्तार ने बार-बार जर्मन डिफेंस को एक्सपोज किया और रोनाल्डो ने गोलकीपर मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन को दो बार परखा। यह टेर स्टेगन की चोट से वापसी के बाद पहला मैच था। फ्लोरियन विर्ट्ज ने 48वें मिनट पर मैच का पहला गोल दागकर जर्मनी को 1-0 से लीड में ला दिया। फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ, जो कुछ मिनट पहले ही मैदान पर आए थे, उन्होंने शानदार सिंगल स्ट्राइक के साथ मैच का रुख पलटा। 63वें मिनट पुर्तगाल ने भी अपना खाता खोलते हुए मैच 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी को यहां से संभलने का मौका नहीं मिला। ब्रूनो फर्नांडीस और नूनो मेंडेस के बीच एक शानदार

वन-टू ने जर्मन बैकलाइन को तितर-बितर किया और मेंडेस के लो क्रॉस को रोनाल्डो ने गोल में बदला। इसी के साथ रोनाल्डो 40 साल और 119 दिन की उम्र में जर्मनी के खिलाफ गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। जर्मनी अब रविवार को तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ खेलेगा, जबकि पुर्तगाल फाइनल खेलेगा। मैच गंवाने के बाद जर्मनी के कोच जूलियन नेगल्समैन ने कहा, यह निश्चित रूप से हाल के दिनों में हमारा सबसे कमजोर प्रदर्शन था। हमने हमेशा पूरे दृढ़ विश्वास के साथ अटैक नहीं किया। पुर्तगाल जैसी टीम के खिलाफ अगर आप बदलाव में बहुत धीमे हैं, तो आपको दंडित किया जाएगा। अगर हम यूरोप में सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल होना चाहते हैं, तो शत प्रतिशत देना चाहिए। यह हार दुखद है, लेकिन हमें इससे सीखना चाहिए।

पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा कहा, मैं बहुत खुश हूं। यह टॉप क्वालिटी वाली जर्मनी की टीम के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मैच था। 25 सालों में पहली बार जर्मनी को हराना बहुत मायने रखता है। 1-0 की कमी को 2-1 की जीत में बदलना दिखाता है कि यह टीम क्या करने में सक्षम हैं।

पृथ्वी शॉ का फ्लॉप शो, ना चला बल्ला और कप्तानी में भी नहीं कर पाए कोई कमाल; सूर्यकुमार यादव की टीम भी हारी

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 मुंबई लीग 2025 की शुरुआत हो चुकी है और 4 जून को खेले गए तीसरे मैच में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई को ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने 5 विकेट से हरा दिया। हालांकि इस मैच में सूर्यकुमार ने कप्तानी पारी जरूर खेली, लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। वहीं दूसरी तरफ इस लीग से चौथे मैच में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स को नमो बांद्रा ब्लास्टर्स ने 40 रन से हरा दिया। इस लीग में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स की कप्तानी पृथ्वी शॉ कर रहे हैं। पृथ्वी की कप्तानी भी इस मैच में नहीं चली जबकि उनके बल्ले ने भी उन्हें धोखा दे दिया और वो बड़ा स्कोर करने से चूक गए।

सूर्यकुमार की ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई को मिली हार

इस लीग के तीसरे मैच में ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने टॉस जीता था और फिर ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई ने पहले बैटिंग की। इस टीम के ओपनर जगर राणा ने 42 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 27 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए। इन दोनों की पारी के दम पर ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 179 रन बनाए।

इसके जवाब में ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने ओपनर वरुण लवंडे की 38 गेंदों पर 57 रन जबकि साई राज पाटिल की 22 गेंदों पर नाबाद 47 रन की पारी के दम पर 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन बना लिए और मैच को 5 विकेट से जीत लिया। साई राज पाटिल को उनकी तेज पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पृथ्वी शॉ की टीम नॉर्थ मुंबई पैंथर्स 40 रन से हारी टी20 मुंबई लीग 2025 के चौथे मैच में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली नॉर्थ मुंबई पैंथर्स का सामना नमो बांद्रा ब्लास्टर्स के साथ हुई। इस मैच में नमो बांद्रा ब्लास्टर्स ने टॉस जीता और इसके बाद अपनी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाज धूमिल मटकर की 23 गेंदों पर 6 छक्के और एक चौके की मदद से खेली गई 52 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 171 रन बनाए। इसके जबाव में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स 19 ओवर में 131 रन पर ऑल आउट हो गई। कप्तान पृथ्वी शॉ सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए जबकि दिव्यांश सक्सेना ने 42 रन की पारी खेलकर अच्छा संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। टीम को खराब शुरुआत का भी खमियाजा भुगतना पड़ा। नमो बांद्रा ब्लास्टर्स के लिए कर्ष कोठारी ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अचानक धू-धू कर जलने लगीं बसें, एक पूरी तरह खाक; वीडियो हैरान कर देगा !

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में बड़ा हादसा हुआ है। इलाके के पंखा रोड पर गुरुवार सुबह अचानक दो बसों में आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की टीमें मौके पर तैनात हैं और आग बुझाने का काम जारी है। इस घटना में राहत की बात यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और जांच जारी है। दिल्ली फायर सर्विसेज ने घटनास्थल का एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विसेज के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी दिल्ली के पंखा रोड पर आग लगने से दो बसें और एक कार क्षतिग्रस्त हो गईं। सुबह करीब 5.30 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि तीनों वाहन सड़क किनारे एक-दूसरे के बगल में खड़े थे, तभी एक बस में आग लग गई। आग ने जल्द ही अन्य दो वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

एक साल सेवा जरूरी, देना होगा लाखों का बॉन्ड, मेडिकल छात्रों के लिए रेखा सरकार की नई शर्तें

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने दिल्ली के मेडिकल छात्रों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। विश्वविद्यालय ने दिल्ली सरकार के आदेश के तहत अब मेडिकल (एमबीबीएस और पीजी) छात्रों के लिए एक साल की अनिवार्य सेवा (मैंडेटरी सर्विस) को लागू कर दिया है। इसका मतलब है कि अब मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को दिल्ली सरकार के अस्पतालों में एक साल तक सेवा देनी होगी। सेवा बॉन्ड नियम सभी ऑल इंडिया कोटा और स्टेट कोटा के एमबीबीएस और पीजी और सुपरस्पेशलिटी कोर्स (एमडी/एमएस/डीएम/एमसीएच) छात्रों पर लागू होगा। दिल्ली के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों से पढ़ाई करने वाले सभी छात्र इसमें शामिल होंगे। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के डीन की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पोस्ट भी बनाई जा सकती हैं।

शीट मेटल कारोबारी से मांगी 10 लाख की घूस, सीजीएसटी के दो अफसर सीबीआई गिरफ्त में

नईदिल्ली, एजेंसी। शीट मेटल कारोबारी से दस लाख की रिश्वत मांगने के आरोप में सीबीआई ने सीजीएसटी दफ्तर से एक अधिकारी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें अधीक्षक और डाटा एंट्री ऑपरेटर शामिल है। यह कार्रवाई मंगलवार शाम सीजीएसटी कार्यालय और एसजीएम नगर के बी ब्लॉक स्थित डाटा एंट्री ऑपरेटर के आवास पर छापेमारी के दौरान की गई। मामले में सीजीएसटी के दो अन्य अधिकारी फरार हैं, जिनकी तलाश की जारी है। एनआईटी निवासी शीट मेटल का कारोबारी मनोज मलिक ने सीबीआई को दी शिकायत में बताया कि उनकी एक फैक्टरी एनआईटी-3 और दूसरी नवादा में स्थित है। आरोप है कि सीजीएसटी की टीम ने 30 मई को नवादा स्थित उनकी फैक्टरी पर छापा मारा था। टीम ने दस्तावेजों की जांच के बाद मनोज पर बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी के आरोप लगाए। मनोज के मुताबिक,उन्हें न तो पहले कोई नोटिस मिला और न ही रेड से पहले कोई जानकारी दी गई थी। छापे के बाद डाटा एंट्री ऑपरेटर ने मनोज से संपर्क कर 50 लाख रुपये में मामला रफा-दफा करने की पेशकश की। जब मनोज ने यह रकम देने से इनकार किया तो उसने 25 लाख और फिर 10 लाख रुपये की डील तय की। शीट मेटल कारोबारी मनोज ने सीबीआई से संपर्क कर पूरी जानकारी दी, जिसके बाद सीबीआई ने सर्च वारंट लेकर कार्रवाई की योजना बनाई। सीबीआई के सूत्रों के अनुसार मामले में सीजीएसटी के अधीक्षक और विभाग में निविदा पर काम करने वाले डाटा एंट्री ऑपरेटर को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक बुधवार रात गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कैट के आदेश से एमसीडी स्कूलों के कॉन्ट्रेक्ट टीचर्स की बल्ले-बल्ले, सबको मिलेगा 7वें वेतन आयोग का लाभ

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों में कार्यरत कॉन्ट्रेक्ट टीचर्स (संविदा शिक्षकों) के लिए अच्छी खबर है। केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने एक महत्वपूर्ण फैसले सुनाते हुए एमसीडी को कॉन्ट्रेक्ट पर कार्यरत प्राइमरी स्कूल के टीचर्स को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन देने को कहा है।

कैट के न्यायिक सदस्य मनीष गर्ग एवं प्रशासनिक सदस्य राजेन्द्र कश्यप की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि समान कार्य के लिए समान वेतन का सिद्धांत सभी पर लागू होता है। इसे बरकरार रखा जाना चाहिए। बेंच ने यह भी कहा कि पूरे मामले पर सुनवाई के दौरान पाया गया कि वेतन में असमानता का कोई औचित्य नहीं है। सभी शिक्षक एक समान रूप से कार्य कर रहे हैं, फिर वेतन में असमानता क्यों रखी गई है।

बेंच ने कहा कि कॉन्ट्रेक्ट टीचर्स को भी नियमित के बराबर न्यूनतम वेतनमान का भुगतान किया जाए। शहनाज़ परवीन और तहमीना रियाज़ ने अपने वकील अनुज अग्रवाल के माध्यम से कैट में याचिका दायर करते हुए कहा था कि वह 2003 से एमसीडी स्कूलों में संविदा प्राथमिक शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि नियमित प्राइमरी टीचर्स के समान कर्तव्यों का पालन करने के बावजूद उन्हें काफी कम वेतन दिया जा रहा था। उन्होंने 1 जनवरी,

2016 से पारिश्रमिक में समानता, बकाया व अन्य परिणामी लाभों की मांग की, जिसे कैट ने मंजूर कर लिया है। बेशक कैट का यह आदेश दो शिक्षकों की याचिका पर आया है, लेकिन इसका असर निगम में संविदा पर कार्यरत हजारों टीचर्स पर पड़ेगा। अब वह भी इस लाभ को पाने के हकदार हैं। जानकारी के अनुसार अभी निगम में 12 सौ से अधिक टीचर कॉन्ट्रेक्ट पर कार्यरत हैं। बेंच ने कहा कि दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने वर्ष 2017 में अपने संविदा शिक्षकों के पारिश्रमिक को पहले ही संशोधित कर दिया था, लेकिन एमसीडी के अन्य क्षेत्रों में समान रूप से रखे गए शिक्षकों को समान लाभ नहीं दिया गया। अब जबकि निगम का एकीकरण हो गया है। ऐसे में यह नियम पूरे निगम शिक्षकों पर लागू होता है। बेंच ने 21 नवंबर 2017 के एसडीएमसी नियम के अनुसार, आवेदकों को लागू महंगाई भत्ते व अन्य लाभों के साथ वेतनमान का न्यूनतम भुगतान करने का निर्देश दिया।

तिहाड़ में इंस्टाग्राम पर रची थी साजिश, दिल्ली में 35 लाख की लूट करने वाले चोर पकड़े गए

नईदिल्ली, एजेंसी।
उत्तर जिला पुलिस ने लाहौरी गेट में कपड़ा कारोबारी से 35 लाख रुपये की लूट में शामिल चार बदमाशों को दबोच लिया है। पुलिस ने 33.90 लाख रुपये भी बरामद किए हैं। इस वारदात को दो प्रदेशों के बदमाशों ने इंस्टाग्राम पर योजना बनाकर अंजाम दिया था। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि सोमवार को कटरा नील में कपड़ा कारोबारी के शोरूम में फायरिंग कर 35 लाख रुपये की लूट हुई थी। बदमाशों ने विरोध करने पर शोरूम में फायरिंग भी की थी। पुलिस ने पीड़ित विक्की जैन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया। स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर रोहित और एसएचओ योगेश्वर सिंह की देखरेख में 34 पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई थी।

डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि शेखर के भाई दिवांश की तिहाड़ जेल में मुलाकात तुषार से हुई थी। दोनों अलग-अलग इलाकों में लूट की वारदात में बंद थे। इस बीच शेखर को पुरानी दिल्ली के कारोबारियों के नगदी में लेनदेन के बारे में जानकारी मिली थी। वह कई बार रेकी कर चुका था,लेकिन उसके पास वारदात करने वाले लोग नहीं थे। दिवांश

ने तुषार की इंस्टाग्राम आईडी देकर भाई को फॉलो करने को कहा। जब तुषार और शेखर की इंस्टाग्राम पर बातचीत होने लगी तो यहीं पर लूट की योजना बनी। इसके तहत तुषार अपने दोस्त साहिल के साथ पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास पहुंचा। यहां शेखर और निखिल भी इंतजार कर रहे थे। फिर निखिल,शेखर और तुषार वारदात करने गए,जबकि साहिल बाइक पर इंतजार कर रहा था। वारदात करने के बाद चारों बागपत पहुंचे और यहां लूट के रुपयों का बंटवारा हुआ।

डीसीपी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से बदमाशों के आने और भागने का रास्ता तलाशना शुरू किया। एसआई प्रवीण शर्मा ने फुटेज के सहारे पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से लोनी होते हुए बागपत पहुंचे। पुलिस ने सोमवार रात को शेखर और साहिल को बागपत और बड़ौत से दबोच लिया। फिर इनकी निशानदेही पर साहिल और तुषार को रोहतक से गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली को मिली 200 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात, पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्लीवालों को 200 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिली है। गुरुवार को पर्यावरण दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन बसों को हरी झंडी दिखाई। ये बसें न सिर्फ दिल्ली के लोगों को रोजाना उनकी मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेंगी बल्कि प्रदूषण से जूझ रही राजधानी को साफ-सुथरी सांसें भी देंगी।

ये बसें कोई साधारण बसें नहीं हैं, बल्कि देवी स्कीम (दिल्ली इलेक्ट्रिक वीकल इंटरकनेक्टर) का हिस्सा हैं। ग्रीन कलर की ये 9 मीटर साइज वाली मिनी इलेक्ट्रिक बसें न सिर्फ स्टाइलिश हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी एकदम अनुकूल हैं। ये जीरो-एमिशन वाली बसें हैं, जो बिल्कुल प्रदूषण नहीं करतीं। इनकी खासियत यह है कि ये साइज में काफी छोटी है। इसलिए ये लास्ट मील कनेक्टिविटी मुहैया कराने में सक्षम हैं। यानी ये बसें उन

इलाकों में भी पहुंच सकती हैं जहां कम चौड़ी सड़कें हैं।

ये बसें दिल्ली के चार प्रमुख डिपो कुशक नाला, द्वारका, ईस्ट विनोद नगर और गाजीपुर से ऑपरेट होंगी। साउथ दिल्ली, ईस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली, साउथ-वेस्ट दिल्ली और सेंट्रल दिल्ली के कई अहम रूटों पर ये बसें फर्राटा भरेंगी।

बसों को हरी झंडी दिखाने के साथ-साथ पीएम मोदी ने पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक कदम और आगे बढ़ाया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत एक पेड़ भी लगाया और लोगों से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। इस मौके पर दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना, सीएम रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे।

पेंशन अदालतों से 18 हजार से अधिक शिकायतों का हो चुका है निस्तारण- डॉ. जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बुधवार को पेंशन संबंधी शिकायतों के लिए समयबद्ध निवारण तंत्र बनाने का आह्वान किया। नई दिल्ली में आयोजित 13वें अखिल भारतीय पेंशन अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सितंबर 2017 में शुरुआत के बाद से देशभर में 12 पेंशन अदालतें आयोजित की गई हैं, जिनमें कुल 25,416 मामले आए हैं। इनमें से 18,157 सफलतापूर्वक हल किए गए हैं। यानी समाधान दर 71 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने भारत के पेंशनभोगियों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक संवेदनशीलता और दक्षता की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पेंशन अदालत मॉडल हाल के वर्षों में किए गए सबसे नागरिक–हितैषी सुधारों में से एक है।

नहीं चल रहा कानून का जोर, सीमा से ज्यादा शोर बढ़ा रहा दिल्ली वालों की परेशानी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। प्रमुख इलाकों में शोर का स्तर लगातार तय मानकों को लांघ रहा है। हैरानी की बात यह है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त निर्देशों और सरकार के आदेश के बावजूद कोई सुधार नजर नहीं आ रहा है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, करोल बाग जैसे व्यावसायिक इलाकों में दिन (सुबह छह से रात दस बजे तक) के समय औसतन 75 डेसिबल से अधिक का शोर दर्ज किया जा रहा है, जबकि अधिकतम सीमा 65 डेसिबल निर्धारित है। रात (रात दस से सुबह छह बजे तक) में यह स्तर 67 डेसिबल तक पहुंच जाता है।

भारत से बातचीत के लिए तरस रहा पाकिस्तान, ट्रंप से गिड़गिड़ा कर बोले शहबाज शरीफ- मदद करो

इस्लामाबाद एजेंसी।
पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भीख के पैसों पर चल रही है, ये तो पूरी दुनिया को पता है। लेकिन भीख मांगने की पाकिस्तान की ऐसी आदत है कि जाती नहीं। कभी पैसे के लिए, कभी रिसोर्स के लिए तो कभी दाना-पानी के लिए, पाकिस्तान दुनिया के आगे हाथ फैलाने से कतई परहेज नहीं करता।

अब शहबाज शरीफ ने एक बार फिर अमेरिका के सामने हाथ फैलाया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गिड़गिड़ा कर भारत के साथ बातचीत कराने का आग्रह किया है। दरअसल भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि उसके साथ तब तक कोई बातचीत नहीं होगी, जब तक वह आतंकवाद को समाप्त न कर दे।

इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहबाज शरीफ पहुंचे थे।

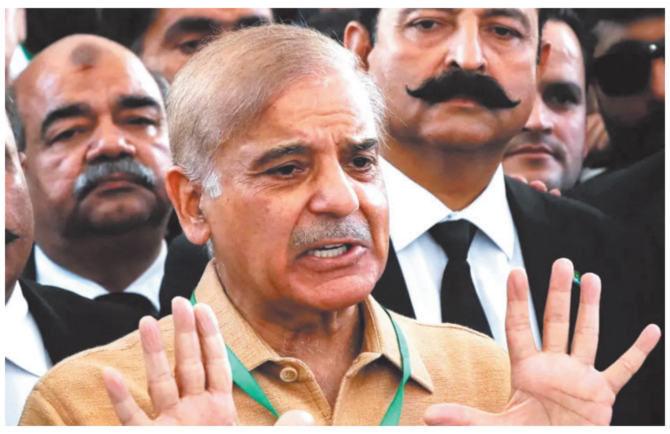

इस दौरान उन्होंने भारत के साथ तनाव को कम करने के लिए डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया। शरीफ ने ट्रंप से भारत के साथ बातचीत को सुगम बनाने का आह्वान भी किया। हालांकि भारत का स्पष्ट मत है कि बातचीत में कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं होगा। बता दें कि पाकिस्तान कई बार संघर्ष विराम के लिए अमेरिका को क्रेडिट दे चुका है। जबकि भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया था। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी कहा था कि ट्रंप करीब 10 अलग-अलग मौकों पर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम में मदद की थी, जिसका श्रेय लेने के वह हकदार हैं।

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का लंबे वक्त से दंश झेल रहे भारत ने पाकिस्तान को हर मौके पर सबक सिखाया है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। पाकिस्तान पानी की एक-एक बूंद को तरस रहा है और वह लगातार भारत से बातचीत की पेशकश कर रहा है। अमेरिका पहुंचे भारतीय सांसदों के डेलिगेशन को लीड कर रहे शशि थरूर ने कहा, अमेरिका समझ गया है कि भारत का रुख स्पष्ट है कि सिर पर बंदूक तानने पर कोई बातचीत नहीं होगी। अगर आपका पड़ोसी अपने कुत्ते आपके बच्चों को काटने के लिए छोड़ देता है और फिर कहे कि चलो बात करते हैं। आप तबतक बात नहीं करेंगे, जब तक वह केनेल में बंद नहीं कर देता।

इलाज के बहाने से बुलाया, फिर 25 गांव वालों की धोखे से निकाल ली किडनी !

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सादीकाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि यहां 25 ग्रामीणों की धोखे से किडनी निकाल ली गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कई ग्रामीणों को खाट पर लेटा हुआ दिखाया जा रहा है, जिनके पेट पर पट्टियां बंधी हुई हैं। इस वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि इन सभी की इलाज के नाम पर किडनी निकाली गई है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों को कहा गया था कि उनकी किडनी में पथरी है और उसका ऑपरेशन आवश्यक है। सस्ते इलाज के बहाने उन्हें धोखा देकर उनकी किडनी निकाल ली गई। ये लोग खुद को डॉक्टर बताते थे और मरीजों को बेहोश कराकर अंग निकालते थे। ऑपरेशन के बाद जब मरीज होश में आए, तो उन्हें इस धोखे का पता चला। स्थानीय मीडिया और पत्रकारों ने इस मामले को सोशल मीडिया पर उठाया है, लेकिन अभी तक पाकिस्तान के पंजाब प्रशासन या संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में इन आरोपों की सटीक पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कई लोग इस मामले पर चिंता जता रहे हैं और पाकिस्तान सरकार से तुरंत जांच और दोषियों को सजा देने की मांग कर रहे हैं। कुछ लोग इस घटना को पाकिस्तान में बढ़ती अंग तस्करी की समस्या के तौर पर देख रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा को यूनिफिल का नया प्रमुख नियुक्त किया

न्यूयॉर्क/बेरूत, एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के नए प्रमुख के रूप में मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा की नियुक्ति की घोषणा की है। वे लेफ्टिनेंट जनरल आरोल्डो लाजारो साएन्ज का स्थान लेंगे। यूनिफिल की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अबागनारा अब इस महत्वपूर्ण शांति मिशन का नेतृत्व करेंगे, जो दक्षिण लेबनान में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष विराम की निगरानी करता है। हालांकि 2006 के युद्ध के बाद आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम लागू है, लेकिन इजराइल और हिज़्बुल्लाह के बीच सीमा पार हमले अब भी जारी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने हाल के महीनों में दक्षिण लेबनान में हवाई हमले तेज किए हैं, जिनमें बेरूत के दक्षिणी उपनगरों को भी निशाना बनाया गया है, ये इलाके हिज़्बुल्लाह का गढ़ माने जाते हैं। फिलहाल इसमें लगभग 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैनिक तैनात हैं। नए प्रमुख अबागनारा को एक जटिल और संवेदनशील सुरक्षा माहौल में शांति स्थापना और मध्यस्थता की जिम्मेदारी संभालनी होगी।

पाक के दोस्त तुर्की पर युद्ध से भी बड़ा खतरा, एर्दोगान ने किसे ठहराया कसूरवार ?

इंस्ताबुल, एजेंसी। दुनिया के कई एशियाई देशों की तरह तुर्की में भी जन्म दर तेजी से घट रहा है। इस बीच हाल ही में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने जन्म दर में गिरावट को युद्ध से भी बड़ा खतरा बताया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एर्दोगान यहां की महिलाओं के कम बच्चे पैदा करने के फैसले से चिंतित हैं। देश में हालात गंभीर होने के बाद अब एर्दोगान ने जन्म दर को बढ़ाने के लिए नई नीतियों की घोषणा की है।

तुर्की में 2025 को परिवार का वर्ष, यानी फैमिली ईयर घोषित किया गया है। इससे पहले एर्दोगन ने कहा था कि 2026 से शुरू होने वाले दशक को परिवार का दशक नाम दिया जाएगा। राष्ट्रपति ने यहां की महिलाओं से कम से कम तीन बच्चे पैदा करने की अपील भी की है। इसके अलावा तुर्की में नवविवाहितों को बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश भी की गई है। हालांकि तुर्की की सरकार के इन कदमों से भी देश की हालत सुधरने की उम्मीद कम है। तुर्की मौजूदा समय में भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहा है। वहीं महंगाई

भी चरम पर पहुंच गई है, जिससे लोग बच्चे की प्लानिंग करने से हिचकिचा रहे हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि तुर्की की जन्म दर 2001 में प्रति महिला 2.38 बच्चों से गिरकर 2025 में 1.48 हो गई है। यह संख्या फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों से भी कम है। एर्दोगान ने इसे एक बड़ी आपदा बताया है।

एर्दोगान ने महिलाओं को ठहराया कसूरवार- एर्दोगान के 22 साल के कार्यकाल के दौरान देश में प्रजनन दर में तेजी से गिरावट आई है। इसके लिए तुर्की के राष्ट्रपति ने देश की महिलाओं और LGBTQ समुदाय के लोगों को कसूरवार ठहराया है। वहीं देश की एक महिला कार्यकर्ता ने बताया है कि राजनीतिक गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाता है। बेरिन सोनमेज कहती हैं, महिलाओं और LGBTQ लोगों को घटती जनसंख्या के लिए दोषी माना जाता है, जबकि राजनीतिक गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाता है। इस अराजक और अनिश्चित वातावरण में लोग बच्चे पैदा करने में हिचकिचाते हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए लगभग न के बराबर मदद मिलती है।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 05-06-2025 21:45 Page 1

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कार्यक्रमों का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो/धनबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो, दीपक वरनवाल (जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम) द्वारा व्यवहार न्यायालय बोकारो, परिसर मे वृक्षारोपण किया गया, इस अवसर पर पीठासीन पदाधिकारी श्रम न्यायालय रवि रंजन, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अरविंद कुमार नंबर 1, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अरुण कुमार दुबे, न्यायिक दंडाधिकारी मोहित एवं न्यायिक दंडाधिकारी सृष्टि कुमारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो व व्यवहार न्यायालय बोकारो के कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पारा लीगल वॉलिंटियर्स/ अधिकार मित्र इत्यादि उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम में वृक्षारोपण के उपरांत पीठासीन पदाधिकारी श्रम न्यायालय रवि रंजन एवं अन्य एक पदाधिकारीगण द्वारा पर्यावरण संरक्षण के निमित्त अधिक से अधिक पेड़ लगाने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। उक्त जानकारी अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अरुण कुमार दुबे के द्वारा दी गई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महर्षि अरविंद नगर (बालीडीह) स्थित रेलवे कॉलोनी में बोकारो महानगर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की ओर से पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगीता रखी गई।

जिसमें कॉलोनी के लगभग सभी बच्चों की सहभागिता ने सफल बनाया। इस अवसर पर महानगर पेड़ उपक्रम प्रमुख राजेंद्र तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है, यदि आज भी हम पर्यावरण संरक्षण विषय पर सजग नहीं हुए तो आने वाले दिनों पर इसका बहुत ही बुरे परिणाम हम सभी को झेलने के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को सीड बॉल, इकोब्रिक्स बना कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने का आवाह्न किया।

इस अवसर पर महानगर सह संघचालक सरयू गोस्वामी ज, हरिओम ज, संतोष कुमार ज, मनोहर ज, धर्म ज, आनंद ज उपस्थित रहे। बच्चों के द्वारा प्रमुख प्रस्तुति में कुछ आयुर्वेदिक पौधे, प्रोजेक्ट, सिड बॉल एवं प्रमुख रूप से इको ब्रिक्स जो घर में आए हुए अनचाहे प्लास्टिक को किसी एक खाली बोतल में अच्छे से भर देने के बाद जो मजबूत बोतल तैयार हुआ उसमें एक ईट से भी ज्यादा मजबूती आ जाती है, जिसे इकोब्रिक कहते है। इस इकोब्रिक्स में लगभग चार सदस्यों वाले परिवार के द्वारा उपयोग किए गए एक माह का प्लास्टिक एक बोतल में भरा जा सकता तथा इसका प्रयोग भी विभिन्न संरचना बनाने में किया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सहयोगिनी द्वारा बोकारो के कसमार तथा चास नगर निगम के चीरा चास में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस दौरान खैराचातर पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि जंगलो के कटाई, एवं अन्य प्रदुषण गतिविधियों के कारण पर्यावरण का क्षति हो रहा है। जिसके निरंतर बचाव के लिये हमे पर्यावरण सुरक्षा कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि और असमय वर्षा से कृषि कार्य काफी प्रभावित हुआ है। जंगल की कटाई के कारण आजीविका प्रभावित हुआ है। इस कार्यक्रम के अवसर पर रेखा देवी ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से हमारे जीवन शैली में प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण प्रदूषण से लोगो को तरह तरह बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजगार के लिए पलायन करना पड़ रहा है। हमें इस विषय पर मिलकर कार्य करना होगा।

समन्वयक प्रकाश महतो ने बताया कि जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या है। हम लोग पेड़ पौधे लगा कर इससे होने नुकसान को कम कर सकते हैं। संस्था द्वारा किशोरी समूह किचन गार्डन के द्वारा जैविक खेती करने को लेकर प्रोत्साहित कर रहे है। इस दौरान पौधारोपण भी किया गया। इसी के साथ स्विच ऑन फाउंडेशन तथा सहयोगिनी द्वारा चिरा चास में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर आयोजित रैली को प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ठाकुर ने कहा कि शहरी क्षेत्र में ठोस कचड़ा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस दौरान आंगनबाड़ी सेविका रुपलता देवी, एएनएम प्रीति कुमारी, शिक्षक कविता कुमारी, आंगनबाड़ी सेविका रश्मि रंजन शाही, सुमित्रा कुमारी, अंशु कुमारी, सोनी कुमारी, अनिल हेंब्रम, रिया कुमारी, संगीता कुमारी, अलका देवी, चंदा कुमारी, रिंकू देवी, उर्मिला देवी, रचना कुमारी, माया कुमारी, मीना कुमारी, दीपिका कुमारी तथा खैराचातर पंचायत के उप मुखिया अनिल कपरदार, वार्ड मेंबर सुगवा देवी, शिबू सोरेन कृषि मित्र, स्वयंसेवक विजय कपरदार, सहयोगिनी संस्था से एनिमेटर संगीता देवी, बिनीता देवी, रेखा देवी प्रतिमा देवी, रवि कुमार रॉय, इंद्रनाथ नायक, निर्मला देवी, सविता देवी, ममता देवी, राखी कुमारी, रानी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, खुशबू कुमारी, शोभा कुमारी, संध्या कुमारी आदि मौजूद रही।

हाथ से हाथ मिलाएँ, प्लास्टिक हटाएं, पर्यावरण बचाएँ कसांसे हो रही है कम, आओ पौधा लगाये हम के स्लोगन के साथ स्वदेशी जागरण मंच, बोकारो जिला विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चास ब्लॉक के शिव मंदिर परिसर में पौधा रोपण का कार्यक्रम किया गया और पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु लोगों को जागृत किया गया। अखिल भारतीय स्वदेशी मेला प्रमुख शचीन्द्र कुमार बरियार ने मंदिर परिसर में पौधा लगा कर कार्यक्रम का शुरूआत किये। कार्यक्रम अवधेश कुमार सिंह, पर्यावरण प्रमुख के देख रेख में संपन्न हुआ क कार्यक्रम में प्रांतीय संपर्क प्रमुख अजय चौधरी, जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, दिलीप वर्मा, जयशंकर प्रसाद, विवेकानंद झा, कुमार संजय, अवधेश कुमार सिंह, नवीन सिन्हा, सुजीत श्रीवास्तव, ददन प्रसाद, सुरेश सिन्हा, बिनोद चौधरी, मनीष श्रीवास्तव, सुजीत कुमार, संजय कुमार, विकास शर्मा, अनंत किशोर, एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विगत 24 - 25 मई को झुमरीतिलैया, कोडरमा में प्रांतीय विचार वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें बोकारो से 14 प्रतिनिधियों ने भाग लिया कविचार-वर्ष में पूरे झारखंड प्रांत से करीब 200 कार्यकताओं ने भाग लिया कविचार वर्ग में कुछ नये दायित्व की घोषणा क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र कुमार सिंह ने किया। सह संयोजक नवीन सिन्हा, कार्यालय प्रमुख ददन प्रसाद, पर्यावरण प्रमुख अवधेश कुमार सिंह, युवा प्रमुख सुजीत श्रीवास्तव, विचार विभाग प्रमुख अमर जी सिन्हा के नए दायित्व की घोषणा किया गया कयह जानकारी जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा ने दी एवं सभी को नए दायित्व के लिए बधाई दिया।

बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस को बोकारो स्टील सिटी तथा संयंत्र में पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। बोकारो स्टील प्लांट के मेन गेट स्थित सहभागिता उद्यान में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक प्रभारी सी.आर महापात्रा द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरुकता का संदेश दिया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) पीके बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक(नगर सेवा) कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी) डीके सक्सेना के साथ वरीय अधिशासी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के तत्वाधान में सहभागिता उद्यान में पर्यावरण के प्रति जागरुकता ड्राइव के अंतर्गत 51 पौधे लगाए गए। पर्यावरण के प्रति जागरुकता ड्राइव के अंतर्गत बोकारो स्टील प्लांट के अंदर सीआरएम- एवं सिंटर प्लांट में भी वृक्षारोपण किया गया। उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट की स्थापना काल से अब तक बोकारो एवं आस-पास के इलाकों में बीएसएल द्वारा पचास लाख से अधिक पौधे लगाए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बी एस एल द्वारा कुल 110173 पौधे लगाए गए तथा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान दो लाख पौधे और लगाने की योजना है।

धनबाद से संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने सिविल कोर्ट धनबाद परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण की रक्षा का संदेश लोगों को दिया। सिविल कोर्ट धनबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने, बागवानी व सफाई करने वाले सिविल कोर्ट के चार कर्मियों को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया वहीं नगर निगम की टीम के द्वारा कचरा प्रबंधन के विषय में जानकारी दी गई। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए न्यायाधीश श्री तिवारी ने कहा कि आज वह एक न्यायाधीश के रूप में नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक और पृथ्वी पुत्र के नाते आपसे संवाद कर रहे है। संविधान का अनुच्छेद 21 हमें जीवन का अधिकार देता है पर ऐसा जीवन जो सम्मानजनक हो, जो स्वच्छ वायु और निर्मल जल से समृद्ध हो। यह अधिकार तब तक अधूरा है जब तक पर्यावरण सुरक्षित नहीं। आज जब संपूर्ण विश्व विश्व पर्यावरण दिवस मना रहा है, तो यह केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक चेतावनी है, एक पुकार है कि हम जागें, संभलें और संकल्प लें।

हम जिस धरती पर चलते हैं, जिस वायु में साँस लेते हैं, जिस जल से जीवन पाते हैं, वह सब आज संकट में है। और जब प्रकृति संकट में होती है, तो मानवता भी संकट में आ जाती है। इसलिए जिले के आज हर ब्लॉक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा पौधरोपण का कार्यक्रम भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमे कानून को केवल दंड का उपकरण नहीं, बल्कि चेतना का प्रकाश भी मानना चाहिए। हम पर्यावरण कानूनों को केवल पुस्तकों में न पढ़ें उन्हें अपने जीवन में उतारें। आज आवश्यकता है एक हरित क्रांति की ऐसी क्रांति जो खेतों में नहीं, हमारे विचारों में हो। जो पेड़ को केवल लकड़ी नहीं, जीवन माने। जो नदियों को केवल पानी नहीं, आस्था समझे। और जो पर्यावरण की रक्षा को केवल विकल्प नहीं, कर्तव्य माने। उन्होंने कहा कि भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय व विभिन्न माननीय उच्च न्यायालयों ने भी बार-बार यह स्पष्ट किया है कि पर्यावरणीय न्याय केवल कानून की बात नहीं यह आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा की बात है। हम केवल वर्तमान के लिए नहीं, भविष्य के लिए भी जवाबदेह हैं। उन्होंने मीडिया से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि आप समाज की आवाज हैं। आज वह आवाज बुलंद कीजिए जो पेड़ों की कटाई के विरुद्ध हो, जो जलस्त्रोतों के रक्षण के पक्ष में हो, जो जनमानस को पर्यावरण के लिए प्रेरित करे। हमे इस पर्यावरण दिवस पर केवल भाषण नही एक एक संकल्प लेना होगा कि हम पृथ्वी को केवल उपभोग की वस्तु नहीं, पूज्य माता मानेंगे। जब तक धरती हरी है, तब तक जीवन हरा है। जब तक नदियाँ बहती हैं, तब तक हमारी संस्कृति बहती है। जब तक आकाश स्वच्छ है, तब तक हमारी चेतना स्वच्छ है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि उठिए, जागिए और प्रकृति की रक्षा में एक प्रहरी बनिए। यही सच्चा राष्ट्रधर्म है। इस मौके पर श्रम न्यायाधीश रमाकांत मिश्रा अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अभिजीत पाण्डेय, रजिस्ट्रार आइ जेड खान, सिविल जज एंजेलिना जॉन, डिएफओ विकास पालीवाल, एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, डालसा सहायक अरुण कुमार, राजेश सिंह, हेमराज चौहान, सिविल कोर्ट के कर्मचारी, नगर निगम, व वन विभाग की टीम समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत धनबाद सदर के बगुला स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में पौधारोपण किया।

विद्यालय पहुंचने पर छात्राओं ने पारंपरिक रीति रिवाज से उपायुक्त का स्वागत किया। तत्पश्चात विद्यालय की वार्डन ने उपायुक्त को पौधा भेंट किया। पौधारोपण करने के बाद उपायुक्त ने हर पौधे को विद्यालय की एक छात्रा के साथ टैग करने तथा छात्राओं को पौधे की अच्छे से देखभाल करने को कहा। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, एडीपीओ आशिष कुमार के अलावा विद्यालय के शिक्षक व कर्मी मौजूद थे।

कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने के लिए वृहद पौधारोपण करें। इसकी शुरूआत धनबाद नगर निगम एवं आईआईटी आईएसएम कुछ योजनाएं लेकर कर सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक से सड़क बनाएं। भरावक्षेत्र वाली भुमि (लैंडफिल साइट) को पार्क या अर्बन फॉरेस्ट्री में विकसित करें।

उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धनबाद नगर निगम एवं आईआईटी आईएसएम के डिपार्मेंट ऑफ एनवायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वारा स्वच्छ हवा के लिए नवाचार पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उपायुक्त ने कहा कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। धनबाद जिले में पानी की समस्या है। इसे दूर करने के लिए जल संरक्षण की योजनाएं भी शुरू होनी चाहिए। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कुछ ठोस करने की जरूरत है। आईआईटी आईएसएम इसके लिए सक्षम है। संस्थान के विशेषज्ञ एवं छात्रों में कुछ नया करने का जुनून है।

श्रद्धापूर्वक खाजों नदी के तट पर मना गंगा दशहरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर जरीडीह प्रखंड में प्रवाहित प्रमुख नदी खाजों में गंगा स्नान एवं पूजन जैनामोड चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं दामोदर देवबंद महोत्सव दामोदर बचाओ आंदोलन के बैनर तले कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के संयोजक संजय सिंह के नेतृत्व में गंगा पूजन किया गया।, आज के ही दिन गंगा नदी का इस धरती पर अवतरण हुआ था, जिसके उपलक्ष्य में नदियों का पूजन कर साफ सुथरा बनाए रखने का संकल्प लिया जाता है,।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ पी. के. सिंह ने कहा कि मानव जाति एवं जीव जन्तु को जल की आवश्यकता होती है। इसलिए मां गंगा नदी का अवतरण इस धरती पर हुआ। इसलिए वर्तमान समय में गंगा नदी के साथ-साथ उसके सहायक नदियों को भी संरक्षित करने की जरूरत है। नदी को साफ सफाई के साथ-साथ दोनों किनारो में वृक्षारोपण कर संरक्षित किया जा सकता है। जल ही जीवन है। इस भाव से नदियों का किनारा संरक्षित हो। पूजन के मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, राजेश कुमार शर्मा, संजय सिंह, शंकर रजक, कमल किशोर सिंह, रंजीत महतो, देवेन्द्र कुमार, रघुबीर सिंह, हराधन दता, पुनीत कर्मकार, नंदकिशोर किस्कू, बालेश्वर मुर्मू, धर्मदास वर्णवाल, सुरेश प्रसाद, देवमणि तिवारी, दीपक सिंह, आदि मौजूद थे,।

धनबाद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में गोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शक्तिनगर कोऑपरेटिव कॉलोनी भेलाटांड़ नाग नगर में धनबाद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कैंपस में एक पर्यावरण संरक्षण गोष्टी का आयोजन किया गया। जिसमे छात्रों एवं शिक्षको द्वारा कई तरह के कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी रमा सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कही की पानी, हवा और जमीन को दूषित होने से बचाना है इसके लिए वृक्ष लगाना है और प्लास्टिक का उपयोग समाप्त करना हैं। संस्थान के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र राज ने सभी विद्यार्थियों को वृक्षारोपण कर पर्यावरण रक्षा तथा प्लास्टिक का नहीं उपयोग करने का शपथ दिलाई। पर्यावरण दिवस पर गणमान्य अतिथि रूबी सांकृत्यायन, स्मिता सिंह ने भी कार्यक्रम में सिरकत किये संस्थान के तरफ से सभी अतिथियों को औषधीय पौधा इटालियन बेसिल भेंट स्वरुप प्रदान किया गया। उसके बाद अतिथियों. द्वारा डी आई टी, धनबाद के प्रांगन में सेव, आम, काजू, संतरा, अश्वगंधा, लीची, लेमन ग्रास इत्यादि पौधरोपण किया गया।

डी आई टी, धनबाद के विद्यार्थियो द्वारा पर्यावरण बचाओ के जागरूकता के लिए भव्य रैली निकली गई। संस्था के चेयरमैन प्रेम प्रकाश ने सभी अतिथियों, सहकर्मियों तथा विद्यार्थियो को कार्यक्रम के सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किये।

आईजी ने की समीक्षा बैठक

बोकारो। उत्तरी छोटानागपुर के आईजी जी.क्रांति कुमार ने आज बोकारो एसपी कार्यालय सभागार में प्रक्षेत्र के सभी एसएसपी और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की। बैठक में धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार, हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन, रामगढ़ एसपी अजय कुमार, चतरा एसपी सुमित अग्रवाल, कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह, धनबाद ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी धनबाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव शामिल हुए। आईजी ने विशेषकर संगठित एवं आर्थिक अपराध, नक्सल समस्या सहित अन्य मामलों पर गंभीर चर्चा की। आईजी ने कहा कि पुलिस पीपुल फ्रेंडली हो यह हमारा उद्देश्य है। संगठित अपराध पर अंकुश एवं नक्सल अभियान को और गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया, ड्रग्स और नशे से संबंधित अपराध को रोकने के लिए जोन में निरंतर कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि साइबर क्राइम पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा।

यज्ञ की पूणार्हुति में शामिल हुए सांसद

श्रद्धालुओं को दिया संयमित जीवन का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड के बरसोत पंचायत स्थित ग्राम चलंगा में आयोजित श्री श्री 1008 मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमद् भागवत कथा एवं शतचंडी महायज्ञ की नौ दिवसीय अनुष्ठान की पूणार्हुति के शुभ अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने पहुंचकर यज्ञ मंडप में आहुति अर्पित की और देवी माँ से पूरे क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

इस पावन अवसर पर आयोजित भंडारे में उन्होंने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन समिति द्वारा उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संयमित, सादगीपूर्ण और धर्मपरायण जीवन जीने की प्रेरणा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे यज्ञ की भावना को समझें और अपने जीवन में इसे आत्मसात करें।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें मुखिया मोतीलाल चौधरी, रामकुमार यादव, ब्रह्मदेव यादव समेत क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने यज्ञ में भाग लिया। सांसद मनीष जायसवाल के साथ उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी भी उपस्थित रहे। बरही विधानसभा क्षेत्र के दौरे के क्रम में हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल गुरुवार को ग्राम चलंगा के अलावा करियातपुर और बेला दोहर गांव भी पहुंचे, जहाँ ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

करियातपुर में सांसद ने व्यवसायी सुरेश सोनी के आवासीय परिसर में आयोजित एकादशी उद्यापन सह नौ दिवसीय कथा प्रवचन कार्यक्रम में भाग लिया।

रोटरी क्लब ने डॉक्टर, टेक्नीशियन,प्रेरक वक्ता व पत्रकार को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब चास द्वारा चीरा चास स्थित रोटरी भवन में व्यवसायिक प्रशंसा पुरस्कार-2 का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में सफल एवं समाज में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा इन व्यक्तियों को पुरस्कृत कर हम उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं और अन्य को प्रेरित। चोपड़ा ने कहा कि रोटरी क्लब चास ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें सम्मानित करने का कार्य कर रही है।

पूर्व अध्यक्ष पूजा बैद ने एक पौधा भेंट कर मुख्य अतिथि बिरंची नारायण का स्वागत किया।

कार्यक्रम में अर्चना सिंह ने वोकेशनल अवार्ड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यवसायिक प्रशंसा पुरस्कार ऐसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता को पहचानने और उसे मानने के लिए क्लब के समर्पण को दशार्ता है। अर्चना सिंह ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता को सम्मान के प्रति रोटरी प्रतिबद्ध है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि समाज में उत्कृष्टता की प्रशंसा बेहद आवश्यक है। नारायण ने कहा कि इससे मनोबल बढ़ता है और वे और बेहतर करने की तरफ अग्रसर होते हैं, और दूसरों को प्रेरित करने का कार्य करते हैं।

बिरंची नारायण ने ऐसे आयोजन के लिए रोटरी क्लब चास की प्रशंसा की।

रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब स्वयं से ऊपर सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और मिशन के प्रति दृढ़ है। मुकेश ने कहा कि रोटरी चास की विभिन्न परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में क्लब को निस्वार्थ भाव से सहयोग दिया है ऐसे 31 व्यक्तियों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया है।

समारोह में डॉक्टरों, टेक्नीशियन, प्रेरक वक्ता, पत्रकार आदि को सम्मानित किया गया।

नरेंद्र सिंह ने एक स्मृति चिन्ह भेंट कर पूर्व विधायक को सम्मानित किया।

मंच का संचालन डॉक्टर सुमन एवं मुकेश अग्रवाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मनोज चौधरी ने किया। इस अवसर पर संजय बैद, कुमार अमरदीप, प्रेम शंकर सिंह, पूजा बैदललिता चोपड़ा, रितु अग्रवाल माधुरी सिंह, किरण कुमार, डॉ श्रवण कुमार, मनोज सिंह, बिनय सिंह, प्रकाश केजरीवाल, विजय अग्रवाल, पूर्वी केजरीवाल, ज्योति अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, चनप्रीत, राजकुमार जायसवाल, छाया जायसवाल, आदि उपस्थित थे।

त्रिवेणी सैनिक माइनिंग ने रोपे 6000 पौधे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग (बड़कागांव)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पकड़ी बरवाडीह कोल माइंस क्षेत्र में वृक्षारोपण और प्लास्टिक उन्मूलन अभियान का आयोजन किया। इस वर्ष की वैश्विक थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना को केंद्र में रखते हुए, कंपनी ने न केवल 6000 से अधिक फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया, बल्कि प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने की शपथ भी दिलाई।

इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी ने एक पौधा लगाया। पौधारोपण मुख्य रूप से नवनिर्मित सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर परिसर और पूर्व में बंजर रहे क्षेत्रों में किया गया, जिससे इन क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़े और स्थानीय पारिस्थितिकी को लाभ पहुंचे।

इस अवसर पर कंपनी के सीईओ, मानव संसाधन प्रमुख, जीएम प्लानिंग, सीनियर जीएम कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, पर्यावरण और सुरक्षा विभाग के प्रमुख समेत सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ ने कहा कि कंपनी खनन क्षेत्र में कार्य करते हुए भी पर्यावरणीय संतुलन बनाकर सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारियों को कंपनी की ओर से एक-एक इको-फ्रेंडली जूट बैग प्रदान किया गया। साथ ही, मानव संसाधन प्रमुख के नेतृत्व में सभी ने शपथ ली कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करेंगे और प्लास्टिक कचरे को पृथक कर उसका पुनर्चक्रण सुनिश्चित करेंगे।

सीईओ ने कहा, हर पौधा शुद्ध वायु, स्थिर जलवायु और जैव विविधता के प्रति हमारी निष्ठा का प्रतीक है। हमने न केवल एक पौधा लगाया, बल्कि हरित भविष्य का बीज बोया है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष कंपनी ने 2.7 लाख पौधे लगाए थे और हर साल इस संख्या को बढ़ाने का लक्ष्य है।

यह आयोजन त्रिवेणी सैनिक माइनिंग की सतत विकास और जिम्मेदार खनन नीति का स्पष्ट प्रमाण है। कंपनी का उद्देश्य सिर्फ खदान क्षेत्र नहीं, बल्कि आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हरित क्रांति लाना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com